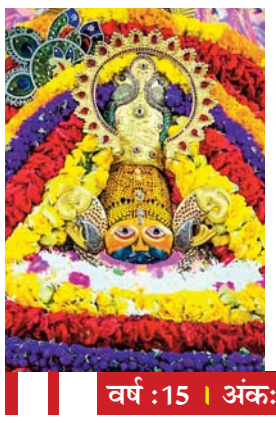

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:214। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (गुरुवार) 26 मार्च 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

'पेट्रोल-डीजल की देश में कोई कमी नहीं'

●एलपीजी ऑनलाइन बुकिंग 92 फीसदी तक पहुंची : पेट्रोलियम मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया भर में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस को लेकर मची हाहाकार के बीच भारत सरकार ने विश्वास दिलाया है कि देश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है और कच्चे तेल से लेकर प्राकृतिक गैस तक पर्याप्त मात्रा में है। पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में बुधवार को इसकी जानकारी दी गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शांति बहाली को लेकर भारत के प्रयासों की चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से बातचीत की। भारत ने तनाव कम करने, शांति बहाली और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सुरक्षित व खुला रखने पर जोर दिया। दोनों वार्ताओं में समुद्री मार्गों की सुरक्षा और क्षेत्रीय शांति और ऊर्जा सुरक्षा पर समन्वय पर बल दिया गया, जिसमें भारत-श्रीलंका सहयोग भी शामिल है। भारत ईरान सहित क्षेत्रीय साझेदारों के संपर्क में है और अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित कर रहा है। वहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर की ईरानी राजदूत से मुलाकात हुई। कई भारतीय नागरिक आर्मेनिया और अजरबैजान मार्गों के जरिए लौटे हैं, जिसके लिए ईरान को धन्यवाद दिया। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव राजेश सिन्हा ने जानकारी दी कि वर्तमान में 20 भारतीय जहाज पर्शियन गल्फ क्षेत्र में हैं, जिनमें 500 से ज्यादा भारतीय नाविक मौजूद हैं। उन्होंने बताया, 'पिछले 24 घंटों में किसी भी भारतीय जहाज या नाविक से संबंधित कोई घटना रिपोर्ट नहीं हुई है। 20 भारतीय जहाज वर्तमान में पर्शियन गल्फ क्षेत्र में संचालित हो रहे हैं, और इन जहाजों पर 540 भारतीय नाविक मौजूद हैं, और सभी सुरक्षित हैं। संबंधित एजेंसियां और शिपिंग अधिकारी लगातार संपर्क में हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। '

होटलों एवं रेस्तरां में 'एलपीजी शुल्क' वसूलने पर केंद्र ने लगाई रोक, कहा-उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर गैस संकट के बाद, देश में होटलों एवं रेस्तरां में ग्राहकों से 'एलपीजी शुल्क' वसूलने पर केंद्र सरकार ने सख्त एडवाइजरी जारी की है और इसे अनुचित व्यापार प्रथा करार देते हुए तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता बिलों में 'एलपीजी शुल्क ', 'गैस सरचार्ज' और 'ईंधन लागत वसूली' जैसे अतिरिक्त शुल्क लगाने वाले होटलों और रेस्तरांओं का कड़ा संज्ञान लिया है, और इस प्रथा को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत एक अनुचित व्यापार व्यवहार करार दिया है। बयान में कहा गया कि सेवा शुल्क पर मौजूदा दिशानिर्देशों से बचने के लिए ऐसे शुल्क डिफॉल्ट रूप से लगाए जा रहे हैं, सीसीपीए ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 10 के तहत जारी की नयी एडवाइजरी में निर्देश दिया गया है कि ऐसा कोई भी शुल्क स्वचालित रूप से नहीं वसूला जाएगा, और चेतावनी दी है कि उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जा सकती है। सरकार ने बताया कि राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर प्राप्त शिकायतों और मीडिया रिपोर्टों के आधार पर सीसीपीए ने पाया है कि कुछ होटल और रेस्तरां मेनू में प्रदर्शित भोजन और पेय पदार्थों की कीमत और लागू करों के ऊपर, उपभोक्ता बिल में डिफॉल्ट रूप से ऐसे शुल्क लगा रहे हैं।

मध्य पूर्व से भारत आने वाली उड़ानों की संख्या में लगातार हो रहा सुधार- केंद्र

● 'सऊदी अरब और ओमान से भारत के लिए उड़ानें जारी हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य पूर्व से भारत आने वाली उड़ानों की संख्या में लगातार सुधार हो रहा है। यूएई से लगातार नॉन-शेड्यूल उड़ानों को ऑपरेट किया जा रहा है और अलग-अलग एयरपोर्ट्स से 80 के करीब उड़ानें बुधवार को भारत आने की उम्मीद है। यह जानकारी विदेशी मंत्रालय द्वारा दी गई। बयान में कहा गया, 'सऊदी अरब और ओमान से भारत के लिए उड़ानें जारी हैं। कतर का हवाई क्षेत्र भी आंशिक रूप से खुला होने के कारण, कतर एयरवेज द्वारा बुधवार को भारत के लिए लगभग नौ नॉन-शेड्यूल कमर्शियल उड़ानें संचालित किए जाने की उम्मीद है।' कुवैत और बहरीन के हवाई क्षेत्र अभी भी बंद हैं। सऊदी अरब से जजीरा एयरवेज और गल्फ एयर जैसी एयरलाइंस द्वारा स्पेशल नॉन-शेड्यूल उड़ानें संचालित की जा रही हैं, जिससे भारतीय नागरिकों को भारत आने में सुविधा हो रही है।बयान में कहा गया है कि ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते भारत आने में सहायता दी जा रही है। भारतीय दूतावास की सहायता से 717 छात्रों और 326 भार तीय नागरिकों सहित 1,043 लोग ईरान से बाहर निकल चुके हैं। इजरायल में फंसे भारतीय नागरिकों को जॉर्डन के रास्ते भारत आने की सुविधा दी जा रही है। कुवैत, बहरीन और इराक में लगे प्रतिबंधों को देखते हुए, भारतीय नागरिकों को सऊदी अरब के रास्ते आवाजाही की सुविधा जारी है।

रामनवमी पर पूरे दिन खुलेगा श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, श्रद्धालु कर सकेंगे दर्शन

● दोपहर 12 बजे भगवान राम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगाः श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र

अयोध्या। रामनवमी के अवसर पर रामनगरी अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर 27 मार्च को पूरे दिन श्रद्धालुओं के लिए खुला रहेगा। सुबह 6:30 बजे से अनुष्ठान शुरू होकर 11:00 बजे तक चलेंगे। इस दिन कपाट बंद नहीं किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर सकें। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि दोपहर 12 बजे भगवान राम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दौरान सूर्य की किरणों से रामलला के मस्तक पर 'सूर्य तिलक' का दिव्य दृश्य दिखाई देगा। पूरे आयोजन का लाइव प्रसारण एलईडी स्क्रीन के जरिए किया जाएगा, जिससे देश-विदेश के लोग भी दर्शन कर सकें। भगवान रामलला को लगभग छह क्विंटल पंजीरी व 56 भोग का विशेष भोग अर्पित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में लगातार बधाई गान का आयोजन होगा और राम परिवार के दरबार में भी विशेष कार्यक्रम होंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दर्शन मार्ग पर मैट, छाया और अन्य व्यवस्थाएं की जाएंगी, साथ ही फूल बंगला झांकी आकर्षण का केंद्र रहेगी। शाम को मंदिर का शिखर भव्य फसाड लाइटिंग से जगमगा उठेगा, जिससे पूरा परिसर दिव्य आभा से भर जाएगा।

जल जीवन मिशन पर परामर्शदात्री समिति की बैठक, दिसंबर 2028 तक बढ़ा मिशन

● जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमनन्ना और राज भूषण चौधरी भी शामिल हुए

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की बैठक में जल जीवन मिशन की प्रगति, प्रभाव और भविष्य की रूपरेखा पर चर्चा की। इस दौरान बैठक में मिशन की उपलब्धियों, ग्रामीण भारत में पेयजल सुरक्षा, जलजनित बीमारियों में कमी और बच्चों के स्वास्थ्य व शिक्षा पर पड़े सकारात्मक असर पर भी चर्चा हुई। मंत्रालय ने बताया कि बैठक में जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमनन्ना और राज भूषण चौधरी भी शामिल हुए। बैठक में जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने और 8.69 लाख करोड़ रुपये के प्रावधान की जानकारी दी गई। सदस्यों को बताया गया कि मिशन अब केवल आधारभूत संरचना निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण सेवा वितरण पर केंद्रित है। मार्च 2026 तक 15.82 करोड़ ग्रामीण परिवारों को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन मिल चुके हैं, जो 2019 की तुलना में लगभग पांच गुना वृद्धि है। बैठक में डिजिटल डेटा शासन, ग्राम पंचायतों के माध्यम से सामुदायिक नेतृत्व, जल गुणवत्ता निगरानी, वित्तीय स्थिरता, जिला तकनीकी इकाइयों की स्थापना और 'जन भागीदारी' जैसे सुधार क्षेत्रों पर जोर दिया गया। मंत्रालय ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसमें 11 राज्य पहले ही शामिल हो चुके हैं।

तेलंगाना : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टी. जीवन रेड्डी ने दिया इस्तीफा

हैदराबाद। तेलंगाना कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टी. जीवन रेड्डी ने आखिरकार कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया। पार्टी नेताओं द्वारा मनाने के सभी प्रयास विफल रहे। उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता के साथ-साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की सदस्यता भी छोड़ दी। रेड्डी ने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में अपने इस्तीफे के पीछे के कारणों का विस्तार से उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि जगतियाल विधानसभा क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ हो रहे।

एकात्म मानव दर्शन आज भी प्रासंगिक : उपराष्ट्रपति

● यह सम्मेलन 25 से 27 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है

अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सम्मेलन का वर्चुअल उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का 'एकात्म मानव दर्शन' आज भी अत्यंत प्रासंगिक है और वर्तमान वैश्विक चुनौतियों के बीच संतुलित और समन्वित जीवन का मार्ग दिखाता है। उपराष्ट्रपति ने बुधवार को कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूरु में 'एकात्म मानव दर्शन - भारत का विश्वदृष्टिकोण' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सम्मेलन का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह सम्मेलन 25 से 27 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने इस सम्मेलन के आयोजन के लिए कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, प्रज्ञा प्रवाह और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन की सराहना की।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि एकात्म मानव दर्शन व्यक्ति, समाज, प्रकृति और ब्रह्मांड के बीच गहरे संबंध पर आधारित है। आज के समय में जब दुनिया विभाजन, तनाव और अविश्वास जैसी समस्याओं से जूझ रही है, यह दर्शन धर्म, कर्तव्य और मूल्यों के माध्यम से समरसता का मार्ग प्रस्तुत करता है। वास्तविक विकास वही है जो शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के समग्र विकास के साथ-साथ प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखे। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में कर्तव्य और सेवा के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य समावेशी और सतत विकास पर आधारित है, जो 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना से जुड़ा है। तेजी से बढ़ती तकनीकी प्रगति के संदर्भ में उन्होंने कहा कि तकनीक का उपयोग मानव कल्याण के लिए होना चाहिए और इसे नैतिक मूल्यों द्वारा संचालित किया जाना आवश्यक है। उपराष्ट्रपति ने एकात्म मानव दर्शन के सिद्धांतों को नीति और व्यवहार में अपनाने का आह्वान किया, ताकि एक संतुलित और सामंजस्यपूर्ण विश्व का निर्माण किया जा सके। उन्होंने सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

पाकिस्तान के बयान को भारत ने किया खारिज

● आतंकवाद पर घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन से जुड़े न्यायिक मामलों पर पाकिस्तान के बयान को सख्ती से खारिज किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को मीडिया के सवालों पर कहा कि भारत पाकिस्तान द्वारा जारी इस बयान को पूरी तरह अस्वीकार करता है, जिसमें एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन और उसके सदस्यों का समर्थन किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत के आंतरिक मामलों या न्यायिक प्रक्रियाओं पर टिप्पणी करने का पाकिस्तान को कोई अधिकार नहीं है। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि एक ऐसा देश, जो लंबे समय से आतंकवाद को बढ़ावा देता रहा है, इस तरह का बयान दे रहा है, जो हिंसा और निर्दोष लोगों की हत्या को उचित ठहराता है। प्रवक्ता ने पाकिस्तान को नसीहत देते हुए कहा कि झूठ और भ्रामक बयानबाजी करने के बजाय उसे अपने यहां हो रहे गंभीर और व्यवस्थित मानवाधिकार उल्लंघनों पर आत्ममंथन करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम)

अधिनियम (यूएपीए) के तहत एक मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को आजीवन कारावास और उनकी दो सहयोगी फहमीदा सोफी और नाहिदा नसीम को 30-30 साल की कैद की सजा सुनाई थी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इस सजा पर कड़ी आपत्ति जताई थी।

सोनिया गांधी अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली।कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को मंगलवार रात पेट में इंफेक्शन की शिकायत के बाद दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, फिलहाल उनकी हालत स्थिर है।

बुधवार को अस्पताल द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, सोनिया गांधी को मंगलवार रात 10:22 बजे सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के चेयरमैन डॉ अजय स्वरूप ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि डॉक्टर उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

डॉक्टरों द्वारा उनकी विस्तृत जांच की जा रही है, जिसमें पेट और यूरिनरी ट्रैक में संभावित संक्रमण की जांच भी शामिल है। इलाज के तहत उन्हें एंटीबायोटिक्स दी जा रही हैं। अस्पताल की एक विशेषज्ञ टीम उनकी निगरानी कर रही है और आवश्यक चिकित्सा देखभाल प्रदान की जा रही है।

पीएम मोदी से मिले राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा

'प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर प्रदेश के विकास एवं जन-कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में उनका बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया। '

एजेंसी

नई दिल्ली । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसकी जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिए दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।'' इस दौरान राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने पीएम मोदी ने मां दुर्गा की प्रतिमा भी भेंट की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर प्रदेश के विकास एवं जन-कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में उनका बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया। पीएम मोदी से मुलाकात के सीएम भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट में लिखा, ''आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट कर राजस्थान के सर्वांगीण विकास एवं जन-कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में उनका बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया। उनकी दूरदर्शी सोच और स्पष्ट दिशा-निर्देश हमें एक समृद्ध राजस्थान के निर्माण की राह दिखाते हैं।'' उन्होंने आगे लिखा,

'प्रधानमंत्री जी का राजस्थान की जनता के प्रति अटूट स्नेह और उनका दूरदर्शी मार्गदर्शन ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है, जिसके संबल से राजस्थान आज विकास के हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहा है, और इसी प्रेरणा से विकसित राजस्थान का संकल्प पूर्ण करते हुए प्रदेश का हर नागरिक उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होगा।

अमेरिका के अंडर सेक्रेटरी ऑफ वॉर से मिले विदेश मंत्री जयशंकर

● जियोपॉलिटिकल हालात पर की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री (ईएएम) एस जयशंकर और भारत दौरे पर आए अमेरिकी युद्ध विभाग के पॉलिसी अंडर सेक्रेटरी (उप रक्षा मंत्री के समकक्ष) एलब्रिज कोल्बी ने बुधवार को नई दिल्ली में एक बैठक की। जिसमें मौजूदा भू-राजनीतिक हालात पर चर्चा की गई। बैठक के बाद ईएएम जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, ' यूएस के अंडर सेक्रेटरी ऑफ वॉर एलब्रिज कोल्बी से मिलकर खुशी हुई। मौजूदा भू राजनीतिक हालात पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।' कोल्बी ने मंगलवार को दिल्ली के अनंता सेंटर में दिए अपने भाषण में भारत को इंडो-पैसिफिक में स्थिर शक्ति संतुलन का अनिवार्य और केंद्रीय भागीदार करार दिया था। एलब्रिज कोल्बी ने साफ कहा कि भारत सिर्फ एक महत्वपूर्ण साझेदार नहीं, बल्कि एशिया के भविष्य को आकार देने वाली अनिवार्य शक्ति है। कोल्बी ने कहा, 'भारत की भौगोलिक स्थिति, रणनीतिक स्वायत्तता, विशाल सैन्य क्षमता और बढ़ती आर्थिक ताकत ताकत के प्रभुत्व को रोकने, खुले व्यापार और राष्ट्रीय स्वायत्तता में गहराई से जुड़े हैं। कोल्बी ने रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की बात करते हुए लंबी दूरी की सटीक

● कोल्बी ने साफ स्वीकार किया कि दोनों देश हर मुद्दे पर सहमत नहीं होंगे, लेकिन रणनीतिक हितों के आधार पर गहरे सहयोग की गुंजाइश है।

● 'हमारी साझेदारी पुरानी औपचारिकताओं पर नहीं, बल्कि ठोस और टिकाऊ रणनीतिक हितों पर टिकी है।'

उसे एशिया में संतुलन बनाए रखने के लिए अपरिहार्य बनाती है। हम भारत को ताकतवर, आत्मविश्वासी और स्वायत्त शक्ति के रूप में देखते हैं, न कि किसी पर निर्भर देश के रूप में।' कोल्बी ने आगे कहा कि दोनों देशों के हित एशिया में किसी एक के बीच को-प्रोडक्शन और को-डेवलपमेंट की बड़ी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि भारत को सिर्फ एक अहम साझेदार के तौर पर ही अमेरिका नहीं देखता, बल्कि एशिया में लंबे समय तक हथियारों, समुद्री जागरूकता, पनडुब्बी रोधी युद्ध और उन्नत प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का संकल्प जताया। रक्षा औद्योगिक सहयोग पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत की स्वदेशी रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने का पूरा समर्थन करता है। दोनों देशों अच्छा पावर बैलेंस सुनिश्चित करने वाले एक जरूरी साझेदार के तौर पर देखता है। कोल्बी ने कहा कि अमेरिका की 'फ्लेक्सिबल रियलिज्म' और 'अमेरिका फर्स्ट' नीति भारत की 'भारत फर्स्ट' और 'इंडिया वे' से गहराई से मेल खाती है।

सरकार ने शुरू किया प्रिज्म-एसजी पोर्टल

● रेलवे और सड़क निर्माण की प्रक्रियाएं होंगी डिजिटल व समयबद्ध

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में रेलवे और परिवहन की बुनियादी ढांचा विकास में दक्षता, पारदर्शिता और अंतर-एजेंसी समन्वय को बढ़ाने के लिए प्रिज्म-एसजी पोर्टल (रेल-रोड निरीक्षण एवं चरण प्रबंधन - स्टील गर्डर्स के लिए पोर्टल) शुरू किया है। इस पोर्टल से रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) निर्माण से संबंधित अनुमोदन और निरीक्षण प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने के साथ समयबद्ध तरीके से पूरी होंगी। पोर्टल का उद्घाटन बुधवार को यहां केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन

गडकरी और रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संयुक्त रूप से किया।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि प्रिज्म-एसजी पोर्टल से गुणवत्ता आश्वासन योजना, वेल्डिंग प्रक्रिया विनिर्देशन शीट और स्टील गर्डर्स के निर्माण चरण निरीक्षण जैसी प्रक्रियाएं अब पूरी तरह ऑनलाइन होंगी। इसमें दस्तावेजों का प्रस्तुतिकरण, जांच, प्रश्नों का समाधान, अनुमोदन, निरीक्षण का समय निर्धारण, रिपोर्ट, तस्वीरें और परीक्षण परिणाम अपलोड करने की सुविधा उपलब्ध होगी। वर्तमान में आरओबी निर्माण के लिए भारतीय रेल से कई अनुमोदन लेने पड़ते हैं, जिनमें सामान्य व्यवस्था आरेख, संरचनात्मक आरेख, गुणवत्ता आश्वासन योजना, वेल्डिंग प्रक्रिया विनिर्देशन शीट और स्टील गर्डर्स का निरीक्षण शामिल है।

● नवप्रवर्तित पोर्टल इन चुनौतियों को दूर करेगा और सड़क विभागों, भारतीय रेल, ठेकेदारों, निर्माणकर्ताओं और निरीक्षण एजेंसियों को एकीकृत डिजिटल मंच पर लाएगा। इस पहल से अनुमोदन और निरीक्षण की समयसीमा लगभग 12 महीने से घटकर 3 से 4 महीने रह जाएगी। इससे परियोजनाओं की दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा आरओबी और रेलवे पुलों का समयबद्ध निर्माण सुनिश्चित होगा।

धीनगरः गुजरात BJP ने पार्लियामेंट्री बोर्ड का ऐलान किया, कई सीनियर नेता शामिल

महानगर मेट्रो

गुजरात BJP ने कोर कमेटी की मीटिंग के बाद पार्लियामेंट्री बोर्ड का ऐलान किया है। लोकल बॉडी इलेक्शन से पहले ऐलान किए गए

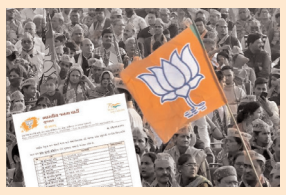

पार्लियामेंट्री बोर्ड में कई सीनियर नेताओं को शामिल किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, पार्लियामेंट्री बोर्ड में भूपेंद्रसिंह चूड़ासमा, नितिन पटेल, परसोत्तम रूपाला, आर.सी. फालदू, सी.आर. पाटिल, अंजू वेकारिया, जयश्री पटेल और वर्षा दोशी को शामिल किया गया है। आपको बता दें कि नए ऑर्गनाइजेशन के बाद नए पार्लियामेंट्री बोर्ड का ऐलान किया गया है। पूरी लिस्ट देखें... आपको बता दें कि चुनाव को लेकर BJP ऑर्गनाइजेशन एक्शन मोड में है। फिर टिकट तय करने में पार्लियामेंट्री बोर्ड की अहम भूमिका होती है। टिकट बांटने के लिए पार्लियामेंट्री बोर्ड की मीटिंग होती है।

गांधीनगर-अहमदाबाद में 174 लोग फर्जी किसान बन गए, सरकारी फायदे का खेल पकड़ा गया

महानगर मेट्रो

गुजरात में फर्जी किसान अकाउंट होल्डर बनकर जमीन हड़पने और सरकारी स्कीम का फायदा उठाने का ट्रेंड अभी भी जारी है। सरकार ने

माना है कि अकेले राजधानी गांधीनगर और अहमदाबाद में पिछले दो साल में 174 फर्जी किसान अकाउंट होल्डर बन गए हैं।

सरकारी सिस्टम की मिलीभगत से फर्जी डॉक्यूमेंट का घोटाला

भ्रष्ट सरकारी सिस्टम की वजह से फर्जी डॉक्यूमेंट के आधार पर किसान अकाउंट होल्डर बनने के स्कैम सामने आ रहे हैं। पूर्व मंत्री और इदर MLA रमन वोरा भी किसान के नाम पर डॉक्यूमेंट पेश करके फर्जी किसान बन गए हैं, और यह विवाद दिल्ली हाई कोर्ट तक पहुंच गया है। इस मामले पर जब विधानसभा में सवाल पूछा गया तो सरकार ने खुलासा किया है कि अहमदाबाद जिले में पिछले दो साल में फर्जी किसानों के बारे में कुल 89 शिकायतें दर्ज की गई हैं।

रेवेन्यू डिपार्टमेंट को फर्जी अकाउंट होल्डर्स की डिटेल्स मिलीं

रेवेन्यू डिपार्टमेंट को वटवा में 7, घाटलोडिया में 5, वेजलपुर में 4, साबरमती में 2, दशक्रोई में 29, साणंद में 25, बावला में 3, वीरमगाम में 11, देत्रोज में 2 और मंडल में 1 केस में फर्जी किसान अकाउंट होल्डर्स के बारे में शिकायतें मिलीं। इसके अलावा, गांधीनगर में 41, कलोल में 27, देहगाम में 11 और मानसा में 6 शिकायतें मिलीं, जिससे कुल 85 शिकायतें हो गईं।

फर्जी अकाउंट होल्डर्स के खिलाफ एडमिनिस्ट्रेशन की रेड आई

रेवेन्यू डिपार्टमेंट ने अपना जवाब दिया कि गांधीनगर जिले में गनोधारा के आधार पर 61 केस निपटाए जा चुके हैं जबकि 24 केस अभी भी सुनवाई में हैं। इसके अलावा, अहमदाबाद जिले में 28 केस निपटाए जा चुके हैं जबकि 61 केस सुनवाई में हैं।

गांधीनगरः 7 गांवों में पिछले 63 सालों से बेसिक सुविधाओं के लिए गांववाले कर रहे हैं विरोध; घर और मालिकाना हक की ज़ोरदार मांग

महानगर मेट्रो

गांधीनगर को बने हुए दशकों बीत जाने के बावजूद, शहर की सीमा में शामिल हुए सात गांवों की समस्याएं आज भी हर जगह दिखाई देती हैं। इंद्रोदा, बोरिज, धोलाकुवा, आदिवाड़ा, फतेपुरा, पलाज और बसन गांवों के हजारों परिवार पिछले 63 सालों से बेसिक सुविधाओं और कानूनी घर के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आज एक बार फिर प्रभावित गांववालों ने गांधीनगर में विरोध प्रदर्शन किया और सरकार से लंबित मुद्दों को हल करने की मांग की।

सरकार के सामने अपनी लंबित मांगों को ज़ोरदार तरीके से रखा

गांधीनगर आज दुनिया भर में एक मॉडर्न शहर के तौर पर जाना जाता है, लेकिन इस शहर के सात पुराने गांवों की हालत दीये तले अंधेरे जैसी है। इंद्रोदा, बोरिज, धोलाकुवा, आदिवाड़ा, फतेपुरा, पलाज और बसन जैसे गांवों के लोग छह दशकों से ज़्यादा समय से प्रशासन की अनदेखी झेल रहे हैं। आज इन सात गांवों के नेताओं और गांववालों ने अपनी पेंडिंग मांगों को लेकर सरकार के सामने एक मज़बूत प्रेजेंटेशन दिया है, जिसमें एडमिनिस्ट्रेशन की बेपरवाही के खिलाफ गुस्सा जताया गया है।

बढ़ती आबादी और बढ़ते परिवारों की वजह से घर की गंभीर समस्या

इस मुद्दे का इतिहास गांधीनगर शहर की स्थापना जितना ही पुराना है। जब इन गांवों को शहर के एरिया में शामिल किया गया था, तो गांववालों को उम्मीद थी कि उन्हें मॉडर्न सुविधाएं मिलेंगी, लेकिन असलियत कुछ और ही रही है। बढ़ती आबादी और बढ़ते परिवारों की वजह से घर की गंभीर समस्या पैदा हो गई है।

एक ही छोटे से घर में दो-तीन परिवार एक साथ रहने को मजबूर

गांववालों की तरफ से दी गई बातों के मुताबिक, दशकों से घर की समस्या को लेकर कोई पक्की पॉलिसी नहीं बनी है। बढ़ती आबादी की वजह से परिवार तो बढ़ गए हैं, लेकिन रहने के लिए जगह नहीं है। गांववाले गांव के आसपास की ज़मीन पर मिट्टी के घर बनाकर रहने को मजबूर हैं। अब ये परिवार मांग कर रहे हैं कि सरकार इन घरों पर कब्ज़े को लीगल करे। कई मामलों में, दो-तीन परिवार एक ही छोटे से घर में एक साथ रहने को मजबूर हैं, जिनके लिए सरकार के लिए रियायती दरों पर प्लॉट या हाउसिंग स्कीम देना ज़रूरी हो गया है। गांव वाले इस बात से नाराज़ हैं कि सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है। इसके अलावा, प्रभावित लोगों का कहना है कि जिन किसानों की ज़मीन सालों पहले शहर के विकास के लिए ली गई थी, उन्हें रोज़गार के मकसद से गांधीनगर शहर में 'चिप टाइप' दुकानें किराए पर दी गई थीं। किसान लंबे समय से इन दुकानों के मालिकाना हक के लिए लड़ रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी तक कानूनी मालिक नहीं बनाया गया है। मालिकाना हक मिलने से ये परिवार आर्थिक रूप से अपने पैरों पर खड़े हो सकते हैं। गुस्सा इस बात का है कि सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो ज़ोरदार संघर्ष किया जाएगा। गांधीनगर शहर के सेक्टर बगीचों, लाइब्रेरी और खेल के मैदानों से भरे हुए हैं, जबकि इन गांवों में प्राइमरी हेल्थ सेंटर, चाइल्ड केयर सेंटर या सामाजिक कार्यक्रमों के लिए शादी हॉल जैसी बुनियादी सुविधाओं की भी भारी कमी है। गांव वालों का कहना है कि अगर वे शहर का हिस्सा हैं तो उन्हें शहर जैसी सुविधाएं क्यों नहीं मिलतीं। अगर सरकार ने इन बुनियादी मुद्दों को तुरंत हल नहीं किया तो आने वाले समय में कड़ा संघर्ष किया जाएगा।

अहमदाबादः खोखरा इलाके में एक बार फिर खूनी खेलः पत्नी से बात करने से मना करने पर दो भाइयों पर चाकू से हमला, एक युवक ICU में भर्ती

महानगर मेट्रो

एक हफ़्ते पहले अहमदाबाद शहर के खोखरा इलाके में हत्या की कोशिश हुई थी, वहीं हत्या की एक और कोशिश का मामला सामने आया है। महिला से बात करने पर डांटने गए दो युवकों को चाकू मार दिया गया। एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए अस्पताल के ट्रॉमा में भर्ती कराया गया है। खोखरा पुलिस ने पूरे मामले में चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जब उसने पूछा, 'तुम मेरी पत्नी से क्यों बात कर रहे हो?' तो झगड़ा हो गया। मिली जानकारी के मुताबिक, अजयभाई ठाकोर अपने परिवार के साथ शहर के खोखरा इलाके में मोतीभाई की चाली में रहते हैं। एक हफ़्ते पहले अजयभाई को पता चला कि उनकी पत्नी उनके सामने

वाली सोसायटी में रहने वाले अविनाश सोनवाने से बात कर रही है। तो, इसी बात को लेकर अजय अविनाश के घर गया और कहा कि तुमने मेरी पत्नी से बात करने से मना किया है, तुम उससे क्यों बात कर रहे हो? बहस के बाद वह अपने घर आ गया। शाम करीब 7:30 बजे अविनाश, उसका भाई विशाल और सनी और उसके चचेरे भाई का बेटा कार्तिक अजय के घर आए।

हितेश को जान से मारने की नीयत से पेट में चाकू घोंपा

बड़ी मुश्किल में अविनाश ने अजय से कहा कि तुम बार-बार मेरे घर आते हो तो अपनी पत्नी को समझाओ। तो वे गाली-गलौज और बहस करने लगे। अजय ने डांटने से मना किया तो चारों ने मिलकर उसे पीटना शुरू कर दिया और विशाल ने अपने पास मौजूद चाकू निकालकर अजय को जान से मारने की नीयत से उसके सिर में घोंप दिया। इसी बीच अजय के चचेरे भाई का बेटा हितेश आ गया। सनी ने विशाल के हाथ में चाकू लिया और हितेश को जान से मारने की नीयत से उसके पेट में घोंप दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़कर आए। हितेश बचने के लिए एक रिक्शा में बैठकर भाग गया।हितेश गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए ICU में भर्ती कराया गया है। चारों आरोपियों ने घर के बगल में पड़ी एक्टिवा में भी डंडे से तोड़फोड़ की और फिर वहां से भाग गए। हितेश को इलाज के लिए LG हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया, जबकि अजय को इलाज के लिए सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया। हितेश गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए ICU में भर्ती कराया गया है, चारों आरोपी अब फरार हो गए हैं। जब खोखरा पुलिस को इस मामले की जानकारी मिली, तो पुलिस ने अब पूरे मामले में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। गौरतलब है कि खोखरा इलाके में कानून-व्यवस्था की स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है, सरेआम चाकू और डंडों से हत्या की कोशिश की घटनाएं बढ़ रही हैं। खोखरा पुलिस इलाके में कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं।

अहमदाबादः शिवरांज BRTS बस स्टैंड पर आग लगी, चार सड़कों पर ट्रैफिक जाम

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद शहर के सबसे बिज़ी माने जाने वाले शिवरांज BRTS बस स्टैंड पर आज (25 मार्च) आग लग गई। घटना की खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। बस स्टैंड पर आग लगने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। सभी यात्री तुरंत बस स्टैंड से बाहर सड़क पर भागे। काफी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। बस के केबिन में किसी अनजान वजह से आग लग गई थी। आग लगने की वजह का पता लगाने के लिए FSL और BRTS टीमें कार्रवाई करेंगी। आग लगने की घटना के कारण BRTS बस स्टैंड को फिलहाल बंद कर दिया गया है।

BRTS बस स्टैंड में आग, यात्रियों और स्टाफ में भगदड़

BRTS बस स्टैंड शिवरांजनी चार रास्ता के पास है, जहां से रोज़ाना पूरब और पश्चिम दोनों दिशाओं में 100 से ज़्यादा बसें चलती हैं। फिर आज (25 मार्च) दोपहर में BRTS बस स्टैंड पर केबिन के ऊपरी हिस्से में आग लग गई। अचानक किसी वजह से आग लग गई। जिससे यात्रियों और स्टाफ में भगदड़ मच गई।

बस स्टैंड का दरवाजा न खुलने से दो बसें फंस गईं

आग लगने की वजह से लोग तुरंत बस स्टैंड से निकल गए। आग लगने के समय, यात्रियों को उतारने के लिए बस स्टैंड के पास दो बसें खड़ी थीं। हालांकि, उस समय बस स्टैंड का दरवाजा नहीं खुला। जिससे दोनों बसें बाहर नहीं निकल पाईं, पीछे से एक इलेक्ट्रिक बस आ रही थी जिसे ड्राइवर ने रोककर वापस मोड़ दिया।

BRTS बस स्टैंड में आग पर काबू

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद फायर टीम ने आग पर काबू पा लिया।

अहमदाबादः नवरंगपुरा में बुलेट सवार का आतंक, एक्सीडेंट, दो लोगों को हॉस्पिटल ले जाया गया

महानगर मेट्रो

एक बार फिर अहमदाबाद शहर के नवरंगपुरा इलाके में एक तेज़ रफ़्तार गाड़ी ने एक्सीडेंट कर दिया। स्टेडियम रोड पर पूरी रफ़्तार से आ रही एक बुलेट ने एक एक्टिवा को ज़ोरदार टक्कर मार दी, जिससे एक गंभीर एक्सीडेंट हो गया। इस घटना में एक्टिवा सवार युवक लहूलुहान हालत में बेहोश हो गया और उसे तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया।

पिल्लर नंबर 195 के पास एक्सीडेंट

यह घटना कल रात नवरंगपुरा इलाके में कॉमर्स सिक्स बिल्डिंग के पास मेट्रो पिल्लर नंबर 195 के पास हुई। होटल में काम करने वाले विजयसिंह परमार और शैलेश नाम के युवक अपनी एक्टिवा पर जा रहे थे। इसी बीच, तेज़ रफ़्तार से आ रही एक तेज़ बुलेट बाइक ने

उन्हें पीछे से ज़ोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि एक्टिवा सवार दोनों युवक सड़क पर गिर गए।

एक युवक की हालत गंभीर

चश्मदीदों के मुताबिक, बुलेट की रफ़्तार इतनी ज़्यादा थी कि एक्टिवा ड्राइवर को कुछ करने का मौका ही नहीं मिला। एक्सीडेंट में विजयसिंह परमार के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं और वह खून से लथपथ हालत में मौके पर ही बेहोश हो गए। जबकि शैलेश और बुलेट ड्राइवर को मामूली चोटें आईं। स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए पहुंचे और घायलों को 108 से सिविल हॉस्पिटल पहुंचाया। विजयसिंह की हालत अभी गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही नवरंगपुरा पुलिस और बी-डिवीजन ट्रैफिक पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा। ट्रैफिक पुलिस ने बुलेट ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। अहमदाबाद की सड़कों पर ओवरस्पीडिंग के बढ़ते मामले बेगुनाह लोगों के लिए मौत की सजा साबित हो रहे हैं, ऐसे में इस घटना ने एक बार फिर गाड़ी चलाने वालों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अहमदाबादः रानीप में एक युवक ने अपनी पत्नी के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर और झगड़ों से तंग आकर आत्महत्या कर ली, सुसाइड नोट में लिखा

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद के रानीप में एक 42 साल के आदमी ने अपनी पत्नी के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर और झगड़ों से तंग आकर आत्महत्या कर ली है। मरने वाले ने मरने से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा, जिसमें उसने अपनी पत्नी के दूसरे मर्दों के साथ रिश्ते और अपने बच्चों के भविष्य की चिंता लिखकर अपना दुख ज़ाहिर किया। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

मरने वाले के छोटे भाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है

मरने वाले के छोटे भाई ने इस घटना के बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत करने वाले के मुताबिक, उसका बड़ा भाई अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रानीप में रहता था। पिछले कुछ समय से, मरने वाले की पत्नी के दूसरे मर्द के साथ गलत रिश्ते की वजह से परिवार में अशांति थी, जिसकी वजह से वह

लगातार मानसिक तनाव में रहता था। पत्नी के पियर जाने पर युवक ने की आत्महत्या इस घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार, 21 मार्च को पीड़ित के साले घर आए और उसकी पत्नी को पियर ले गए। अगली सुबह पीड़ित बिना किसी को बताए रानिप में अपने घर पहुंच गया। जब उसके भाइयों को शक हुआ तो वे घर पहुंचे, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। गैलरी से अंदर जाने पर युवक बेडरूम में पंखे और चादर से लटका हुआ मिला। 108 टीम ने उसकी जांच करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस जांच के दौरान घर के सोफे पर एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें आत्महत्या के कारणों का ज़िक्र था।

सुसाइड नोट में पत्नी के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का खुलासा

मृतक ने सुसाइड नोट में लिखा, 'मैं आत्महत्या कर रहा हूं क्योंकि मेरी पत्नी के कई लोगों के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर थे। मैंने बहुत समझाया और सुलह भी की, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ।' खास बात यह है कि जैसा कि पुलिस शिकायत में कहा गया है, सुसाइड नोट में मृतक की पत्नी के दूसरे आदमियों के साथ कॉन्टैक्ट डिटेल और उसका मोबाइल नंबर भी दिया गया था। इसके अलावा, यह भी पता चला है कि पत्नी ने अपने रिश्तेदारों के गहने गिरवी रखे थे। दशरथभाई ने अपनी पत्नी को सज़ा देने की मांग की थी। फिलहाल, पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

अहमदाबादः रिक्शा पार्किंग को लेकर मारपीट करने वाला युवक गिरफ्तारः अमराईवाड़ी में तीन युवक आपस में भिड़ गए, मारपीट की घटना CCTV में भी कैद हो गई

महानगर मेट्रो

अमराईवाड़ी इलाके में एक युवक के साथ रिक्शा पार्किंग को लेकर मारपीट और झगड़ा हुआ। तीन युवकों ने मिलकर उसकी पिटाई कर दी, इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अमराईवाड़ी में बदमाशों के आपस में भिड़ने और मारपीट करने का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसके बाद पुलिस ने साफ किया कि रिक्शा पार्किंग को लेकर मारपीट हुई थी और यह घटना पहले भी इसी तरह हो चुकी है। पूरी मारपीट का CCTV और वीडियो वायरल होने के बाद कहा गया है कि केस दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ

मिली जानकारी के मुताबिक,

अमराईवाड़ी नीति नगर के पास मंजिल चाली में एक युवक पर तलवार और लोहे के पाइप से हमला करने का वीडियो वायरल हुआ था, जिसकी पुलिस ने जांच की। सोनवीर बगेल नाम के युवक पर हमला हुआ था। सोनवीर रिक्शा में बैठा था, तभी आशीष और उसके दो अन्य दोस्तों ने उस पर लोहे के पाइप और तलवार से हमला कर दिया। सोनवीर गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। मारपीट की घटना CCTV में भी कैद हो गई। मारपीट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया गया।

पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया

अमराईवाड़ी पुलिस स्टेशन के पीआईआर बी चावड़ा ने बताया कि युवक पर हमले का जो वीडियो वायरल हुआ है। उसमें सोनवीर नाम के व्यक्ति पर आशीष और उसके दो दोस्तों ने हमला किया था। पता चला है कि हमला रिक्शा पार्क करने को लेकर हुआ था। इससे पहले भी इसी बात पर बहस हुई थी। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

गांधीनगरः नकली डॉक्टरों की अब खैर नहीं गुजरात असेंबली में 'क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट अमेंडमेंट बिल' पास हुआ

महानगर मेट्रो

राज्य में मेडिकल सर्विस की क्वालिटी बनाए रखने और नकली डॉक्टरों पर नकेल कसने के लिए गुजरात सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। 'गुजरात क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट (रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन) (अमेंडमेंट) बिल-2026' असेंबली में बिना किसी विरोध के पास हो गया है। इस नए अमेंडमेंट से हॉस्पिटल और क्लिनिक के रजिस्ट्रेशन का मुश्किल प्रोसेस अब और ज़्यादा फ्लेक्सिबल और एफिशिएंट हो जाएगा।

यह अमेंडमेंट क्यों ज़रूरी था?

हेल्थ मिनिस्टर प्रफुल्ल पंचेरिया ने बिल पेश करते हुए कहा कि साल 2021 में इस कानून को लाने का मुख्य मकसद बिना क्वालिफिकेशन वाले 'घोटालेबाजों' के काम पर कंट्रोल करना था। अब तक राज्य में करीब 41,000 प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। करीब 2,000 परमानेंट रजिस्ट्रेशन पूरे हो चुके हैं। एडमिनिस्ट्रेटिव सिंपलीसिटी पक्का करने और कानून में बार-बार अमेंडमेंट से बचने के लिए सेक्शन-9 और सेक्शन-18 में ज़रूरी बदलाव किए गए हैं।

नए बदलाव की खास बातें

रजिस्ट्रेशन का समय 30 अप्रैल 2026 तक सीमित था। लेकिन अब सरकार किसी भी समय एक नोटिफिकेशन के ज़रिए यह समय तय कर सकती है। प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन, जो 12 सितंबर 2026 के बाद बंद होना था, उसे सरकार द्वारा तय समय तक जारी रखा जा सकता है। कानूनी पाबंदियों के कारण एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसेस मुश्किल था। लेकिन अब गजट के ज़रिए बदलाव किए जा सकते हैं, जिससे प्रोसेस तेज़ होगा।

नियम तोड़ने वालों के ख़िलाफ़ सख़्त सज़ा का प्रावधान

हेल्थ मिनिस्टर ने साफ़ चेतावनी दी है कि अगर कोई भी मेडिकल संस्था या अस्पताल इन नियमों का पालन नहीं करता है, तो उसके ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई की जाएगी। जिसमें 10 हज़ार रुपये से 5 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान है। इसके साथ ही, गंभीर लापरवाही होने पर सिस्टम के पास रजिस्ट्रेशन कैंसिल करने का भी अधिकार होगा। इसलिए, तय समय सीमा के अंदर रजिस्ट्रेशन न कराने वाली संस्थाओं के ख़िलाफ़ सज़ा वाली कार्रवाई की जाएगी।

मरीजों के लिए सुरक्षा कवच

इस बदलाव के पीछे असली मकसद नागरिकों को धोखाधड़ी से बचाना है। अस्पतालों और लैब्स का रजिस्ट्रेशन ज़रूरी होने से, मरीज़ों को भरोसा मिलेगा कि जिस संस्था में वे इलाज करवा रहे हैं, वह सरकारी स्टैंडर्ड के हिसाब से चल रही है और वहां काम करने वाले डॉक्टर क्वालिफाइड हैं।

गांधीनगरः गुजरात पवित्र तीर्थ विकास बोर्ड की बड़ी लापरवाही, 19 साल से कोई हिसाब नहीं दिया: CAG

महानगर मेट्रो

राज्य सरकार के एडमिनिस्ट्रेशन में ट्रांसपेरेंसी के दावों के बीच एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। गुजरात के मशहूर तीर्थ स्थलों को डेवलप करने वाला गुजरात पवित्र तीर्थ विकास बोर्ड पिछले 19 सालों से अपना हिसाब देने में फेल रहा है। CAG रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बोर्ड ने साल 2006-07 से अब तक अपनी सालाना एडमिनिस्ट्रेटिव रिपोर्ट्स असेंबली में पेश नहीं की हैं।

19 साल से हिसाब-किताब अंधेरे में

ऑफिशियल डिटेल्स के मुताबिक, गांधीनगर में मौजूद गुजरात पवित्र तीर्थ विकास बोर्ड की कुल 19 सालाना रिपोर्ट्स पेंडिंग हैं। 31 जुलाई, 2025 तक इस ऑर्गनाइजेशन ने 2006-07 से 2024-25 तक की ऑडिट रिपोर्ट्स जमा नहीं की हैं। नियमों के मुताबिक, हर ऑटोनॉमस बॉडी या बोर्ड को हर साल अपने अकाउंट्स और परफॉर्मेंस रिपोर्ट असेंबली में जमा करनी होती है, लेकिन यहां

नियमों का पूरी तरह से उल्लंघन हो रहा है।

करोड़ों की ग्रांट के लिए कौन ज़िम्मेदार है?

राज्य सरकार हर साल तीर्थ स्थलों के विकास, भक्तों की सुविधाओं और बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए करोड़ों रुपये की ग्रांट देती है। पिछले दो दशकों से यह साफ़ नहीं हो पाया है कि सोमनाथ, द्वारका, अंबाजी जैसे बड़े तीर्थ स्थलों पर विकास के कामों पर खर्च हुए सरकारी पैसे का इस्तेमाल कहाँ और कैसे हुआ। ऑडिट रिपोर्ट जमा न होने से फाइनेंशियल गड़बड़ियों और एडमिनिस्ट्रेटिव लापरवाही का शक भी मज़बूत हुआ है।

दूसरे संस्थानों के मुकाबले सबसे खराब रिकॉर्ड

रिपोर्ट में स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी (SOUADTGA) और गुजरात अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन जैसे संस्थानों की कुछ सालों की रिपोर्ट भी शामिल है, लेकिन 19 साल का लंबा समय सिर्फ़ पवित्र तीर्थ विकास बोर्ड के नाम पर दर्ज है। इतनी गंभीर लापरवाही के बावजूद एडमिनिस्ट्रेशन की तरफ़ से कोई सख्त कार्रवाई न करना भी एक बड़ा सवाल है। भक्तों की आस्था से जुड़े पूजा स्थलों के विकास के लिए मिले फंड का हिसाब न देना, सुशासन के दावों पर बड़ा सवालिया निशान लगाता है।

2029 से पहले बदल जाएगा गुजरात का राजनीतिक नक्शा लोकसभा सीटों में होगा बड़ा बदलाव, जानें A to Z जानकारी

महानगर मेट्रो

अहमदाबादः गुजरात की राजनीति को लेकर सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है। साल 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात का राजनीतिक नक्शा पूरी तरह से बदल सकता है। केंद्र सरकार द्वारा परिसीमन (Delimitation) प्रक्रिया को तेज करने की हलचल के बीच, गुजरात में लोकसभा सीटों की संख्या में भारी उछाल आने की संभावना जताई जा रही है।

क्या है पूरी योजना?

ताजा रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र सरकार साल 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन प्रक्रिया शुरू करने पर विचार कर रही है। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य 'महिला आरक्षण अधिनियम, 2023' (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को 2029 के चुनावों से पहले लागू करना है। यदि यह सुधार विधेयक पूरी तरह प्रभावी होता है, तो देश में लोकसभा की कुल सीटें 543 से बढ़कर 816 तक पहुँच सकती हैं।

में क्या बदलाव होंगे?

गुजरात के लिए यह खबर अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान में गुजरात में लोकसभा की 26 सीटें हैं, लेकिन नए परिसीमन के बाद यह आंकड़ा काफी बढ़ सकता है:

* सीटों में बढ़ोत्तरी: विशेषज्ञों का मानना है कि गुजरात में सीटों की संख्या में 50' तक की वृद्धि हो सकती है। यानी 26 सीटें बढ़कर 39 से 40 के करीब हो सकती हैं।
* महिला आरक्षण: बढ़ी हुई नई सीटों में से 33' सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी।
* निर्वाचन क्षेत्रों की सीमा: अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा और राजकोट जैसे बड़े शहरों में जनसंख्या वृद्धि के कारण नए निर्वाचन क्षेत्र अस्तित्व में आएंगे। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों की सीमाओं में भी व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा।

क्यों लिया जा रहा है यह निर्णय?

* जनसंख्या का प्रतिनिधित्व: 1971 के बाद से लोकसभा सीटों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। वर्तमान जनसंख्या के अनुपात में मतदाताओं को सही प्रतिनिधित्व मिले, इसके लिए यह प्रक्रिया जरूरी है।
* महिला आरक्षण: संसद में महिलाओं को 33' आरक्षण देने के लिए परिसीमन एक अनिवार्य शर्त है।
* राजनीतिक वर्चस्व: अधिक सीटों का अर्थ है कि राष्ट्रीय राजनीति में गुजरात जैसे राज्यों की भूमिका और भी अधिक निर्णायक और मजबूत होगी।

कब तक होगा लागू?

सरकार इस संबंध में वर्तमान बजट सत्र या किसी विशेष सत्र में सुधार विधेयक ला सकती है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो 2029 का लोकसभा चुनाव नए नक्शे और नई सीटों के साथ लड़ा जाएगा।

महानगर मेट्रो - सही जानकारी, सटीक विश्लेषण।

ख़ास रिपोर्टः ईलोल के खेतों से आई.जी. की कुर्सी तक - डी.जी. वंजारा की रियल लाइफ 'सिंघम' गाथा

महानगर मेट्रो

अहमदाबादः गुजरात पुलिस के इतिहास में एक ऐसा नाम, जिसे सुनते ही अपराधियों के पसीने छूट जाते हैं और राष्ट्रभक्तों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है—वह नाम है डह्याजी गोबरजी वंजारा। साबरकांठा के एक छोटे से गाँव से शुरू हुआ यह सफर आज गुजरात के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। 'महानगर मेट्रो' आज आपको बताएगा एक ऐसे रियल लाइफ हीरो की कहानी, जिसने केरोसिन के दीये की रोशनी में पढ़ाई कर आतंकवाद के खिलाफ जंग छेड़ी थी।

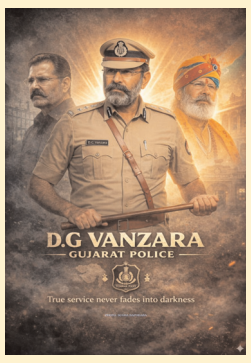

शून्य से सृजनः अभावों भरा बचपन और साइकिल का सपना

1 जून 1954 को हिम्मतनगर के ईलोल गाँव में एक अत्यंत साधारण किसान परिवार में जन्मे डह्या?? का बचपन भारी अभावों के बीच बीता। पिता गोबरजी एक गरीब किसान थे और पशुपालन (गधा पालन) के जरिए घर का गुजारा करते थे। उस दौर में अगर घर की सबसे कीमती चीज कोई थी, तो वह महज एक 'साइकिल' थी। लेकिन, दादा और पिता से मिले संस्कारों और शिक्षा की नींव ने डह्याजी के जीवन का मार्ग प्रशस्त किया।

संघर्ष और सहयोगः वडोदरा की लाइब्रेरी और पत्नी का साथ

गाँव की प्राथमिक पाठशाला से शुरू हुआ सफर हिम्मतनगर और फिर वडोदरा की सुप्रसिद्ध महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी (MSU) तक पहुँचा। पढ़ाई के दौरान जब आर्थिक तंगी आड़े आई, तब उनकी धर्मपत्नी गौरीबेन के परिवार ने हॉस्टल की फीस भरकर उनकी पढ़ाई जारी रखने में मदद की। डह्याजी सिर्फ पढ़ाई में ही अव्वल नहीं थे, बल्कि वे:

* एथलेटिक्स में गोल्ड मेडलिस्ट थे।
* एक कुशल घुड़सवार थे।
* साहित्य और कविता के गहरे शौकीन थे।

खाकी का रुआबः 'जनता के पुलिस' से 'एनकाउंटर स्पेशलिस्ट' तक 1980 में डायरेक्ट डी.एस.पी. के रूप में गुजरात पुलिस में शामिल होने के बाद वंजारा ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 1987 में उन्हें आई.पी.एस. (IPS) कैडर मिला और यहीं से शुरू हुआ अपराधियों पर उनका कड़ा

* क्राइम कंट्रोलः उन्होंने शराब के अड्डों, हथियारों के रैकेट और हाईवे लुटेरों का सफाया किया।
* आतंकवाद के खिलाफ जंगः अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और ऋस (एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड) के प्रमुख रहते हुए उन्होंने गुजरात को आतंकी खतरों से बचाने के लिए दिन-रात एक कर दिए।
* चर्चित केसः समीर खान, इशरत जहां और सोहराबुद्दीन जैसे हाई-प्रोफाइल मामलों में कार्रवाई के बाद उन्हें 'एनकाउंटर स्पेशलिस्ट' के रूप में पहचान मिली। 'गुजरात की जनता को सुरक्षित रखना ही मेरा परम धर्म है।' – यह वाक्य डी.जी. वंजारा की कार्यशैली का प्रतिबिंब रहा है।

जेल से जीत तकः एक अजेय योद्धा

कानूनी लड़ाइयों के कारण कई वर्षों तक जेल में रहने के बावजूद उनकी हिम्मत नहीं डिगी। साल 2014 में वे साबरमती जेल से ही सेवानिवृत्त (रिटायर) हुए, लेकिन अंततः सत्य की विजय हुई। 2020 में उन्हें सभी मामलों में क्लीन चिट मिली और सरकार ने उन्हें 'पोस्ट-रिटायरमेंट आई.जी.' के रूप में पदोन्नति (Promotion) देकर उनके सम्मान को पुनः स्थापित किया।

निष्कर्ष

आज डी.जी. वंजारा सिर्फ एक सेवानिवृत्त अधिकारी नहीं, बल्कि एक सामाजिक कार्यकर्ता और विचारक हैं। ईलोल के खेतों की धूल से उठकर आई.पी.एस. की वर्दी तक की उनकी यह यात्रा साबित करती है कि यदि इरादे नेक हों और मेहनत सच्ची हो, तो दुनिया की कोई भी ताकत आपको सफल होने से नहीं रोक सकती।

नई तकनीक, नई उम्मीदः रोबोटिक सर्जरी से हर्निया का आसान और सुरक्षित इलाज

कम दर्द, तेज रिकवरी और सटीक उपचार से मरीजों को मिल रही राहत

महानगर मेट्रो

जयपुर। चिकित्सा क्षेत्र में तेजी से बढ़ती तकनीक अब मरीजों के लिए नई उम्मीद बनकर सामने आ रही है। रोबोटिक सर्जरी के जरिए हर्निया जैसे जटिल रोगों का इलाज अब अधिक सुरक्षित, सटीक और कम दर्दनाक हो गया है। जयपुर के 48 वर्षीय व्यवसायी एवं फिटनेस प्रेमी राजेश मेहता इसका ताजा उदाहरण हैं, जिनकी जिंदगी इस आधुनिक तकनीक से बदल गई। शुरुआत में पेट में हल्की सूजन को नजरअंदाज करने वाले राजेश को धीरे-धीरे दर्द और असहजता का सामना करना पड़ा। जांच में वेंट्रल हर्निया की पुष्टि हुई। पारंपरिक ओपन सर्जरी के दर्द, निशान और लंबी रिकवरी को लेकर चिंतित राजेश ने इटर्नल हॉस्पिटल, जयपुर के जीआई सर्जन डॉ. कपिलेश्वर विजय की सलाह पर रोबोटिक हर्निया सर्जरी का विकल्प चुना।

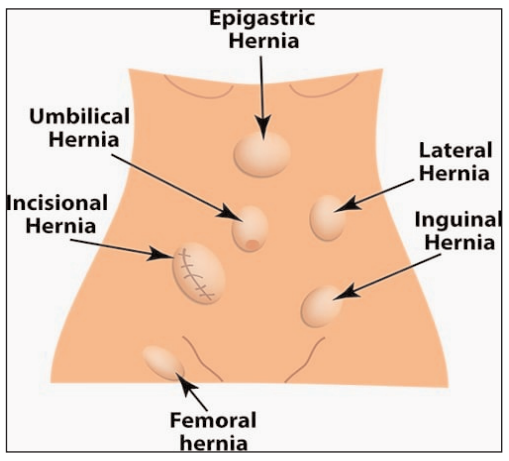

हर्निया के लक्षणों को न करें नजरअंदाज

विशेषज्ञों के अनुसार हर्निया एक आम समस्या है, लेकिन समय पर इलाज न मिलने पर यह गंभीर रूप ले सकती है। इसके प्रमुख लक्षणों में पेट या जांघ में सूजन, भारीपन या दर्द, खांसने या वजन उठाने पर तकलीफ और अचानक दर्द बढ़ना शामिल हैं।

आधुनिक तकनीक से सटीक इलाज

डॉ. कपिलेश्वर विजय के अनुसार, 'रोबोटिक सर्जरी में 3D हाई-डेफिनिशन विजन और अत्यंत सटीक उपकरणों की मदद से जटिल सर्जरी भी आसानी से की जा सकती है। इससे शरीर को कम नुकसान पहुंचता है और मरीज जल्दी स्वस्थ होता है।' उन्होंने बताया कि यह तकनीक खासतौर पर जटिल हर्निया के मामलों में बेहद प्रभावी साबित हो रही है।

रोबोटिक सर्जरी के प्रमुख फायदे

इस आधुनिक तकनीक के कई लाभ सामने आ रहे हैं—कम दर्द, कम रक्तस्राव, सटीक रिपेयर, जल्दी रिकवरी और कम समय में अस्पताल से छुट्टी। राजेश मेहता सर्जरी के कुछ ही घंटों में चलने लगे और मात्र 24 घंटे के भीतर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। राजेश कहते हैं, 'रोबोटिक सर्जरी ने मेरा पूरा अनुभव बदल दिया। मुझे ज्यादा दर्द नहीं हुआ और मैं बहुत जल्दी अपनी सामान्य जिंदगी में लौट आया।'

विशेषज्ञों की सलाह

डॉक्टर्स का कहना है कि हर्निया के लक्षण दिखते ही तुरंत जांच करवानी चाहिए। आधुनिक रोबोटिक तकनीक के चलते अब मरीजों को डरने की जरूरत नहीं है, बल्कि समय पर इलाज से बेहतर और सुरक्षित परिणाम मिल सकते हैं। रोबोटिक सर्जरी के बढ़ते उपयोग के साथ ही जयपुर जैसे शहरों में भी अब अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं, जो मरीजों के लिए राहत और भरोसे का कारण बन रही हैं।

महाकाली स्वरूप में सजी स्वर्ण दुर्गा

महिषासुर मर्दनी स्तोत्र के साथ दी कद्दू बलि

महानगर मेट्रो

टोंक। कोटा रोड बाईपास स्थित द्वारिका नगरी के श्री स्वर्ण दुर्गा कैलाशपति मंदिर में नवरात्रि के सातवें दिन माता स्वर्ण दुर्गा का महाकाली अलंकार किया गया। अलंकार के दर्शन के लिए सुबह से ही सैकड़ों श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और पूरे दिन भक्ति व श्रद्धा के साथ दर्शन-पूजन का क्रम जारी रहा। शाम 7 बजे माता के मंदिर में महिषासुर मर्दनी स्तोत्र के साथ कद्दू बलि दी गई, जो कि पूरे नवरात्रि का विशेष आकर्षण का केंद्र मानी जाती है। दूर दूर से श्रद्धालु माता की कद्दू बलि देखने के लिए आते हैं। कद्दू बलि के पश्चात माता महाकाली की भव्य आरती की जाएगी। बता दें कि नवरात्रि के छठे दिन माता मीनाक्षी का अलंकार हुआ था, श्रद्धालुओं ने अपने नाम और गोत्र के साथ श्री यंत्र पूजन कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। शाम 7:30 बजे मंदिर परिसर में भव्य महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसके बाद हनुमान चालीसा और राम स्तुति का सामूहिक पाठ किया गया। कार्यक्रम के दौरान आसपास क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं और भक्ति रस में सराबोर नजर आईं। मंदिर समिति के अनुसार नवरात्रि के आठवें दिन माता स्वर्ण दुर्गा का महालक्ष्मी अलंकार किया जाएगा, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह बना हुआ है।

रघुनाथ मंदिर में चल रहा है रामनवमी महोत्सव

राम जन्म की झांकी और भजन संध्या ने बांधा श्रद्धा का समां, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

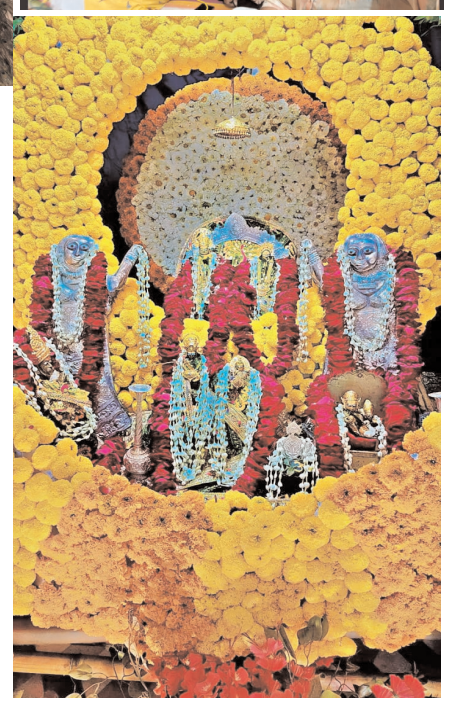

महानगर मेट्रो

टोंक,(पीयूष गौतम)। शहर के बड़ा तखता स्थित श्री रघुनाथ जी महाराज मंदिर में रामनवमी महोत्सव बड़े ही भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर भगवान श्रीराम के जन्म की आकर्षक झांकी सजाई गई, जिसने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंदिर परिसर में राम जन्म के पावन अवसर पर भक्ति रस से ओतप्रोत सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी गई। टोंक के प्रसिद्ध भजन रसिकों—मोहन लाल सोनी, बदरी नारायण सोनी, संजय जी बारेठ, नरेश सोनी, मुन्ना जी नामा, पूरन जी शर्मा, महेश सोनी (जग्गू), रामू सोनी, कानू सोनी, लक्की सोनी, संजय अग्रवाल एवं देवेश—ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। भजनों के माध्यम से भगवान श्रीराम के जन्म की बधाई दी गई, जिसमें श्रद्धालु भी पूरे भाव के साथ शामिल हुए। मंदिर में प्रतिदिन सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक यह आयोजन किया जा रहा है, जिसके पश्चात प्रसाद वितरण किया जाता है। रामनवमी महोत्सव के इस आयोजन ने क्षेत्र में धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का सुंदर संदेश प्रस्तुत किया है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और भजन का आनंद लेने के लिए पहुंच रहे हैं।

'लव जिहाद' का बढ़ता खतरा और हिंदू समाज की जागृति की अनिवार्यता

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। वर्तमान समय में 'लव जिहाद' सिर्फ एक सामाजिक विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह एक गंभीर राष्ट्रीय और सुरक्षा का प्रश्न बनकर उभरा है। प्रेम एक पवित्र भावना है, लेकिन जब इस प्रेम की आड़ में विशिष्ट साजिशें रची जाती हैं, पहचान छिपाकर बेटियों को फंसाया जाता है और धर्मांतरण का खेल खेला जाता है, तब इसे 'जिहाद' का नाम देना अनिवार्य हो जाता है। गुजरात सहित देश भर में हो रही घटनाएं खतरे की घंटी (लाल बत्ती) के समान हैं। सावधान! सोशल मीडिया के छल-कपट और लव जिहाद का खतरनाक नेटवर्कः हिंदू बेटियां सॉफ्ट टारगेट क्यों?

हिंदू समाज के लिए यह खतरा कितना गंभीर?

लव जिहाद सिर्फ शादी तक सीमित नहीं है, इसके पीछे के पहलू अत्यंत घातक हैं:

* जनसांख्यिकीय परिवर्तनः विशिष्ट रणनीति के तहत हिंदू बेटियों को फंसाकर धर्मांतरण कराने से लंबे समय में सामाजिक संतुलन बिगड़ता है।
* अस्तित्व का संकटः हिंदू संस्कृति और संस्कारों को कमजोर करने के लिए बेटियों को निशाना बनाया जाता है, जो आने वाली पीढ़ी की विरासत को बदलने की साजिश है।
* मानसिक और शारीरिक शोषणः कई मामलों में देखा गया है कि श्रद्धा और आस्था के नाम पर फंसाने के बाद बेटियों पर अत्याचार किया जाता है, जो सामाजिक रूप से भी कलंक है। हालिया मामलेः श्रद्धा वाकर (दिल्ली) या निकिता तोमर जैसे झकझोर देने वाले मामलों का उल्लेख करना आवश्यक है, जहां पहचान छिपाकर प्रेम जाल में फंसाने के बाद बेटियों की निर्मम हत्या कर दी गई। डिजिटल ट्रैपः सोशल मीडिया (Instagram/Snapchat) पर फेक आईडी बनाकर, हिंदू नाम धारण कर बेटियों को टारगेट किया जाता है, इस बारे में जागरूकता आवश्यक है।

सरकार को लेने चाहिए कड़े कदम

सरकार द्वारा 'गुजरात धर्म स्वतंत्रता सुधार विधेयक' जैसे कानून लाए गए हैं, लेकिन अभी भी कार्यान्वयन में दृढ़ता की आवश्यकता है:

* कठोर कानूनी ढांचाः लव जिहाद के मामलों में फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वारा त्वरित न्याय मिले और अपराधियों को फांसी या आजीवन कारावास जैसी कठोर सजा मिलनी चाहिए।
* इंटेलिजेंस नेटवर्कः पुलिस प्रशासन को इस प्रकार की साजिशों के पीछे काम करने वाले संगठनों और फंडिंग के स्रोतों तक पहुंचकर उसे जड़ से उखाड़ फेंकना चाहिए।
* पहचान का सत्यापनः होटल, क्लब और सार्वजनिक स्थानों पर पहचान छिपाकर घूमने वाले तत्वों पर विशेष नजर रखनी चाहिए।

कानूनी शिकंजाः गुजरात सरकार के 'धर्म स्वतंत्रता (संशोधन) विधेयक' के तहत प्रावधान, जिसमें शादी के माध्यम से धर्मांतरण कराने वाले को 3 से 10 साल तक की जेल और 5 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

समाज और परिवार की जिम्मेदारी

सिर्फ सरकार या पुलिस पर निर्भर रहने के बजाय हिंदू समाज को भी जागृत होना पड़ेगाः

* संस्कार और शिक्षाः बेटियों को बचपन से ही धर्म और संस्कृति का गौरव समझाना चाहिए ताकि वे किसी के प्रलोभन में न आएं।
* संवादः माता-पिता को अपनी बेटियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखने चाहिए ताकि वह अपनी उलझन या आस-पास की संदिग्ध गतिविधियों के बारे में खुलकर बता सकें।

निष्कर्षः

'लव जिहाद' हिंदू समाज की अस्मिता पर प्रहार है। यदि आज हम जागृत नहीं हुए, तो कल हमारी संस्कृति और सुरक्षा के लिए कठिन होगा। 'महानगर मेट्रो' सरकार से अपील करता है कि इस मामले में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाकर कड़ी कार्रवाई की जाए। अब समय है, सिर्फ बातें करने का नहीं बल्कि बेटियों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने का।

धर्मांतरण ही राष्ट्रांतरण है, जागो हिंदू जागो!

- संपादक, महानगर मेट्रो

डीयू दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने किया स्टूडेंट्स एक्टिविटी सेंटर का उद्घाटन

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने रामजस कॉलेज के सामने, सामाजिक विज्ञान संकाय परिसर में नए बने प्रेरणा भवन का उद्घाटन डूसू पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया। यह भवन स्टूडेंट्स एक्टिविटी सेंटर होगा जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) कार्यालय भी बनाया गया है। औपचारिक उद्घाटन के पश्चात कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने पूरे भवन का अवलोकन किया और कहा कि यह प्रेरणा भवन विद्यार्थियों के लिए प्रेरक होगा। उन्होंने बताया कि यह भवन विभिन्न छात्र केन्द्रित गतिविधियों का केंद्र रहेगा। इस अवसर पर कुलपति ने डूसू पदाधिकारियों के साथ चर्चा भी की और स्टूडेंट्स एक्टिविटी सेंटर के संचालन को लेकर सुझाव भी दिये। कुलपति ने बताया कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस प्रेरणा भवन के ग्राउंड फ्लोर पर 50 से अधिक लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक कैफेटेरिया बनाया गया है और उसके साथ ही एक यूटिलिटी शॉप बनाई गई है। कैफेटेरिया में स्टोर रूम और किचन की अलग से व्यवस्था की गई है। भवन के बेसमेंट में जिम और गेम जोन बनाया गया है। इमारत के फर्स्ट फ्लोर पर 120 लोगों की बैठने की क्षमता का एक सेमिनार हाल बनाया गया है। इमारत में सेकंड फ्लोर पर एक मीटिंग रूम और डूसू अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव व संयुक्त सचिव के लिए अलग-अलग कार्यालय बनाए गए हैं। इसके साथ ही इस फ्लोर पर पैंट्री और छोटा स्टोर भी रहेगा। प्रेरणा भवन में प्रत्येक तल पर अलग-अलग महिला एवं पुरुष शौचालयों की व्यवस्था भी की गई है। भवन के थर्ड फ्लोर पर एक आधुनिक सुविधा संपन्न लाइब्रेरी एवं एक रीडिंग हॉल की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. योगेश सिंह के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी, डीयू के वित्त अधिकारी गिरीश रंजन, चीफ इंजीनियर अशोक सैनी, डीन स्टूडेंट्स वेल्फेयर प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी, डूसू के स्टाफ एडवाइजर प्रो. सुरेंद्र कुमार और डूसू अध्यक्ष आर्यन मान व उपाध्यक्ष राहुल झांसला यादव सहित सभी डूसू पदाधिकारी एवं अनेकों शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भगवान श्री राम मयार्दा,आदर्श रामराज्य का जीवंत दर्शन

पवन माकन
ग्रुप एडिटर

श्रीराम केवल इतिहास के पात्र नहीं हैं,बल्कि वे एक ऐसी चेतना हैं,जो हर युग में प्रासंगिक रहती है।उनका जीवन यह संदेश देता है कि मयार्दा में रहकर भी महानता प्राप्त की जा सकती है, और आदर्शों का पालन करते हुए भी सफलता हासिल की जा सकती है। वाल्मीकि के यथार्थवादी राम और तुलसी के भक्तिमय राम - दोनों मिलकर हमें यह सिखाते हैं कि जीवन को कैसे संतुलित, सार्थक और श्रेष्ठ बनाया जाए। 'भय प्रकट पाला दीन दयाला' की यह पंक्ति केवल एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि यह विश्वास है कि जब भी मानवता संकट में होती है, तब राम किसी न किसी रूप में उसके रक्षक बनकर सामने आते हैं।

भय प्रकट पाला दीन दयाला, कौशल्या हितकारी...

भारतीय संस्कृति की आत्मा में यदि किसी चरित्र ने सबसे गहरी और स्थायी छाप छोड़ी है,तो वह हैं भगवान श्रीराम। उनका जीवन केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि एक ऐसा नैतिक दर्शन है,जो युगों-युगों से मानवता को दिशा देता आया है। 'भय प्रकट पाला दीन दयाला,कौशल्या हितकारी' की यह पंक्ति उस दिव्य क्षण का स्मरण कराती है,जब स्वयं धर्म ने मानव रूप धारण कर पृथ्वी पर अवतार लिया। राम नवमी का पर्व इसी सत्य का उत्सव है,परंतु यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी अवसर है।श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन मयार्दा की एक ऐसी रेखा है,जिसे उन्होंने हर परिस्थिति में निभाया। यही कारण है कि उन्हें 'मयार्दा पुरुषोत्तम' कहा गया।उन्होंने यह सिद्ध किया कि महानता शक्ति में नहीं,बल्कि उस शक्ति के संयमित और न्यायपूर्ण उपयोग में निहित होती है।जब पिता की आज्ञा के कारण उन्हें वनवास का निर्णय लेना पड़ा, तब उन्होंने न तो परिस्थितियों से संघर्ष किया और न ही अपने अधिकारों का आग्रह किया,बल्कि सहज भाव से कर्तव्य को स्वीकार किया। यह केवल त्याग नहीं था, बल्कि यह उस आदर्श का प्रतिपादन था,जिसमें व्यक्ति अपने व्यक्तिगत सुख से ऊपर समाज और परिवार के धर्म को रखता है।

श्रीराम का जीवन इस बात का प्रमाण है कि मयार्दा केवल सीमाओं का बंधन नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और सार्थक बनाने का माध्यम है।उन्होंने अपने प्रत्येक संबंध को उसी गरिमा के साथ निभाया,जो एक आदर्श समाज की नींव बनती है। चाहे वह भ्रातृ प्रेम हो, पत्नी के प्रति निष्ठा हो,मित्रता का निर्वाह हो या प्रजा के प्रति उत्तरदायित्व - हर स्थान पर उन्होंने एक ऐसी मिसाल कायम की,जो आज भी प्रासंगिक है।श्रीराम के व्यक्तित्व को समझने के लिए भारतीय परंपरा के दो महान ग्रंथ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं–वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस।महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण में राम एक आदर्श मानव के रूप में चित्रित होते हैं,जो जीवन की कठिनाइयों,संघर्षों और द्वंद्वों से गुजरते हुए भी धर्म का मार्ग नहीं छोड़ते। वहाँ राम ईश्वर से अधिक एक ऐसे पुरुष हैं, जो अपने निर्णयों के माध्यम से यह दिखाते हैं

कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों,यदि मनुष्य अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे,तो वह आदर्श बन सकता है।वहीं गोस्वामी तुलसीदास के रामचरितमानस में श्रीराम का स्वरूप और भी व्यापक हो जाता है। यहाँ वे केवल एक राजा या नायक नहीं, बल्कि करुणा और भक्ति के साकार रूप हैं।तुलसीदास ने उन्हें 'दीनदयाल' और 'भक्तवत्सल' के रूप में प्रस्तुत किया, जो हर उस व्यक्ति के सहायक हैं,जो सच्चे मन से उनकी शरण में आता है। इस प्रकार वाल्मीकि के राम जहाँ यथार्थ के धरातल पर खड़े हैं, वहीं तुलसी के राम अध्यात्म की ऊँचाइयों को स्पर्श करते हैं।दोनों मिलकर राम के उस समग्र स्वरूप को प्रस्तुत करते हैं,जिसमें मानवता और दिव्यता का अद्भुत संगम दिखाई देता है।

इसका अनुठा व अनोखा संगम का सबसे सुंदर और जीवंत रूप 'रामराज्य' में देखने को मिलता है। रामराज्य केवल एक ऐतिहासिक प्रसंग नहीं, बल्कि एक आदर्श शासन व्यवस्था का प्रतीक है, जहाँ न्याय,समानता,सुरक्षा और समृद्धि का संतुलन स्थापित होता है।श्रीराम के शासन में प्रजा केवल शासित नहीं थी, बल्कि वह स्वयं को सुरक्षित,सम्मानित और संतुष्ट अनुभव करती थी। वहाँ भय का स्थान नहीं था,अन्याय का अस्तित्व नहीं था और शासन का उद्देश्य केवल जनकल्याण था।

रामराज्य की कल्पना आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी त्रेता युग में थी। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के संकटों से जूझ रहा है -नैतिक पतन, सामाजिक असंतुलन और प्रशासनिक चुनौतियाँ–तब रामराज्य एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में हमारे सामने आता है। यह हमें सिखाता है कि यदि शासन में पारदर्शिता हो,समाज में समरसता हो और व्यक्ति के जीवन में मयार्दा हो, तो किसी भी राष्ट्र को आदर्श बनाया जा सकता है।

श्रीराम का जीवन यह भी सिखाता है कि सच्चा अध्यात्म केवल पूजा और अनुष्ठान में नहीं,बल्कि आचरण में निहित होता है। उन्होंने कभी अपने आदर्शों का उपदेश नहीं दिया, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारकर दिखाया। यही कारण है कि उनका प्रभाव केवल धार्मिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा,बल्कि सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक जीवन के हर आयाम को उन्होंने प्रभावित किया।

आज के युग में,जब व्यक्ति अपनी स्वतंत्रता के नाम पर मयार्दाओं को भूलता जा रहा है,तब श्रीराम का जीवन एक संतुलन की प्रेरणा देता है।वे यह सिखाते हैं कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ अनुशासन और उत्तरदायित्व के साथ जुड़ा हुआ है। यदि व्यक्ति अपने कर्तव्यों को समझे और उन्हें ईमानदारी से निभाए,तो समाज में स्वतः ही संतुलन स्थापित हो जाएगा।

राम नवमी का यह पावन अवसर हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हम अपने जीवन में उन आदर्शों को स्थान दे पा रहे हैं, जिनका प्रतिपादन श्रीराम ने किया था। क्या हमारे निर्णयों में सत्य और धर्म का स्थान है,क्या हमारे व्यवहार में करुणा और संवेदनशीलता है,क्या हम अपने कर्तव्यों के प्रति उतने ही सजग हैं,जितने श्रीराम थे।यदि इन प्रश्नों के उत्तर हम खोजने का प्रयास करें, तो यही इस पर्व का वास्तविक उद्देश्य सिद्ध होगा।

अंत में श्रीराम केवल इतिहास के पात्र नहीं हैं,बल्कि वे एक ऐसी चेतना हैं,जो हर युग में प्रासंगिक रहती है।उनका जीवन यह संदेश देता है कि मयार्दा में रहकर भी महानता प्राप्त की जा सकती है, और आदर्शों का पालन करते हुए भी सफलता हासिल की जा सकती है। वाल्मीकि के यथार्थवादी राम और तुलसी के भक्तिमय राम - दोनों मिलकर हमें यह सिखाते हैं कि जीवन को कैसे संतुलित, सार्थक और श्रेष्ठ बनाया जाए। 'भय प्रकट पाला दीन दयाला' की यह पंक्ति केवल एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि यह विश्वास है कि जब भी मानवता संकट में होती है, तब राम किसी न किसी रूप में उसके रक्षक बनकर सामने आते हैं।आज आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपने भीतर के राम को पहचानें और उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें।यही सच्चे अर्थों में राम नवमी का उत्सव है, यही उस दिव्य अवतरण का वास्तविक संदेश भी समाज व राष्ट्र के लिए देता है ।

संपादकीय

लाचार पर मार

बीमा कारोबार की जटिलताएं हमेशा से ही आमजन के लिए एक अनसुलझी गुत्थी रही हैं। हमारी भविष्य की आशंकाओं व भय पर फल-फूल रहे इस कारोबार को लेकर गाहे-बगाहे परेशान करने वाली खबरें आती रहती हैं। लेकिन इसके बावजूद तेजी से फल-फूल रहे विभिन्न बीमा कारोबारों की विसंगतियां कम नहीं हुई हैं। इसी तरह मेडिकल बीमा को लेकर बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आती रही हैं। दरअसल, लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाओं के दौर में, भविष्य में महंगे इलाज का खर्च उठाने का भरोसा दिलाकर बीमा कंपनियां लोगों को बीमा पॉलिसियां खरीदने को मानसिक रूप से तैयार कर लेती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जब वास्तव में कोई बीमार पड़ता है तो इलाज पर हुए खर्च के भुगतान को लेकर तमाम किंतु-परंतु बीमा कंपनियां करने लगती हैं। कई खामियां निकाली जाती हैं, जिनके बारे में बीमा धारक को पता ही नहीं होता है। कई बार तो छिपे-ढके कारण बताकर चिकित्सा खर्च की भरपाई करने से भी मना कर दिया जाता है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीए के आंकड़ों ने बीमा कंपनियों के मुनाफा खेल को उजागर किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2024 में छब्बीस हजार करोड़ रुपये के बीमा दावे खारिज किए गए थे। निस्संदेह, ये आंकड़ा बीमा कंपनियों तथा पांच सितारा अस्पताल प्रबंधकों के अपवित्र गठबंधन को ही दशार्ता है। बाकायदा पिछले दिनों राज्यसभा में निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के अपवित्र गठजोड़ का मामला उठाया गया। जो हर साल हजारों लोगों को कर्ज व गरीबी की दलदल में धकेल देता है। अक्सर आरोप लगता है कि मरीजों को उपचार के मुकाबले बेहद कम राशि का भुगतान किया जाता है। ऐसा नहीं है कि प्राइवेट अस्पतालों व बीमा कंपनियों के मध्य सांठगांठ के मामले सामने नहीं आते। लेकिन हमारा नियामक-तंत्र सारे घटनाक्रम की अनदेखी कर देता है। विडंबना यह भी है कि केंद्र व राज्य सरकारों के स्तर पर भी इस मुनाफाखोरी पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया जाता है, जिससे लोगों को उलटे उस्तरे से मूंडने का खेल बदस्तूर जारी रहता है। दरअसल, लोग जब कोई स्वास्थ्य बीमा कराते हैं तो उन बारीकियों के बारे में नहीं बताया जाता है, जिसके आधार पर मरीजों के चिकित्सा बीमा राशि को खारिज किया जाता है। अक्सर इलाज के बड़े खर्चे के दावे को कई मीन-मेख निकालकर नकार दिया जाता है। कई बार तो अमानवीयता की हदें भी सामने आती हैं जब मरीज की मृत्यु पर, खर्च चुकाने में असमर्थ होने पर अस्पताल प्रबंधक परिजनों को पार्थिव शरीर तक को देने से मना कर देते हैं। जबकि इस बारे में अदालत व सरकार की तरफ से सख्त आदेश हैं कि बकाया राशि के लिए किसी मरीज के शव को रोका नहीं जा सकता। दरअसल, चिकित्सा बीमा आज देश-दुनिया में बड़ा कारोबार बन गया है। लेकिन पश्चिमी देशों में भुगतान में ईमानदारी व कार्यशैली में पारदर्शिता से इस व्यवसाय का विस्तार हुआ है। लेकिन भारत में ईमानदारी, पारदर्शिता के अभाव व दोषपूर्ण कार्यशैली से चिकित्सा बीमा के औचित्य पर ही सवाल उठते हैं।

अमेरिका के युद्ध विराम घोषणा से निकली शांति की किरण

मनोज कुमार अग्रवाल

अमेरिका का पांच दिन के लिए एक तरफा युद्ध विराम का एलान बेहद खराब दौर में पहुंच चुके हालात में शांति का संदेश वाहक बन रहा है। मध्य पूर्व में तनाव के बीच ताजा घटनाक्रम इस ओर इशारा कर कर रहे हैं कि अब मिसाइल अटैक थमने को तैयार हैं। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच हालिया तनाव में आया यह अल्पविराम महज एक रणनीतिक ठहराव नहीं, बल्कि वैश्विक संतुलन के लिए एक निर्णायक अवसर है। पिछले 24 दिनों से इजरायल अमेरिका और ईरान के बीच जारी भयंकर युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा पांच दिन के लिए युद्ध विराम की घोषणा करना निःसंदेह वैश्विक स्तर पर एक राहत देने वाली खबर हैं। युद्ध जैसे विनाशकारी परिदृश्य में जब भी संवाद और विराम की संभावना बनती है, वह केवल संबंधित देशों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए आशा की किरण लेकर आती है। ऐसे समय में जब हर दिन नई तबाही और अनिश्चितता का संदेश ला रहा था, अमेरिका की ओर से सैन्य कार्रवाई को अस्थायी रूप से रोकने का निर्णय एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा सकता है। इसमें कोई दोमत नहीं है कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत और सीमित समय के। के लिए सैन्य सैन्य कार्रवाई रोकने के संकेत ने वैश्विक स्तर पर उम्मीद की एक नई किरण जगाई है। इसका कारण है कि यह केवल दो देशों के बीच टकराव का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरी दुनिया अर्थव्यवस्था, राजनीति और मानवता पर पड़ रहा है।

आजकल युद्ध अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया को हिला देते हैं। तेल और गैस की कीमतों में उछाल ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की नब्ज पर सीधा प्रहार किया है। विकासशील देशों के लिए यह संकट और गहरा है, जहां महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है। ऐसे में यह युद्ध केवल तीन देशों का मसला नहीं, बल्कि पूरी मानवता के आर्थिक और सामाजिक संतुलन का प्रश्न बन चुका है। सामरिक दृष्टि से देखा जाए तो अमेरिका और इजराइल ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को गहरी चोट पहुंचाई है। उसके पूरे नेतृत्व को खत्म कर दिया।

आपको पता रहे कि ईरान के कई रणनीतिक ठिकानों और आधारभूत ढांचे को ध्वस्त कर ईरान को करीब 20 से 25 साल पीछे धकेल दिया है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले को अस्थायी रूप से टालने का निर्णय, भले ही पांच दिनों के लिए हो, एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक संकेत है। यह दिखाता है कि युद्ध के बीच भी बातचीत की संभावना सरावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। हालांकि, इस निर्णय को लेकर कई सवाल भी उठते हैं, खासकर तब जब ईरान ने किसी भी प्रकार की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष बातचीत से इनकार किया है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि स्थिति अभी भी अनिश्चितताओं से भिरी हुई है। इस संघर्ष की पृष्ठभूमि को समझना आवश्यक है। माना जा रहा है कि अमेरिका ने काफी मजबूरी में युद्ध विराम का फैसला लिया है। अमेरिका शुरूआती रणनीति में यह मानकर चला था कि सीमित सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान के भीतर बाद ईरान के भीतर जन असंतोष उभरेगा और सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा। लेकिन यह आकलन गलत साबित हुआ। न तो जनता सड़कों पर उतरी और न ही सत्ता संरचना में कोई तत्काल बदलाव आया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि बाहरी हस्तक्षेप के आधार पर किसी देश की आंतरिक राजनीति को बदलना इतना आसान नहीं है। युद्ध को आगे बढ़ाने का विकल्प अमेरिका के सामने था, लेकिन इसके साथ कई गंभीर जोखिम जुड़े थे। अफगानिस्तान और इराक के अनुभव पहले से ही अमेरिका के सामने हैं, जहां लंबे सैन्य अभियानों ने न केवल आर्थिक बल्कि राजनीतिक रूप से भी भारी कीमत वसूल की। इस पूरे घटनाक्रम में खाड़ी देशों की भूमिका भी अहम रही है। ओमान, कतर और सऊदी अरब जैसे देशों ने स्पष्ट संकेत दिए कि वे इस संघर्ष के विस्तार के पक्ष में नहीं हैं। उनके लिए यह युद्ध आर्थिक और सामरिक रूप से नुकसानदेह साबित हो सकता है। यदि ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमला होता, तो जवाबी कार्रवाई में खाड़ी क्षेत्र के तेल और गैस संसाधन भी निशाने पर आ सकते थे। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ता। होर्मुज जलडमरूमध्य का मुद्दा भी इस संघर्ष के केंद्र में है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। यदि यहां तनाव बढ़ता है या मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध होता है, तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। यही कारण है कि सैन्य विशेषज्ञों ने भी इस क्षेत्र में युद्धपोत भेजने के जोखिमों को लेकर चेतावनी दी है। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो इस संघर्ष ने पहले ही वैश्विक बाजारों को झकझोर दिया है। तेल की कीमतों में तेजी, गैस की कीमतों में उछाल और शेयर बाजारों में अस्थिरता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बुद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता। भारत जैसे देशों के लिए, जो ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं, इसका सीधा असर महंगाई और आर्थिक विकास पर पड़ता है। हालांकि, जैसे ही युद्धविराम की संभावना सामने आई, बाजारों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेल की कीमतों में गिरावट और शेयर बाजारों में तेजी यह दशार्ती है कि निवेशक और वैश्विक अर्थव्यवस्था स्थिरता की उम्मीद कर रहे हैं। यह एक संकेत है कि शांति केवल मानवीय दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अनिवार्य है। फिर भी, यह समझना जरूरी है कि यह पांच दिनों का युद्धविराम एक स्थायी समाधान नहीं है। ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमले टालने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह फैसला दशार्ता है कि कूटनीति की खिड़की अभी बंद नहीं हुई है। पांच दिनों का यह ठहराव केवल सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि संवाद के लिए एक संभावित दरवाजा है। यहां बता दे कि ईरान द्वारा किसी भी बातचीत से इनकार और अपनी शर्तों पर अड़े रहना यह बताता है कि रास्ता अभी आसान नहीं है। ईरान की ओर से रखी गई शर्तें,अमेरिकी सैन्य ठिकानों का बंद होना, होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए नए नियम और मीडिया से जुड़े व्यक्तियों पर कार्रवाई स्पष्ट रूप से उसकी रणनीतिक सोच को दशार्ती हैं। यह केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश है। दूसरी ओर, अमेरिका और उसके सहयोगी इन शर्तों को स्वीकार करने की स्थिति में शायद ही हों। ऐसे में गतिरोध की स्थिति बनना स्वाभाविक है। फिर भी, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि तनाव कम होते ही तेल की कीमतों में गिरावट आई है। अब समय आ गया है कि युद्ध की भाषा को छोड़कर बातचीत की भाषा अपनाई जाए। युद्ध विराम इतिहास के पन्नों में एक निर्णायक मोड़ बन सकता है, बशर्ते इसे समझदारी और दूरदृष्टि के साथ पूर्ण विराम में बदला जाए।हालांकि हो सकता है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे के इरादों को परख रहे हैं। यदि बातचीत आगे बढ़ती है, तो यह एक बड़े समझौते का रास्ता खोल सकती है। लेकिन यदि यह प्रयास विफल होता है, तो संघर्ष और भी तीव्र रूप ले सकता है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि युद्ध का कोई स्थायी समाधान नहीं होता। इतिहास गवाह है कि सैन्य संघर्ष अंततः बातचीत की मेज पर ही समाप्त होते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि दोनों पक्ष संयम बरतें और कूटनीतिक रास्ते को प्राथमिकता दें। मानवता के दृष्टिकोण से देखें तो युद्ध का सबसे बड़ा नुकसान आम लोगों को होता है। चाहे वह ईरान हो, इजरायल हो या कोई अन्य देश युद्ध की कीमत हमेशा निर्दोष नागरिकों को चुकानी पड़ती है। ऐसे में हर वह कदम, जो बुद्ध को रोकने की दिशा में उठाया जाता है, स्वागत योग्य है। आज जब दुनिया पहले ही कई संकटों, आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक तनाव से जूझ रही है, तब एक और बड़े बुद्ध की संभावना चिंता का विषय है। ऐसे समय में वैश्विक नेतृत्व की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे शांति और स्थिरता को प्राथमिकता दें। अंततः यह पांच दिनों का विराम केवल एक अवसर है एक मौका, जिसे यदि सही दिशा में उपयोग किया जाए, तो यह स्थायी शांति की ओर पहला कदम बन सकता है। लेकिन यदि इसे खो दिया गया, तो इसके परिणाम केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर गंभीर होंगे। दुनिया आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे यह तय करना है कि वह टकराव का रास्ता चुनेगी या संवाद का। हकीकत यह है कि युद्ध के आंकड़ों और रणनीतियों के बीच अक्सर मानवीय पहलू दब जाता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि हर संघर्ष के पीछे लाखों लोगों का जीवन प्रभावित होता है। विस्थापन, आर्थिक संकट, मानसिक तनाव ये सभी युद्ध के अदृश्य लेकिन गहरे प्रभाव हैं। इसलिए किसी भी निर्णय में मानवीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

चिंतन-मनन

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है।भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं।श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है। वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है।

वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

बढ़ती गर्मी और जलवायु संकट का वर्तमान पर असर

कांतिलाल मांडोत

मार्च के महीने में ही जिस तरह से देश के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी ने दस्तक दी है वह सामान्य मौसमी बदलाव नहीं बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। उत्तर मध्य और पश्चिमी भारत के राज्यों में तापमान का तेजी से बढ़ना और लू जैसी परिस्थितियों का समय से पहले बनना यह संकेत देता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का खतरा नहीं बल्कि वर्तमान की सच्चाई बन चुका है। जहां पहले मई और जून में हीट स्ट्रोक और लू से मौतों की खबरें आती थीं वहीं अब मार्च में ही ऐसे समाचार सामने आने लगे हैं। इससे स्पष्ट है कि मौसम का पारंपरिक चक्र असंतुलित हो चुका है और इसका सीधा असर आम आदमी के जीवन पर पड़ रहा है।

जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण वातावरण में कार्बन उत्सर्जन बढ़ा है जिससे तापमान लगातार ऊपर जा रहा है। इस बढ़ते तापमान का प्रभाव केवल गर्मी तक सीमित नहीं है बल्कि यह जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है। दिन और रात के तापमान के बीच का अंतर कम हो रहा है और रात का तापमान अपेक्षाकृत तेजी से बढ़ रहा है जिससे शरीर को राहत नहीं मिल पाती। यह स्थिति स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही है क्योंकि लगातार गर्मी में रहने से शरीर की सहनशक्ति कम होती है और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं बढ़ती हैं।

देश के पहाड़ी क्षेत्रों में भी तापमान का बढ़ना एक चिंताजनक संकेत है। हिमालय की चोटियों पर बर्फ का तेजी से पिघलना आने वाले समय में जल संकट का कारण बन सकता है। शुरूआती समय में नदियों में पानी का बहाव बढ़ता है लेकिन धीरे धीरे यह स्रोत कमजोर पड़ने लगते हैं जिससे भविष्य में पानी की कमी की समस्या गहराती है। उपग्रह आंकड़ों और वैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं और यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में कई नदियों का जलस्तर प्रभावित होगा। इससे न केवल पेयजल संकट बढ़ेगा बल्कि राज्यों के बीच जल विवाद भी तेज हो सकते हैं।

स्थानीय स्तर पर भी तापमान में अचानक बढ़ोतरी के कई कारण हैं। तेजी से हो रहा शहरीकरण हरियाली की कमी और कंक्रीट के बढ़ते जंगल शहरों को गर्म द्वीप में बदल रहे हैं। पेड़ों की कटाई और जल स्रोतों के खत्म होने से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है। इसके साथ ही मरुस्थलीय क्षेत्रों से आने वाली गर्म हवाएं उत्तर भारत के बड़े हिस्से को प्रभावित करती हैं जिससे लू का असर और तेज हो जाता है। इस बार इन हवाओं का प्रभाव जल्दी देखने को मिला है जिससे गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है।

कृषि क्षेत्र इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। तापमान बढ़ने से फसलें समय से पहले पक रही हैं जिससे उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों प्रभावित हो रही हैं। सरसों जैसी फसलें जल्दी तैयार हो गई हैं और गेहूं पर भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। विशेषकर देर से बोई गई फसलें अधिक प्रभावित हो रही हैं क्योंकि उन्हें पकने के समय ज्यादा गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण उत्पादन में कमी आने की आशंका है और इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ता है। बाजार में समर्थन मूल्य पर खरीद की व्यवस्था भी कई बार पर्याप्त नहीं होती जिससे किसानों को कम कीमत पर अपनी उपज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

पानी का संकट इस पूरी स्थिति को और गंभीर बना रहा है। बढ़ती गर्मी के कारण जहां एक ओर पानी की मांग बढ़ रही है वहीं दूसरी ओर जल स्रोत तेजी से घट रहे हैं। कई राज्यों में भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा है जिससे जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। शहरों में पानी के उपयोग पर प्रतिबंध और जुमार्ने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं लेकिन यह केवल अस्थायी समाधान हैं। यदि जल संरक्षण के स्थायी उपाय नहीं किए गए तो आने वाले समय में स्थिति और विकट हो सकती है।

पर्यावरणीय बदलाव का असर केवल इंसानों तक सीमित नहीं है बल्कि वनस्पतियों और जीव जंतुओं पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी से पेड़ों की नई कोपलें प्रभावित होती हैं और कई पौधों की वृद्धि रुक जाती है। जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं जिससे वन्य जीवों का आवास नष्ट हो रहा है। पानी के स्रोत सूखने से जानवरों के सामने भी जीवित रहने का संकट खड़ा हो रहा है। यह पूरा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक गंभीर खतरा है।

इस स्थिति से निपटने के लिए अब केवल चर्चा या चेतावनी पर्याप्त नहीं है बल्कि ठोस कदम उठाने की जरूरत है। जल संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी और वर्षा जल संचयन को बड़े स्तर पर लागू करना होगा। खेतों में पानी के बेहतर उपयोग के लिए आधुनिक तकनीकों को अपनाना जरूरी है। किसानों को ऐसी फसलों की ओर प्रोत्साहित करना होगा जो कम पानी में भी अच्छी पैदावार दे सकें। इसके साथ ही ऊर्जा के क्षेत्र में भी बदलाव जरूरी है। पवन और सौर ऊर्जा जैसे स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना होगा ताकि प्रदूषण कम हो और तापमान वृद्धि पर नियंत्रण पाया जा सके।

सामाजिक स्तर पर भी जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। लोगों को पानी के सही उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदार बनाना होगा। शहरों में हरियाली बढ़ाने और पेड़ लगाने के प्रयासों को तेज करना होगा ताकि तापमान को नियंत्रित किया जा सके। इसके साथ ही सरकार और समाज दोनों को मिलकर एक दीर्घकालिक रणनीति बनानी होगी जिससे इस बढ़ते संकट का प्रभाव कम किया जा सके।

अंततः यह स्पष्ट है कि बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन का संकट अब हमारे सामने खड़ा है और इसका प्रभाव हर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। यदि समय रहते सही कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में यह समस्या और भी गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए जरूरी है कि हम सभी मिलकर इस चुनौती का सामना करें और अपने पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए जिम्मेदारी से कार्य करें।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

कांग्रेस को झटका खाली करना होगा सालों पुराना पार्टी दफ्तर, 'बेदखली' नोटिस जारी

महानगर मेट्रो

कांग्रेस को दिल्ली में 24 अकबर रोड और 5 रायसीना रोड के राष्ट्रीय मुख्यालय खाली करने का नोटिस मिला है. पार्टी इस फैसले के खिलाफ

कानूनी विकल्प तलाश रही है और सरकार से मोहलत की मांग कर सकती है. कांग्रेस और गांधी परिवार को बड़ा झटका लगा है. पार्टी को दिल्ली में अपने राष्ट्रीय मुख्यालय, 24 अकबर रोड और 5 रायसीना रोड के परिसरों को खाली करने का बेदखली का नोटिस मिला है. इन दोनों परिसरों को खाली करने की आखिरी तारीख 28 मार्च तय की गई है. 24 अकबर रोड और 5 रायसीना रोड के परिसरों को खाली करने के नोटिस के बाद कहा जा रहा है कि कांग्रेस अब कानूनी विकल्प तलाश रही है. एक वरिष्ठ नेता ने 'इंडिया टुडे' से पुष्टि की है कि ये नोटिस कुछ दिन पहले मिले थे. एक कांग्रेस नेता ने बताया,'हम अपने सामने मौजूद कानूनी विकल्पों की तलाश कर रहे हैं, लेकिन इस बार सरकार पिछली बार के मुकाबले में ज्यादा आक्रामक है. कांग्रेस इन परिसरों को खाली कराने के नोटिस पर सरकार से कुछ समय की मोहलत भी मांग सकती है. पार्टी की रणनीति ये है कि इस बीच किसी वरिष्ठ नेता को राज्यसभा के जरिए सदन में लाया जाए. अगर पार्टी किसी ऐसे नेता को राज्यसभा भेजने में सफल रहती है जो इतने बड़े बंगले के आवंटन का हकदार हो, तो इन परिसरों को फिलहाल खाली करने से बचा जा सकता है.

क्यों जारी हुआ 'बेदखली' नोटिस?

दरअसल नियम है किकिसी भी राजनीतिक दल को अपना नया मुख्यालय बनाने के लिए जमीन मिलने के बाद, पुराने सरकारी बंगले खाली करने होते हैं. कांग्रेस को दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर अपना नया मुख्यालय बनाने के लिए जमीन दी गई थी. ऐसे में संपदा निदेशालय ने बहुत पहले ही 24 अकबर रोड और 5 रायसीना रोड के परिसरों का आवंटन रद्द कर दिया था. कांग्रेस 24 अकबर रोड से दशकों से जुड़ी हुई है. ऐसे में अगर 28 मार्च तक कांग्रेस को कोर्ट से कोई स्टे नहीं मिलता है या सरकार मोहलत नहीं देती है, तो पार्टी को अपने दशकों पुराने और इन ऐतिहासिक ठिकानों को छोड़ना पड़ेगा.

पानी की रेहड़ी लगवाने के 20 हजार! कश्मीरी गेट के चौकी इंचार्ज को CBI ने रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा

महानगर मेट्रो

दिल्ली में सट्टा चलवाने के 20 हजार लेने के बाद पानी की रेहड़ी लगवाने के लिए भी 20 हजार रुपये लेने का मामला सामने आया है। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI) ने कश्मीरी गेट पुलिस चौकी के इंचार्ज सब इंस्पेक्टर को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। पुलिसकर्मी पर आरोप है कि कश्मीरी गेट बस अड्डे के पास पानी की रेहड़ी लगाने वाले से रकम मांगी गई थी। जिले के आला अधिकारी ने आरोपी के गिरफ्तार होने की पुष्टि की है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि एसआई ने रेहड़ी संचालक से 20 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। मामले से परेशान शिकायतकर्ता ने इसकी सूचना पहले ही सीबीआई को दे दी। इसके बाद एजेंसी ने सुनियोजित तरीके से ट्रैप ऑपरेशन तैयार किया।

इंस्पेक्टर ने ली रिश्वत

मंगलवार शाम शिकायतकर्ता को तय रकम देकर आरोपी के पास भेजा गया। जैसे ही सब इंस्पेक्टर ने रिश्वत की रकम स्वीकार की, पहले से घात लगाए बैठी सीबीआई टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। रिश्वत की रकम आरोपी के पास से बरामद कर ली गई। इस कार्रवाई के बाद कश्मीरी गेट थाने में हड़कंप मच गया है, क्योंकि आरोपी चौकी इंचार्ज के पद पर तैनात था। उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

SHO की भूमिक संदिग्ध, लेकिन अधिकारियों ने दी क्लीन चिट

इस मामले में कश्मीरी गेट थाने के साह्ब की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है। थाने और आसपास के थानों में तैनात पुलिस सूत्रों का कहना है कि थाने के स्टाफ पर SHO की ओर से काफी समय से मंथली का दबाव था। मंथली डबल कर दी गई थी। इन तमाम आरोपों को जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने गलत बताया है।

क्या होगा एक्शन

उनका कहना है कि उन्होंने अपने सोर्स से पता किया है, ऐसा कुछ नहीं था। जिससे साफ है कि SHO के खिलाफ कोई डिपार्टमेंटल एक्शन नहीं होगा। ऐसा पहली बार नहीं होगा, जब कहीं CBI रेड होने के बाद SHO के खिलाफ एक्शन ना हो। ज्यादातर केस में रेड होते ही SHO को लाइन हाजिर कर दिया जाता है। लेकिन, कुछ केस में SHO वहीं जमे बैठे रहते हैं।

दिल्ली: वाह देव दूत बनकर कॉन्स्टेबल ने यूं बचाई जान, डबल डेकर बस में सीटों के नीचे फंसे थे कई लोग

महानगर मेट्रो

दिल्ली के करोल बाग में स्लीपर टूरिस्ट बस पलटने के मामले में मानवता की नई मिसाल सामने आई है। मौके पर पहुंचे कॉन्स्टेबल ने अपनी सूझबूझ से कई यात्रियों की जान बचाई। करोल बाग में बीती रात यात्रियों से भरी बस पलटी तो लोगों ने फौरन इसकी सूचना पुलिस को दी। थाने के स्टाफ के अलावा इलाके में गश्त कर रहा स्टाफ भी मौके पर पहुंच गया। पुलिस वहां पहुंची तो हैरान करने वाला मंजर था। बस पलटी हुई थी। बस में फंसे यात्रियों में चीख-पुकार मची हुई थी। कई यात्री गंभीर रूप से घायल थे और वे सीटों के बीच फंस गए थे।अडिशनल डीसीपी सेंट्रल ऋषि कुमार का कहना है कि ऐसी परिस्थिति के बीच वहां मौजूद कॉन्स्टेबल रोहित ने सूझबूझ का परिचय दिया। उनकी नजर पास में से गुजर रही JCB मशीन पर पड़ी। उन्होंने फौरन JCB को रुकवाया। इस बीच वहां से गुजर रहे लोग भी पुलिस की मदद के लिए आगे आए। सभी ने मिलकर JCB के जरिए बस को थोड़ा ऊपर उठाया और नीचे भारी सीमेंट के ब्लॉक लगाकर उसे स्थिर किया।

यात्रियों को तुरंत भेजा गया अस्पताल

जिससे दबे हुए लोगों को बाहर निकाला जा सका। इस साहसिक प्रयास से 10 गंभीर रूप से घायल यात्रियों को तुरंत निकालकर सर गंगा राम अस्पताल भेजा गया। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस बल और वरिष्ठ अधिकारियों ने मोर्चा संभालते हुए महिलाओं और बच्चों सहित अन्य सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला।

ड्राइवर हिरासत में, जांच जारी

इस हादसे में 26 वर्षीय बस चालक पंकज कुमार (अलवर, राजस्थान निवासी) भी घायल हुआ। खबर लिखे जाने तक वह पुलिस की निगरानी में लेडी हार्डिंग अस्पताल में भर्ती था, उसका इलाज चल रहा था। पूछताछ और प्रारंभिक जांच पूरी होने के बाद ड्राइवर के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं स्थानीय निवासियों और चश्मदीदों ने दिल्ली पुलिस के जवानों, विशेषकर पिकेट और नाइट पट्रोलिंग स्टाफ की प्रशंसा की है, जिनकी समय पर की गई कार्रवाई ने कई परिवारों को उजड़ने से बचा लिया।

LPG संकट पर देवकीनंद ठाकुर ने किया 'सतयुग' का जिक्र, कहा- गैस की रोटी से पुरुषों में दम नहीं रहा

एलपीजी गैस संकट पर कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर का बड़ा बयान सामने आया है। साथ ही, उन्होंने ईरान युद्ध को लेकर भी बयान दिया है

महानगर मेट्रो

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में गैस सिलेंडर की किल्लत की खबरें सामने आ रही हैं। ईरान युद्ध के बीच प्रदेश में गैस संकट लगातार गहराता जा रहा है। इसको लेकर अब राजनेताओं के साथ-साथ धर्मगुरुओं और कथावाचकों के बयान भी सामने आने लगे हैं। मशहूर कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से गैस सिलेंडर की मारामारी चल रही है। युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है, ऐसे लग रहा है कि दो-तीन साल में हमलोग सतयुग में आ जाएंगे। साथ ही, कथावाचक ने गैस पर बनी रोटी खाने से पुरुषों में दम न रहने की भी बात कही है।

कथा के दौरान आया बयान

देवकीनंदन ठाकुर का बयान एक कथा के दौरान आया है। इसमें वे एलपीजी संकट का जिक्र करते दिखे हैं। देवकीनंदन ठाकुर कहते हैं कि जिस प्रकार प्रदेश, देश, दुनिया में गैस सिलेंडर की मारामारी चल रही है, वह अलग संकेत दे रही है। हमको तो ऐसा लग रहा है, यह दो-तीन साल ऐसे ही चला रहा तो लौट के हम लोग कोई सतयुग में आ जाएंगे। चूल्हे पर रोटी बनानी शुरू करनी होगी।

चूल्हे की रोटी की वकालत

कथावाचक ने कथा में आई महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि माताएं, यह देख लें कि चूल्हे की रोटी से जीवन ज्यादा अच्छा था। बस एक दिक्कत थी कि धुआं होता था। लेकिन, गैस की रोटी से कितनी बीमारियां हो रही हैं? उन्होंने कहा कि डॉक्टर के पास जाकर इसका चेकअप करा लीजिए। उन्होंने कहा कि गैस पर बनी रोटियां खाने से आज के समय में आपके घर के पुरुषों में वह दम नहीं रहा। देवकीनंदन महाराज ने कहा कि गैस पर बनी रोटी खाने से जैसे गैस फूल जाता है, वैसे आज का पुरुष भी फूल जा रहा है। हम झूठ नहीं बोल रहे हैं। यह सत्य है। चूल्हे की रोटी में कोई दुर्गुण नहीं होता। गैस की रोटी में तो दुर्गुण आ ही जाएगा।

ईरान युद्ध को लेकर बड़ा बयान

देवकीनंदन ठाकुर ने कथा के दौरान ईरान युद्ध को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने बिना नाम लिए खाड़ी संकट पर कहा कि हमको लगता है, प्रकृति अपना खेल खेल रही है। जब गैस के भंडारों में आग लग जाएगी तो फिर क्या कहां से लाएंगे गैस। उन्होंने कहा कि हमें तो लौटकर चूल्हे पर आना ही पड़ेगा। चूल्हे पर लौटने के बाद की स्थिति का जिक्र करते हुए कथावाचक ने कहा कि चूल्हे पर लौटने के बाद सरसों की लकड़ियों के दाम बढ़ जाएंगे। कंडे के रेट बढ़ जाएंगे। गौमाताओं को हम घर से निकाल देते हैं। ऐसी स्थिति में हम कहेंगे, हे गोमाता- गोबर कर, गोबर कर। हम कहेंगे, कंडा आने दो माताजी। यह सब हो सकता है

यूपी में 5 बिस्सा जमीन के बंटवारे को लेकर चले चाकू, 4 महिलाओं सहित 9 लोग हो गए लहूलुहान

महानगर मेट्रो

कौशांबी के चंदीपुर गांव में 5 बिस्सा जमीन के बंटवारे को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया. चाकू और लाठी-डंडों से हुए हमले में 4 महिलाओं समेत 9 लोग घायल हो गए. गंभीर रूप से घायल लोगों को प्रयागराज रेफर किया गया है. पुलिस ने दोनों पक्षों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और गांव में तनाव के बीच निगरानी बढ़ा दी गई है. जमीन का बंटवारा कभी-कभी कितना बड़ा विवाद खड़ा कर सकता है, इसका ताजा उदाहरण कौशांबी जिले के एक गांव में देखने को मिला. पांच बिस्सा जमीन के बंटवारे को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया. हालात इतने बिगड़ गए कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर चाकू और लाठी-डंडों से हमला कर दिया. इस झड़प में 4 महिलाओं समेत कुल 9 लोग घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है. घटना कोखराज थाना क्षेत्र के चंदीपुर गांव की है. जानकारी के मुताबिक, दो परिवारों के बीच लंबे समय से जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था. यह विवाद धीरे-धीरे तनाव में बदलता गया और मंगलवार देर रात अचानक हिंसक रूप ले लिया. गांव के लोगों का कहना है कि पहले दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, लेकिन कुछ ही देर में माहौल इतना गरमा गया कि लोग आपा खो बैठे और मारपीट शुरू हो गई. देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए. आरोप है कि एक पक्ष के लोगों ने चाकू से

हमला किया, जबकि दूसरे पक्ष ने लाठी-डंडों से जवाब दिया. इस दौरान रामबाबू, अर्जुन और शिवपूजन पर चाकू से हमला किया गया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं. वहीं दूसरे पक्ष के कौशल और दयाराम के सिर पर डंडे से वार किया गया, जिससे वे भी बुरी तरह घायल हो गए. घटना के दौरान महिलाएं भी बीच-बचाव में आईं, लेकिन वे भी हिंसा की चपेट में आ गईं. कुल मिलाकर 4 महिलाएं भी घायल हुईं, जिससे पूरे गांव में दहशत का माहौल बन गया. .घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे. घायलों को तुरंत 108 एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेजा गया. डॉक्टरों के अनुसार, रामबाबू, शिवपूजन और अर्जुन की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद प्रयागराज रेफर कर दिया गया. अन्य घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है. पुलिस जांच में सामने आया है कि यह विवाद पूरी तरह से परिवारिक जमीन के बंटवारे को लेकर था. दोनों पक्ष आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं. रामबाबू, अर्जुन, शिवपूजन, फूलकली और राधिका एक पक्ष से हैं, जबकि दूसरे पक्ष में कौशल, दयाराम, सरस्वती और शीला देवी शामिल हैं. बताया जा रहा है कि जमीन के हिस्से को लेकर दोनों पक्षों में पहले भी कई बार विवाद हो चुका था, लेकिन इस बार मामला हिंसा तक पहुंच गया.

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मामले में पुलिस ने दरोगा की तहरीर पर दोनों पक्षों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है. पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. एसपी राजेश कुमार ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई है, जिसमें चाकू से भी हमला किया गया. दोनों पक्षों के लोग घायल हुए हैं और दो की हालत गंभीर है. उन्हें प्रयागराज रेफर किया गया है. उन्होंने कहा कि अन्य घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है और पूरे मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है. घटना के बाद गांव में तनाव बना हुआ है. एहतियात के तौर पर पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि दोबारा कोई विवाद न हो. स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते विवाद सुलझा लिया जाता, तो शायद यह स्थिति नहीं बनती

सोनभद्रः सड़क हादसे में तीन की मौत; दो बाइकों की हुई जोरदार भिड़ंत, हादसे में दो घायल

महानगर मेट्रो

सोनभद्र में रॉबर्ट्सगंज- मिर्जापुर मार्ग पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में दो लोग घायल हुए हैं। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र से भीषण सड़क हादसे की बात सामने आई है। सोनभद्र जिले के करमा थाना क्षेत्र में रॉबर्ट्सगंज-मिर्जापुर मुख्य मार्ग पर बीती रात दो मोटरसाइकिलों की जोरदार टक्कर हो गई। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, दो लोंग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हादसा इतना भयानक था कि एक दंपति की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरे बाइक सवार की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में घायलों का अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, घटना सोमवार रात करीब 11 बजे ग्राम करकी के पास हुई। जौनपुर जिले के कुंभ मोकलपुर गांव के रहने वाले जय सिंह

(मोटरसाइकिल नंबर UP64AV 3643) अपनी पत्नी सरिता सिंह के साथ रॉबर्ट्सगंज की ओर जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल (UP64AP 7534) से उनकी आमने-सामने टक्कर हो गई। सोनभद्र पुलिस घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची।

मौके पर ही पति-पत्नी की मौत

दोनों बाइक की टक्कर की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि जय सिंह और सरिता सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी मोटरसाइकिल चला रहे चन्दू पुत्र रमेश कोल (निवासी तिलौली, थाना करमा) को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लोढ़ी ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने चन्दू को मृत घोषित कर दिया। दूसरी बाइक पर सवार कृष्णा पुत्र रामकेश कोल और अक्षय पुत्र देवशरण कोल, दोनों निवासी सकाही (थाना करमा) घायल हो गए। दोनों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस ने जब्त की बाइक

घटना की सूचना मिलते ही करमा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। दोनों बाइक को भी जब्त कर लिया गया है। पंचनामा तैयार कर पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दी। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और गलत साइड चलने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने कहा है कि हादसे के सही कारण का पता लगाने के लिए जांच जारी है। दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्यार की खौफनाक सजाः पुलिस कस्टडी में भाई ने सगी बहन को मारी गोली, अस्पताल में मौत, अब 'कातिल' अरेस्ट

महानगर मेट्रो

उत्तरप्रदेश के सहारनपुर के फतेहपुर में ऑनर किलिंग की रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई. मेडिकल परीक्षण के लिए सीएचसी लाई गई युवती को उसके ही सगे भाइयों ने पुलिस के सामने गोली मार दी. ऋषिकेश एम्स में इलाज के दौरान युवती की मौत हो गई, जिसके बाद मुख्य आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया गया है. सहारनपुर के थाना फतेहपुर अंतर्गत रामखेड़ी गांव की राखी राणा को उसके सगे भाइयों मोंटी और रवि ने सीएचसी परिसर में गोली मार दी. 23 मार्च को पुलिस कस्टडी में मेडिकल परीक्षण के दौरान इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया क्योंकि युवती घर से दूसरे युवक के साथ चली गई थी. भाइयों ने अस्पताल परिसर में घात लगाकर हमला किया और फरार हो गए. गंभीर हालत में घायल युवती को पहले निजी अस्पताल और फिर एम्स ऋषिकेश ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया. अब पुलिस ने मुख्य आरोपी मोंटी राणा को गिरफ्तार कर लिया है.

सीएचसी परिसर में सरेआम फायरिंग से हड़कंप

युवती राखी राणा कुछ दिन पहले गांव के ही लवकुश के साथ चली गई थी, जिसके बाद पुलिस ने उसे बरामद किया था. दारोगा और महिला सिपाही उसे कानूनी प्रक्रिया के तहत बयान दर्ज कराने के लिए कोर्ट ले जाने वाले थे. जैसे ही युवती को सीएचसी फतेहपुर से बाहर निकाला गया, वहां पहले से मौजूद भाइयों ने उस पर गोलियां बरसा दीं. अस्पताल जैसे सुरक्षित स्थान पर हुई इस फायरिंग से वहां मौजूद कर्मचारियों और मरीजों में अफरा-तफरी मच गई और आरोपी मौके का फायदा उठाकर भाग निकले.

अस्पताल में तोड़ा दम, भाइयों की थी नफरत

गोली लगने के बाद खून से लथपथ राखी को तुरंत दिल्ली रोड स्थित अस्पताल ले जाया गया. हालत बिगड़ती देख डॉक्टरों ने उसे एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया, जहां कई घंटों तक संघर्ष करने के बाद उसकी मौत हो गई. भाइयों ने अपनी ही बहन के प्यार का अंत इतनी बेरहमी से किया कि पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, युवती के जाने के बाद उसके भाई रवि ने ही थाने में मुकदमा दर्ज कराया था, लेकिन बाद में दोनों भाइयों ने मिलकर हत्या की साजिश रच डाली.

मुख्य आरोपी गिरफ्तार, वीडियो भी हुआ वायरल

एसएसपी अभिनंदन ने पुष्टि की है कि मुख्य अभियुक्त मोंटी राणा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. वारदात के समय दूसरे भाई रवि की मौजूदगी और भूमिका की भी गहन जांच की जा रही है. इसी बीच आरोपी मोंटी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अकेले इस घटना की जिम्मेदारी ले रहा है. पुलिस इस वीडियो और चश्मदीदों के बयानों के आधार पर साक्ष्य जुटा रही है ताकि दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जा सके.

पहले हवन, फिर बेरहमी से कत्ल...4 दोस्तों ने लाश दफनाकर गंगा में धोया पाप

महानगर मेट्रो

उत्तरप्रदेश के बागपत में मजदूर की हत्या के सनसनीखेज मामले ने हर किसी को झकझोर दिया है. आरोपियों ने हत्या से पहले हवन किया, फिर पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया. वारदात के बाद शव को खेत में दफनाकर हरिद्वार जाकर गंगा स्नान किया. पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. बागपत में एक सनसनीखेज हत्याकांड का ऐसा खौफनाक सच सामने आया है, जिसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है. यहां एक मजदूर की हत्या को अंजाम देने से पहले आरोपियों ने खेत में 'हवन' किया, मानो किसी काले कर्म की तैयारी हो और फिर बेरहमी की सारी हदें पार करते हुए उसे मौत के घाट उतार दिया. इतना ही नहीं, लाश को खेत में गाड़कर ये जल्लाद हरिद्वार पहुंचे और गंगा में डुबकी लगाकर अपने पाप धोने की कोशिश की. पुलिस पूछताछ में हुए इस खुलासे ने पूरे इलाके में सन्नाटा फैला दिया है. बागपत के थाना

दोघट क्षेत्र के निरपुड़ा गांव में मजदूर संजय की हत्या का यह मामला अब एक खौफनाक खुलासे में बदल चुका है. पुलिस ने इस सनसनीखेज वारदात में शामिल चार आरोपियों- सचिन, अजित, शुभम और आकाश को गिरफ्तार कर लिया है. पूछताछ में जो कहानी सामने आई, उसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया. दरअसल, मृतक मजदूर संजय, सचिन के यहां काम करता था. आरोप है कि सचिन को संजय पर भैंसा चोरी का शक था. इसी शक ने हैवानियत का रूप ले लिया. सचिन ने अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर पहले संजय को खेत में बुलाया. पुलिस पूछताछ में सामने आया कि हत्या से पहले चारों आरोपियों ने खेत में ही संजय के साथ मिलकर हवन किया. इसके बाद सचिन घर आ गया था और जब वापस खेत पहुंचा तो वहां भैंसा नहीं मिला जिसके बाद चोरी के शक में संजय को बुरी तरह पीटा गया. आरोप है कि उसके गुप्तांग पर गंभीर चोट पहुंचाई गई और फिर उसे पानी के हौज में जबरन डुबोया गया. जब तक उसकी सांसें थम नहीं गईं, तब तक उसे छोड़ा नहीं गया. हत्या के बाद चारों आरोपियों ने सबूत मिटाने के लिए खेत में ही गड्ढा खोदा और संजय की लाश को वहीं दफना दिया. लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई. पुलिस जांच में सामने आया कि वारदात को अंजाम देने के बाद चारों सीधे हरिद्वार पहुंच गए, जहां गंगा में डुबकी लगाकर अपने गुनाह को 'धोने' की कोशिश की गई. फिलहाल पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

क्राइम ब्रांच ने पाकिस्तान-नेपाल-बांग्लादेश से जुड़ा इंटरनेशनल हथियार तस्करी मॉड्यूल किया ध्वस्त, 10 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो

दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश से जुड़े अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया है। जिसमें 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बेहद संवेदनशील ऑपरेशन के तहत एक अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी के नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस मॉड्यूल के तार पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश से जुड़े हुए थे। पुलिस ने दिल्ली के वॉल्ड सिटी (पुरानी दिल्ली) इलाके से संचालित होने वाले इस गिरोह के 10 प्रमुख गुर्गों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 21 घातक विदेशी हथियार और 200 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। बरामद हथियारों में चेक रिपब्लिक निर्मित सब-मशीन गन, तुर्की की स्टोजर (Stoeger), चीन की , इटली की बरेटा (Beretta), ब्राजील की टॉरस और जर्मनी की वाल्थर पिस्तौलें और विशेष रूप से PX-z.7 पिस्तौल, जिसका उपयोग आमतौर पर केवल स्पेशल फोर्सेज करती हैं, उन्हें बरामद किया है।

छापेमारी कर दबोचे गिरोह के सदस्य

पुलिस अधिकारी ने बताया कि क्राइम ब्रांच की एंटी रॉबरी स्नैचिंग सेल के इंस्पेक्टर मान सिंह के सुपरविजन में इंस्पेक्टर सुंदर गौतम और अन्यों की टीम ने तकनीकी निगरानी से संदिग्धों के कॉल रिकॉर्ड्स खंगाले। मुखबिरों की मदद से उनकी मूवमेंट का महीनों तक विश्लेषण किया गया।

दिल्ली: पार्क में मिली 17 वर्षीय लड़के की डेडबॉडी, दहशत में लोग

महानगर मेट्रो

दिल्ली में एक 17 वर्षीय लड़के की पार्क में डेडबॉडी मिली. जिससे इलाके में सनसनी फैल गई. सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और यह पता लगा रही है कि आखिर लड़के की मौत कैसे हुई? उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके के एक पार्क में 17 साल का एक लड़का बुधवार को मृत पाया गया. जिससे इलाके में सनसनी फैल गई. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान ज़ैद के रूप में हुई है और वह उसी इलाके का रहने वाला था. पुलिस ने बताया कि उन्हें पार्क में एक शव पड़े होने की सूचना मिली. जिसके बाद न्यू उस्मानपुर पुलिस स्टेशन की एक टीम JPC अस्पताल के पास ष्ठष्ठ पार्क

पहुंची और वहां लड़के का शव पड़ा मिला. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि क्राइम और फोरेंसिक टीमों ने मौके का मुआयना किया और सबूत इकट्ठा किए. मृत्यु के सही कारण का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है. पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है. इस घटना में शामिल लोगों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए कई टीमें बनाई गई हैं. स्थानीय लोगों ने बताया कि लोगों ने एक किशोर का शव देखा तो पुलिस को सूचना दी. जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा.

जज के सामने ही पूर्व सांसद के बेटे को साले ने पीटा, कपड़े फटे, भोपाल कोर्ट में हाई वोल्टेज ड्रामा

महानगर मेट्रो

उत्तरप्रदेश के भोपाल जिला अदालत में उस वक्त हडकम्प मच गया जब पूर्व सांसद आलोक संजर के बेटे और अधिवक्ता अनंत संजर पर जज के सामने ही हमला कर दिया गया। पारिवारिक विवाद की काउंसलिंग के दौरान साले ने आपा खोया और वकील साहब के कपडे तक फाड दिए। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की जिला अदालत मंगलवार को उस समय अखाडा बन गई, जब पूर्व सांसद आलोक संजर के बेटे और पेशे से अधिवक्ता अनंत संजर पर कोर्ट परिसर के भीतर ही जानलेवा हमला कर दिया गया। यह सनसनीखेज वारदात उस समय हुई जब अनंत संजर अपनी पत्नी से जुडे एक मामले में काउंसलिंग के लिए जज के सामने मौजूद थे। अचानक उनके साले विद्युत भटनागर ने उन पर हमला बोल दिया। हमले की तीव्रता इतनी अधिक थी कि अनंत संजर के कपडे फट गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं। इस घटना ने न्यायालय की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है।

जज के सामने चलता रहा तांडव

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फैमिली कोर्ट में काउंसलिंग की प्रक्रिया चल रही थी। माहौल पहले से ही तनावपूर्ण था, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि अदालत के भीतर ही हिंसा हो जाएगी। आरोपी विद्युत भटनागर ने कानून का खौफ ताक पर रखकर अनंत संजर को पीटना शुरू कर दिया। जज के सामने हुई इस मारपीट से पूरे परिसर में अफरातफरी मच गई। अनंत ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि उनके साले ने न केवल मारपीट की बल्कि उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी है।

वकीलों का भड़का गुस्सा

जैसे ही खबर फैली कि उनके साथी अधिवक्ता और पूर्व सांसद के बेटे पर हमला हुआ है, सैकडों वकील फैमिली कोर्ट के बाहर इकट्ठा हो गए। वकीलों का गुस्सा देख पुलिस ने आनन-फानन में आरोपी विद्युत भटनागर को कोर्ट के एक कमरे में बंद कर दिया ताकि भीड उस पर हमला न कर दे। बाद में भारी सुरक्षा घेरे के बीच आरोपी को थाने ले जाया गया। घायल अनंत संजर को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है।

MP: सरकारी कार्यक्रम में नहीं पहुंचे मंत्री तो बेटा ही बन गया चीफ गेस्ट, कांग्रेस ने उठाए सवाल

महानगर मेट्रो

मध्य प्रदेश के भिंड जिले में राज्य सरकार की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम पर विवाद शुरू हो गया है. क्योंकि इस कार्यक्रम में मंत्री राकेश शुक्ला को आना था, लेकिन वो नहीं पहुंचे तो उनका बेटा ही कार्यक्रम का मुख्य अतिथि बन गया. मध्य प्रदेश के भिंड ज़िले में हुए एक सरकारी कार्यक्रम पर विवाद खड़ा हो गया है. इस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला को बतौर मुख्य अतिथि आना था लेकिन जब वो नहीं आए तो उनके बेटे को चीफ गेस्ट बनाकर कार्यक्रम किया गया. कांग्रेस ने अब इसपर सवाल खड़े किए हैं और राज्य सरकार पर हमला बोला है. दरअसल, भिंड ज़िले के मेहगांव विधानसभा क्षेत्र में 'संकल्प से समाधान' कार्यक्रम आयोजित किया गया था. जिसमें जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी थी.

कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला को कार्यक्रम में शामिल होना था, लेकिन वे नहीं पहुंचे. उनकी जगह उनके बेटे आलोक शुक्ला कार्यक्रम में पहुंचे. हैरानी की बात यह रही कि अधिकारियों ने उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में मंच पर स्थान दिया और उनके हाथों से ही हितग्राहियों को प्रमाण पत्र बंटवा दिए.

कांग्रेस बोली, कल को बेटे को भेजेंगे कैबिनेट बैठक में?

हैरानी की बात यह है कि आलोक शुक्ला किसी वैधानिक पद पर नहीं हैं इसके बावजूद उनके लिए पूरा प्रोटोकॉल रहा. अब कांग्रेस ने इस पूरे कार्यक्रम पर सवाल उठाए हैं. कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने आजतक से बात करते हुए कहा कि अफसरों ने बीजेपी नेताओं को खुश करने के लिए नियम कायदे ताक पर रखा दिए हैं. यह कौन सा नियम है कि मंत्री नहीं आए तो बेटे को चीफ गेस्ट बना दो? इस हिसाब से तो कल को मंत्री अपनी जगह बेटे को कैबिनेट बैठक में भेजना शुरू कर देंगे? वहीं इस पूरे घटनाक्रम पर सीईओ जिला पंचायत वीर सिंह चौहान ने कहा कि मंत्री को कार्यक्रम में आना था, लेकिन वे नहीं आ पाए. उनके प्रतिनिधि के रूप में बेटे आए इसलिए उनसे प्रमाण पत्र वितरण कराया गया.

मैं विधायक हूं... चेकिंग के दौरान फेल हो गई MLA साहब की पावर, सामने खड़े थे जज साहब, फाइन भरवाकर ही भेजा

महानगर मेट्रो

मध्यप्रदेश के डबरा में न्यायपालिका का कडा तेवर देखने को मिला जब चेकिंग कर रहे जजों ने कांग्रेस विधायक सुरेश राजे की कार रोक ली। नियम विरुद्ध हूटर लगाने पर न केवल जुर्माना वसूला गया, बल्कि मौके पर ही उसे उतरवा भी दिया गया फाइन बनवाते कांग्रेस विधायक सुरेश राजे (इंसेट में हूटर उतरता हुआ।) ग्वालियर: डबरा में मजिस्ट्रेट चेकिंग के दौरान एक दिलचस्प वाकया देखने को मिला। दरअसल, सडक पर खुद चेकिंग कर रहे जजों ने कांग्रेस विधायक सुरेश राजे की लग्जरी कार को रोक लिया। कार पर अवैध रूप से हूटर लगा हुआ था, जिसे देखकर जजों ने कडा रुख अपनाया। उनसे इसके लिए सवाल पूछे लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। विधायक सुरेश राजे को करीब आधे घंटे तक सडक पर खडा रहना पडा।

10 हजार का फाइन भरवाया

जजों के निर्देश पर मौके पर ही विधायक की कार से हूटर उतरवाया गया और नियमों के उल्लंघन के लिए 10 हजार रुपये का भारी-भरकम जुर्माना भी ठोका गया। इससे पहले कांग्रेस विधायक ने अपना परिचय भी दिया लेकिन उनकी दाल नहीं गली।

जब सडक पर उतरे जज साहब

अमूमन सडकों पर पुलिस ही चेकिंग करती नजर आती है, लेकिन डबरा में नजारा अलग था। यहां जिला एवं सत्र न्यायालय के जज स्वयं चेकिंग अभियान की निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान विधायक सुरेश राजे की सफेद रंग की एसयूवी वहां से गुजरी। गाडी पर हूटर लगा देख जजों ने उसे तुरंत रुकवाया। विधायक ने अपनी पहचान बताने की कोशिश की, लेकिन जजों ने स्पष्ट किया कि कानून की नजर में कोई छोटा या बडा नहीं होता।

विधायक ने भरा जुर्माना

चेकिंग के दौरान विधायक सुरेश राजे की गाडी के दस्तावेजों और हूटर के इस्तेमाल को लेकर जजों ने सवाल पूछे। संतोषजनक जवाब न मिलने पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कारवाई की गई। विधायक की मौजूदगी में ही मैकेनिक बुलाकर गाडी से हूटर अलग किया गया। विधायक सुरेश राजे ने भी अपनी गलती स्वीकार की और मौके पर ही 10 हजार रुपये का चालान भरकर वहां से रवाना हुए।

मॉरीशस में महाराष्ट्र भवन का भूमिपूजन: फडणवीस सरकार ने दिए 8 करोड़, AI और साइबर सुरक्षा पर भी हुई खास चर्चा

महानगर मेट्रो

मॉरीशस के मोका में महाराष्ट्र भवन के विस्तार का भव्य भूमिपूजन समारोह संपन्न हुआ, जिसमें महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण मुख्य रूप से शामिल हुए. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पहल पर इस प्रोजेक्ट के लिए 8 करोड़ रुपये की निधि दी गई. इस दौरान चव्हाण ने मॉरीशस के राष्ट्रपति से मुलाकात करU AI, साइबर सुरक्षा और पर्यटन जैसे भविष्य के मुद्दों पर चर्चा की. मॉरीशस की धरती पर भारतीय संस्कृति और मराठी अस्मिता का एक नया अध्याय शुरू हुआ है. मॉरीशस के मोका में महाराष्ट्र भवन के विस्तारित भवन का भव्य भूमिपूजन समारोह संपन्न हुआ. इस खास मौके पर महाराष्ट्र बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण मुख्य रूप से उपस्थित रहे. भूमिपूजन के दौरान रविंद्र चव्हाण ने कहा कि महाराष्ट्र और मॉरीशस का रिश्ता पीढ़ियों पुराना है. उन्होंने इस बात पर गर्व जताया कि मॉरीशस में रहने वाला मराठी समाज आज भी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से मजबूती से जुड़ा हुआ है. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पहल पर इस भवन के विस्तार के लिए 8 करोड़ रुपये की निधि दी गई है, जिसके लिए वहां के मराठी समाज ने महाराष्ट्र सरकार का आभार जताया. इस भवन के

सभागार का नाम 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर' रखने का प्रस्ताव भी रखा गया है, जिसे स्थानीय लोगों ने खूब सराहा.

AI और साइबर सुरक्षा पर हाई-लेवल चर्चा

अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान रविंद्र चव्हाण ने मॉरीशस के राष्ट्रपति धरमबीर गोखुल से शिष्टाचार भेंट की. इस मुलाकात में भारत और मॉरीशस के बीच ब्ल्यू इकॉनॉमी, पर्यटन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और साइबर सुरक्षा जैसे भविष्य के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई. राष्ट्रपति गोखुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देवेंद्र फडणवीस के कार्यों की तारीफ करते हुए मॉरीशस को भारत का छोटा भाई बताया. दौरे के दौरान मॉरीशस के आईटी मंत्री डॉ. अविनाश रामतोहूल के साथ हुई बैठक काफी दिलचस्प रही. डॉ. रामतोहूल ने पुणे के फर्ग्युसन कॉलेज में अपनी पढ़ाई के दिनों को याद किया. उन्होंने महाराष्ट्र की राशनिंग व्यवस्था में जीपीएस तकनीक के इस्तेमाल की सराहना की और मॉरीशस को अफ्रीका के लिए AI गेटवे बनाने में भारत से सहयोग मांगा. इस दौरे में केवल भवन निर्माण ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक रिश्तों को भी मजबूती मिली. महाराष्ट्र सरकार के सांस्कृतिक विभाग की ओर से मॉरीशस के कई मंदिरों और संस्थाओं जैसे विठोबा रखुमाई मराठा मंदिर और श्री गजानन सरस्वती मंदिर को अनुदान के चेक सौंपे गए. साथ ही, जागरी नृत्य को यूनेस्को में शामिल कराने और पुस्तकालयों के विस्तार पर भी सकारात्मक बातचीत हुई.

भोपाल में दर्दनाक हादसा ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई SUV, 3 की मौत

महानगर मेट्रो

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक दर्दनाक हादसा हो गया. जहां एक कार और ट्रैक्टर-ट्रॉली के बीच टक्कर हो गई. जिससे तीन लोगों की मौत हो गई. जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया. भोपाल ज़िले में एक तेज़ रफ़्तार स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (SUV) और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई. जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. यह हादसा मंगलवार रात करीब 11 बजे बैरसिया रोड पर निपानिया जाट के पास हुआ, जो यहां से 20 किलोमीटर दूर है. एक अधिकारी ने बताया कि भोपाल से बैरसिया की ओर तेज़ रफ़्तार से जा रही स्क्र्र और विपरीत दिशा से आ रही अनाज से लदी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की आमने-सामने टक्कर हो गई. इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. इटखेड़ी की सब-डिविज़नल पुलिस अधिकारी मंजू चौहान ने बताया कि मृतकों की पहचान हर्ष मेहरा (23), सतीश मेहरा (22) और लकी कुशवाहा के रूप में हुई है. ये सभी भोपाल ज़िले के रहने वाले थे. अधिकारी ने बताया कि घायल हुए एक अन्य व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जबकि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है.

मुख्यालय से आया फोन, पासपोर्ट शाखा और पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने धमकी मिली है सुनते ही मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो

मध्य प्रदेश के भिंड जिले में स्थित पासपोर्ट शाखा और पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप,मच गया। भोपाल मुख्यालय को इस आशय का मेल मिला था, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई थी... भिंड : मध्य प्रदेश में कोर्ट और अस्पतालों के बाद अब भिंड के पोस्ट ऑफिस और पासपोर्ट शाखा को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। डाक विभाग के भोपाल मुख्यालय को इस आशय का एक अज्ञात मेल आया था, जिसके बाद तत्काल सूचना भिंड भेजी गई। बम स्क्वाड और पुलिस टीमें पड़ताल में जुटी हैं, हालांकि यहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिलने की सूचना सामने आई है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार भिंड के बज़रिया इलाके में स्थित पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल पहुंच गया है और पोस्ट ऑफिस की सर्चिंग शुरू कर दी है। कार्यालय के आसपास के इलाके की दुकानों को भी एतियात बंद कराया गया था।

मुख्यालय से इस आशय की सूचना दी गई थी

पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, लेकिन सबको चेक कर लिया है अभी तक ऐसा कोई बम नहीं मिला है। हम लोग फिर भी पूरी ऐहतियात बरत रहे हैं : संजीव पाठक, एडिशनल एसपी, भिंड दरअसल भिंड के मुख्य डाकघर जो कि बजरिया में स्थित है। इन्हें संभागीय कार्यालय से इस बात की सूचना दी गई कि डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। डाकघर में संचालित पासपोर्ट ऑफिस को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह जानकारी मिलते ही पोस्ट ऑफिस के पोस्ट मास्टर ने इस बात की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी।

Navbharat Times

कौन हैं IPS हितिका वासल? जिन्हें 'हवाला लूट कांड' के बाद मिली SP गुना की जिम्मेदारी, सीएम ने जताया भरोसा

रास्तों तक को बंद कराकर सर्चिंग कराई गई

सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी संजीव पाठक समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल पोस्ट ऑफिस पहुंच गया। यहां दोनों तरफ के रास्तों को अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया। पोस्ट ऑफिस को खाली करवा लिया गया। इसके बाद पोस्ट ऑफिस के अंदर सर्चिंग की गई। काफी देर तक पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

टमाटर किसान गुस्से में लाल उचित दाम नहीं मिलने पर सड़क पर फेंकी फसल

महानगर मेट्रो

महाराष्ट्र के जालना जिले के किसान टमाटर की अच्छी फसल होने के बावजूद बाजार में कम दाम मिलने से परेशान हैं. किसान अमर काकड़े ने करीब एक एकड़ में उगाई गई फसल को कम दाम मिलने पर सड़क पर फेंक दिया. किसान सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की मांग कर रहे हैं.महाराष्ट्र के जालना जिले में टमाटर की खेती करने वाले किसान इन दिनों भारी परेशानी में हैं. टमाटर की अच्छी फसल होने के बावजूद बाजार में बेहद कम दाम मिल रहे हैं. फसल का इतना कम भाव मिल रहा है कि खेती का खर्च निकालना भी मुश्किल है. इसी गुस्से में एक किसान ने अपनी पूरी फसल सड़क पर फेंक दी. धारकल्याण गांव के किसान अमर काकड़े ने करीब एक एकड़ जमीन पर टमाटर उगाए थे. जिसमें 40 से 45 हजार रुपये तक का खर्च आया था. मौसम अच्छा रहा, तो फसल भी अच्छी हुई. अमर को उम्मीद थी कि इस बार अच्छी कमाई हो जाएगी. लेकिन जब वे फसल बेचने जालना और छत्रपति संभाजीनगर की करमाड कृषि उपज मंडी पहुंचे, तो

व्यापारियों ने सिर्फ 4 से 5 रुपये प्रति किलो का भाव बताया. यह भाव सुनकर नाराज अमर काकड़े ने कहा कि इस कीमत पर तो मजदूरी और ट्रांसपोर्ट का खर्च भी नहीं निकलता. आखिर में उन्होंने करीब 25 क्विंटल टमाटर जालना-छत्रपति संभाजीनगर हाईवे पर सोमठाणा फाटा के पास एक पुल के नीचे सड़क पर फेंक दिए. इस तरह अपने खेत की फसल को सड़क पर फेंकने की घटना से उनका गुस्सा साफ जाहिर हो रहा है. उन्होंने बताया कि नवंबर में उन्होंने टमाटर की रोपाई की थीय. दिन-रात मेहनत की, पानी दिया, खाद डाला. फसल तैयार होने पर खुशी भी थी लेकिन बाजार ने निराश कर दिया. अभी एक कैरेट (लगभग 20-23 किलो) टमाटर सिर्फ 150 से 200 रुपये में बिक रहा है. यानी प्रति किलो औसतन 5 से 7 रुपये ही मिल रहे हैं. किसानों का कहना है कि अगर प्रति कैरेट कम से कम 500-600 रुपये मिले, तभी लागत निकल पाएगी.

क्या मांग कर रहे हैं किसान?

किसानों ने सरकार से दो बड़ी मांगें की हैं. एक तो टमाटर समेत अन्य सब्जियों और फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) तय किया जाए. दूसरा है कि किसानों को मंडी के बीच वाले दलालों से बचाकर सीधा बाजार उपलब्ध कराया जाए.

क्यों गिरे टमाटर के दाम?

मिडिल ईस्ट जंग के कारण विदेशी मांग कम होने और स्थानीय बाजार में ज्यादा सप्लाई के कारण दाम गिरे हैं. जालना जैसे इलाकों में टमाटर का उत्पादन अच्छा रहा, लेकिन खपत के मुताबिक खरीदार नहीं मिल रहे हैं.

ईरान जंग का असर, 3,500 प्रति क्विंटल गिरे हल्दी के दाम, चिंता में किसान

महानगर मेट्रो

ईरान युद्ध के कारण मराठवाड़ा की मशहूर हल्दी का निर्यात पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे घरेलू बाजार में हल्दी की कीमतें तेजी से गिर रही हैं. जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है. महाराष्ट्र के मराठवाड़ा में उगाई जाने वाली प्रसिद्ध हल्दी का निर्यात ईरान के युद्ध की वजह से पूरी तरह ठप हो गया है. इससे घरेलू बाजार में हल्दी की कीमतें तेजी से गिर गई हैं. कुछ ही दिनों में हल्दी की कीमत 16,500 रुपये प्रति क्विंटल से घटकर 13,000 रुपये प्रति क्विंटल रह गई है. यानी एक क्विंटल हल्दी पर किसानों को 3,500 रुपये का नुकसान हो रहा है. एक एजेंसी के मुताबिक, शिवसेना नेता और विधान परिषद सदस्य हेमंत पाटील ने मंगलवार को बताया कि मराठवाड़ा की हल्दी मुख्य रूप से खाड़ी देशों (गल्फ) और अफ्रीकी देशों में निर्यात की जाती है. पिछले महीने शुरू हुए अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध के कारण निर्यात पूरी तरह बंद हो गया है. निर्यात रुकने से माल घरेलू बाजार में ही सड़ रहा है, जिससे दाम तेजी से गिर रहे हैं. बता दें कि मराठवाड़ा क्षेत्र पूरे देश के हल्दी निर्यात का लगभग आधा हिस्सा संभालता है. यहां की हल्दी गुणवत्ता में बेहतरीन मानी जाती है. हिंगोली जिले में ही लगभग 2 लाख एकड़ जमीन पर हल्दी की खेती होती है. हिंगोली की वासमत हल्दी को साल 2024 में त्रद्व टैग मिला था. यह हल्दी अपनी खास खुशबू, रंग, स्वाद के लिए जानी जाती है. आयुर्वेद, दवा, खाने-पीने और सौंदर्य प्रसाधनों में इसका खूब इस्तेमाल होता है. निर्यात बंद होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है. हल्दी व्यापारी प्रकाश सोनी ने बताया कि अगर युद्ध जल्दी नहीं रुका तो कीमतें और भी गिर सकती हैं. किसान पहले से ही महंगाई और अन्य समस्याओं से परेशान हैं, अब हल्दी जैसी नकदी फसल पर यह झटका उनके लिए बहुत बड़ा नुकसान साबित हो रहा है. मराठवाड़ा के किसान उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार जल्दी कोई राहत पैकेज या वैकल्पिक बाजार का इंतजाम करे, ताकि उनकी मेहनत बर्बाद न हो. फिलहाल युद्ध की वजह से न सिर्फ हल्दी बल्कि कई अन्य कृषि उत्पादों के निर्यात पर भी असर पड़ रहा है.

अजित पवार प्लेन क्रैश में रोहित पवार ने कर्नाटक में क्यों कराई 'जीरो FIRÓ, राहुल से मुलाकात में क्या बनी रणनीति

महानगर मेट्रो

महाराष्ट्र सरकार में डिप्टी सीएम रहे अजित पवार का निधन 28 जनवरी को प्लेन क्रैश में हो गया था, जिसे लेकर रोहित पवार ने अब कर्नाटक में जीरो एफआईआर दर्ज कराई है. सवाल उठता है कि महाराष्ट्र के बजाय कर्नाटक में क्यों एफआईआर दर्ज कराई? महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम रहे अजित पवार का निधन प्लेन क्रैश में हो गया था.अब दो महीने के बाद शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने कर्नाटक के बेंगलुरु में अजित पवार के विमान हादसे के संबंध में एक 'जीरो FIRÓ कराई है. इसमें उन्होंने हादसे के पीछे बड़ी आपराधिक साजिश होने का आरोप लगाया है. बारामती के पास 28 जनवरी को प्लेन क्रैश में अजित पवार सहित पांच लोगों की मौत हो गई थी. अब इस मामले में बेंगलुरु के हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन में अजित पवार के विमान हादसे के संबंध में एफआईआर दर्ज कराई. इसमें भारतीय न्याय संहिता की कई धाराएं लगाई गई हैं, जिनमें गैर-इरादतन हत्या, लापरवाही और जान को खतरे में डालने से जुड़े आरोप शामिल हैं. सवाल उठता है कि रोहित पवार ने महाराष्ट्र के किसी शहर के बजाय कर्नाटक के बेंगलुरु में'जीरो एफआईआर' क्यों कराई? क्या राहुल गांधी से रोहित पवार की मुलाकात में कांग्रेस शासित राज्य कर्नाटक में एफआईआर कराने की रणनीति बनी. अजित पवार के विमान हादसे में निधन के बाद से उनके भतीजे रोहित पवार लगातार आक्रामक रुख अख्तियार कर रखा है. रोहित पवार ने मंगलवार को ही विधानसभा में यह मुद्दा उठाया था. इस मामले में दिवंगत अजित पवार के भतीजे रोहित पवार ने इंडियन सिविल प्रोटेक्शन कोड, 2023 के सेक्शन 173(1) के तहत 'जीरो FIRÓ के तौर पर शिकायत दर्ज कराई थी. रोहित पवार के द्वारा दर्ज कराई एफआईआर की शिकायत मेंएक निजी कंपनी द्वारा संचालित यह विमान कथित तौर पर उड़ान भरने के लिए पूरी तरह फिट नहीं था. आरोप लगाया गया है कि प्लेन के रखरखाव के रिकॉर्ड में हेराफेरी की गई थी और सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया गया था. प्लेन के पायलट के पिछले रिकॉर्ड, आखिरी समय में क्रू में किए गए बदलावों और कम विज़िबिलिटी (धुंध) की स्थिति में उड़ान से जुड़े संदिग्ध फैसलों को लेकर भी एफआईआर में गंभीर चिंताएं जताई गई हैं.

महाराष्ट्र के बजाय कर्नाटक में क्यों FIR

रोहित पवार ने महाराष्ट्र के बजाय कर्नाटक में क्यों एफआईआर दर्ज कराई. इसका जवाब भी रोहित पवार ने दिया है, उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में FIR दर्ज कराने की उनकी कोशिशें नाकाम रहीं, जिसके बाद उन्हें बेंगलुरु पुलिस से संपर्क करना पड़ा. अजित पवार के निधन के बाद रोहित पवार ने पुणे, बारामती और मुंबई समेत महाराष्ट्र में विमान दुर्घटना मामले में केस दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे. अब रोहित पवार को कर्नाटक में सफलता मिली है. उन्होंने बेंगलुरु पुलिस में इस केस की जीरो एफआईआर दर्ज कराई है.'जीरो एफआईआर' किसी भी पुलिस थाने में दर्ज किया जा सकता है, चाहे अपराध कहीं भी हुआ हो. रोहित पवार ने कहा कि हमने महाराष्ट्र में कई जगहों पर केस रजिस्टर करने की कोशिश की,लेकिन बात नहीं बनी, फिर हम कर्नाटक गए. कर्नाटक सरकार न्याय दिलाने के लिए आगे बढ़ी है. उन्होंने ज़ीरो FIR दर्ज करके ष्ठत्र को भेज दी है।. रोहित पवार ने कहा कि अजित पवार के प्लेन क्रैश के बारे मेंकेस रजिस्टर कर लिया गया है. जो कर सकते थे, किया, फॉलोअपकिया.

राहुल गांधी से मुलाकात में बनी रणनीति

महाराष्ट्र में अजित पवार विमान हादसे में मामले में एफआईआर कराने में नाकाम होने के बाद रोहित पवार ने दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की थी. रोहित पवार ने राहुल गांधी से अजित पवार के विमान हादसे के मुद्दे पर चर्चा की थी.माना जाता है कि उसी के बाद महाराष्ट्र के बजाय कर्नाटक में जीरो एफआईआर दर्ज कराने के लिए रणनीति बनी है. कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है और जीरो एफआईआर कहीं भी जा सकती है, वो देश के किसी भी राज्य का मामला हो. रोहित पवार ने पहले 25 फरवरी को मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन और उसके बाद 26 फरवरी को बारामती पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराने की कोशिश की थी. हालांकि FIR दर्ज नहीं की गई थी. इस मामले में पुणे सीआईडी ने कहा है कि जांच सिर्फ ऐक्सिडेंटल डेथ रिपोर्ट के आधार पर चल रही है. अजित पवार के हादसे के 2 महीने बाद भी जांच करने वाले अधिकारियों को कोई रिमाइंडर नहीं दिया गया है. ऐसे में रोहित पवार ने कांग्रेस वाले शासित राज्य में जीरो एफआईआर दर्ज कराया है.

महाराष्ट्र में क्या गरमाएगी राजनीति

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस मुद्दे पर एफआईआर होने से महाराष्ट्र की राजनीति में नई बहस शुरू हो सकती है,क्योंकि अजित पवार राज्य की सत्ता में अहम पद पर थे. ऐसे में अब उनके नाम से जुड़ा कोई भी विवाद राजनीतिक रूप से बड़ा असर डाल सकता है. रोहित पवार ने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य किसी पर व्यक्तिगत हमला करना नहीं है,बल्कि सच को सामने लाना है. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में पारदर्शिता बहुत जरूरी होती है और अगर किसी घटना को लेकर सवाल उठ रहे हैं तो उसका जवाब भी सामने आना चाहिए. इतना ही नहीं रोहित पवार ने यह घटना उपमुख्यमंत्री को खत्म करने के उद्देश्य से रची गई एक बड़ी आपराधिक साजिश का नतीजा थी.

इन अजीबोगरीब इमारतों को देखकर आप भी हो जाएंगे हैरान,

किसी का जूते तो किसी का टोकरी जैसा है आकार

दुनिया भर में कई ऐसी अजीबोगरीब और विचित्र जगहें हैं जिन्हें देख कर लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसी कई जगह है जहां की विचित्र निर्माण शैली को देखकर आप भी सोच में पड़ जाएंगे कि बनाने वाले ने खूब बनाया है। इन्हें एक बार देखने के बाद आपका भी मन करेगा कि इन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा जाए। आज के इस लेख में हम आपको दुनिया की सबसे विचित्र और अनोखी इमारतों के बारे में बताने जा रहे हैं –

उल्टा चर्च

कनाडा के कैलेग्री में स्थित चर्च को देखकर को देखकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे। यह चर्च देखने में उल्टा लगता है, जिसके कारण इसका नाम डिवाइस टू रूट आउट डेविल रखा गया है। इसका मतलब 'शैतान को जड़ से उखाड़ने का यंत्र।' इस चर्च की ऊंचाई करीब 7 मीटर और चौड़ाई 3 मीटर है। कनाडा आने वाले पर्यटकों के बीच यह चर्च आकर्षण का केंद्र है।

नाचता मकान

नीदरलैंड में स्थित एक घर को देखकर आपको ऐसा लगेगा कि मकान नाच रहा है। इस अनोखे मकान का नाम दो प्रसिद्ध डांसर फ्रेड एस्टेयर और जिंजर रॉजर्स के नाम पर रखा गया है। इस इमारत के दो हिस्से हैं। पहले भाग को शीशे से बनाया गया है, वहीं दूसरा हिस्सा सीधा है। इस मकान में कुल 9 मंजिलें हैं।

टोकरी जैसा ऑफिस

ओहियो के नेवार्क शहर में एक ऑफिस का आकार लकड़ी की टोकरी जैसा है। यह इमारत लॉन्ग बर्गर का मुख्यालय है, जो की लकड़ी की टोकरी बनाने वाली एक कंपनी थी। इस इमारत का निर्माण 1997 में हुआ था। इसके सात मंजिलों के निर्माण में लगभग 3 करोड रुपए खर्च हुए थे। इस इमारत में ऊपर स्टील के दौरान जल दिए गए हैं और नीचे की टोकरी का आकार है।

जूते के आकार का घर

पेंसिलवेनिया जाने वाले पर्यटकों को हैंस शू हाउस को जरूर देखना चाहिए। इस घर का आकर जूते की तरह है। यह विचित्र इमारत हेलन टाउनशिप में स्थित है। दुनियाभर से पर्यटक इस बिल्डिंग को देखने आते हैं।

पुस्तकालय के आकार की इमारत

यूनाइटेड स्टेट्स के मिजूरी में कंसास सिटी एक पुस्तकालय के आकार की है। इसे बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि कई सारी किताबें रखी गई हों। इस अनोखी इमारत का आकार 25 से 9 फीट है। इस लाइब्रेरी की दक्षिणी दीवार पर 22 किताबों के अनोखे डिजाइन को इमारत बनाया गया है।

गर्मी में घूमने के लिए यह हैं बेहतरीन जगहें

जब गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती हैं। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं–

मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

मनाली में करने के लिए चीजें:

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, क्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मज़ा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट-वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

शिमला में करने के लिए चीजें:

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें:

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी-भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

मुन्नार में करने के लिए चीजें:

- चाय बागानों की हरी-भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुडी पीक के लिए ट्रेक करें
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशन, एक बार जरूर जाएं घूमने

भारत के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित खूबसूरत राज्य कर्नाटक अपने हाई-टेक हब, नाइटलाइफ़, भव्य महलों, पुराने मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इस राज्य में हरे-भरे वातावरण और शांति प्रदान करते कई हिल स्टेशन भी हैं। जो लोग शहर की भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ शांत समय बिताना चाहते हैं, वह इन हिल स्टेशनों में जा सकते हैं। हरी-भरी पहाड़ियों, झरनों और सुविधाजनक स्थानों से लेकर ऐतिहासिक आकर्षणों और एड्रेनालाईन गतिविधियों तक, कर्नाटक के हिल स्टेशनों में बहुत कुछ है। तो चलिए आज हम आपको कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में बता रहे हैं–

चिकमगलूर, कर्नाटक

चिकमगलूर चाय और कॉफी के बागानों, दूधिया-सफेद झरनों और खूबसूरत पार्कों से भरपूर है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान हेब्बे फॉल्स, कल्लाथिगिरी फॉल्स, हनुमना गुंडी फॉल्स, भद्रा वन्यजीव अभयारण्य, महात्मा गांधी पार्क, कॉफी संग्रहालय, हिरेकोले झील, कोडंदरामा मंदिर आदि हैं। अगर आप यहां पर हैं तो चाय और कॉफी के बागानों में टहलें, उच्चतम मुल्लायनगिरी चोटी पर जाएँ, क्यातनामक्की में सुंदर दृश्यों का आनंद लें, अमृतेश्वर और विद्याशंकर मंदिर में जाएं।

नंदी हिल्स, कर्नाटक

4849 फीट की ऊंचाई पर स्थित नंदी हिल्स कर्नाटक के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। हरे भरे परिवेश, ट्रेकिंग ट्रेल्स और आश्चर्यजनक दृश्यों के अलावा, इस जगह में कई स्मारकों और मंदिरों के साथ एक लोकप्रिय ऐतिहासिक किला भी है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान टीपू की बूंद, टीपू का ग्रीष्मकालीन निवास, अमृता सरोवर, भोग नंदीश्वर मंदिर, ब्रह्मश्रम, नेहरू निलय, ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड आदि है।

सिरसी, कर्नाटक

घने जंगलों के बीच बसा कर्नाटक का यह आकर्षक हिल स्टेशन, बैंगलोर से एक आदर्श वीकेंड गेटवे है। विविध वन्यजीवों से भरे घने उष्णकटिबंधीय जंगलों से लेकर सुरम्य झरनों और हरी-भरी पहाड़ियों तक, सिरसी की प्राकृतिक सुंदरता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। अगर आप यहां पर हैं तो मुरेगर फॉल्स, शिवगंगा फॉल्स, बुरुड फॉल्स, उंचल्ली फॉल्स, विभूति फॉल्स, मरिकंबा मंदिर, श्री महागणपति मंदिर, गुडवी पक्षी अभयारण्य आदि जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

माले महादेश्वर या एमएम हिल्स, कर्नाटक

सात पहाड़ी श्रृंखलाओं, एमएम हिल्स समुद्र तल से 3200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और 'स्वयंभू' या स्वयं प्रकट रूप में भगवान शिव के साथ एक प्राचीन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। धार्मिक स्थलों के अलावा, यह स्थान वनस्पतियों और जीवों में समृद्ध है, जो इसे वन्यजीव प्रेमियों और एड्रेनालाईन के दीवाने लोगों के बीच एक लोकप्रिय आकर्षण बनाता है। यहां पर आने वाले हर यात्री को श्री माले महादेश्वर मंदिर, थाला बेट्टा, नागमाले हिल्स आदि जगहों पर जरूर जाएं। साथ ही घने जंगलों में हाथियों और अन्य जानवरों को देखना ना भूलें।

गंगामूला, कर्नाटक

हरे-भरे और घने जंगलों से घिरा गंगामूला उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो प्रकृति की गोद में क्वालिटी टाइम बिताना चाहते हैं। हिल स्टेशन एक धुंधली जलवायु और आश्चर्यजनक परिदृश्य और आकर्षण का आनंद लेता है। यह स्थान तीन महत्वपूर्ण नदियों- तुंगा, भद्रा और नेत्रावती का उद्गम स्थल होने के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थानों में हनुमना गुंडी जलप्रपात, श्री अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, सिरिमाने जलप्रपात, गोमतेश्वर प्रतिमा, चतुर्मुख बसदी, श्री वेंकटरमण मंदिर, अंबा तीर्थ आदि शामिल है। अगर आप यहां पर हैं तो कुरिंजल पीक और नरसिम्हा पर्वत के लिए ट्रेक, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता को देखें। भगवती प्रकृति शिविर में प्रकृति की सैर, जीप सफारी और ट्रेकिंग का आनंद लें।

गर्मियों की छुट्टियों में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो भूलकर भी इन जगहों पर न जाएं वरना पड़ेगा पछताना

हर साल गर्मियों की छुट्टी में लोग कहीं ना कहीं घूमने जाते हैं। यह एक ऐसा समय होता है जब आप अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताते हैं और खूब मौज मस्ती करते हैं। ऐसे में गर्मियों की छुट्टियों में भारत की कई जगहों पर सैलानियों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन गर्मियों में कहीं भी घूमने का प्लान बनाने से पहले वहां का तापमान जरूर देख लें। गर्मियों में तेज धूप और लू में कहीं बाहर घूमना किसी सिरदर्द से कम नहीं है। ऐसा में अगर आप किसी ऐसी जगह घूमने का प्लान बना लेते हैं जहां भीषण गर्मी होती है तो आपका समय और पैसा दोनों बर्बाद होंगे। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि गर्मियों में कहां जाने से बचना चाहिए –

आगरा, उत्तर प्रदेश

वीकेंड ट्रिप के लिए लोग अक्सर आगरा घूमने का प्लान बनाते हैं। यहाँ पर मौजूद दुनिया के सातवें अजूबे को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। आगरा में घूमने के लिए और भी कई बेहतरीन जगहें हैं। लेकिन गर्मी में यहाँ घूमना आपके लिए सिरदर्द बन सकता है। दरअसल, गर्मियों के मौसम में आगरा का तापमान बहुत बढ़ जाता है। तेज धूप में संगमरमर से बना ताजमहल भी तपने लगता है और आप कहीं बाहर भी नहीं घूम सकते हैं। इसलिए यहाँ गर्मियों में जाने का प्लान ना ही बनाएं।

जैसलमेर, राजस्थान

राजस्थान का जैसलमेर न केवल भारतीय बल्कि विदेशी पर्यटकों की लिस्ट में भी शामिल है। जैसलमेर को गोल्डन सिटी के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ हर साल दुनिया भर से लाखों पर्यटक आते हैं और सफारी का लुफ्त उठाते हैं। खाना की गर्मियों में जिप्सी गिरी शहर में घूमना काफी कठिन हो सकता है। गर्मियों में जैसलमेर का टेंपरेचर 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला जाता है। इतनी भीषण गर्मी में जैसलमेर की यात्रा करना अच्छा आइडिया नहीं है।

गोवा

घूमने के शौकीन लोगों की लिस्ट में गोवा का नाम सबसे ऊपर आता है। यहां लोग अपने दोस्त या पार्टनर के साथ मौज मस्ती करने के लिए पहुंचते हैं। यहां के खूबसूरत बीच, नाइटलाइफ और खुला माहौल युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन गर्मियों के मौसम में गोवा घूमने का प्लान बनाने से पहले एक बार जरूर सोच लें। गर्मियों में तेज धूप में आप ठीक तरह से घूम नहीं पाएंगे और आपके पैसे सिर्फ बर्बाद ही होंगे।

चेन्नई, दक्षिण भारत

दक्षिण भारत का चेन्नई शहर घूमने के लिहाज से बेहतरीन है। यहां कई सारे मंदिर, बीच और अन्य दार्शनिक स्थल हैं। लकी गर्मियों में यहां का पर बहुत अधिक बढ़ जाता है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में चेन्नई में घूमना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आप गर्मियों में चेन्नई घूमने का प्लान ना ही बनाएं।

CMYK

एमजीएल ने पाइप्ड नेचुरल गैस के लिए ग्राहकों को दिए नए प्रोत्साहन

नए कनेक्शन पर मुफ्त गैस और छूट की सौगात

नई दिल्ली ।

महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने मंगलवार को घरेलू ग्राहकों के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कई नई सुविधाओं की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि 16 मार्च से 30 अप्रैल तक नए कनेक्शन लेने वाले ग्राहकों को 500 रुपये तक की मुफ्त गैस मिलेगी। इसके अलावा, उन नई इमारतों में जहां पीएनजी की पैठ 60 प्रतिशत से अधिक है, प्रति ग्राहक 1,000 रुपये तक का बिल समायोजन किया जाएगा। एमजीएल वेब रजिस्ट्रेशन कराने वाले ग्राहकों को 500 रुपये का तत्काल डिस्काउंट भी मिलेगा, जबकि गैस न उपयोग करने की अवधि में न्यूनतम शुल्क माफ रहेगा। कंपनी ने यह भी कहा कि जल्द ही शून्य अग्रिम रजिस्ट्रेशन शुल्क की सुविधा शुरू की जाएगी, जिसमें भुगतान केवल कनेक्शन मिलने के बाद करना होगा। व्यावसायिक ग्राहकों के लिए भी एमजीएल ने रजिस्ट्रेशन शुल्क माफ कर दिया है। इसके अलावा डाउनस्ट्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर का खर्च कंपनी खुद वहन करेगी। यह कदम पीएनजी को सभी प्रकार के ग्राहकों के लिए अधिक सुलभ और आकर्षक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। एमजीएल ने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य पाइप्ड और कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखना और सेवा के उच्च मानक बनाए रखना है। कंपनी ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। एमजीएल के प्रबंध निदेशक आशू सिंघल ने कहा कि ये पहल प्राकृतिक गैस के दायरे को बढ़ाने और देश में स्वच्छ ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

ईरान ने कहा, नये नियमों के तहत होर्मुज से निकल सकते हैं विदेशी जहाज

सुरक्षित आवाजाही के लिए जहाजों को ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करना होगा

नई दिल्ली।

ईरान ने कहा है कि विदेशी जहाज अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर सकते हैं, लेकिन उन्हें ईरानी नियमों का पालन करना होगा और किसी भी तरह की आक्रामक गतिविधियों में शामिल नहीं होना चाहिए। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह जानकारी ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन को भेजे गए 22 मार्च के एक पत्र में दी। पत्र के अनुसार सुरक्षित आवाजाही के लिए जहाजों को ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करना होगा। सूत्रों के मुताबिक ईरान ने कुछ व्यावसायिक जहाजों से ट्रांजिट शुल्क लेना भी शुरू कर दिया है। इस कदम से यह साफ संकेत मिलता है कि दुनिया के सबसे अहम समुद्री ऊर्जा मार्ग पर ईरान का नियंत्रण बढ़ रहा है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण इस जलमार्ग पर जहाजों की आवाजाही लगभग ठप हो गई थी, और फिलहाल केवल कुछ ही जहाज ईरान के तट के पास से होकर गुजर रहे हैं। ईरान ने स्पष्ट किया कि केवल गैर-शत्रुतापूर्ण जहाजों को अनुमति दी जाएगी। जहाजों को ईरान के खिलाफ किसी भी आक्रामक कार्रवाई में शामिल नहीं होना चाहिए और तय सुरक्षा नियमों का पालन करना होगा। जिन देशों को ईरान आक्रामक मानता है, उनके जहाजों के गुजरने पर रोक रहेगी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का नियंत्रण तेल, गैस, खाद्य सामग्री और धातुओं की आपूर्ति पर सीधे असर डालता है। इस मार्ग पर व्यवधान से आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी आई है। एशियाई देशों में गैस की कमी और ईंधन की राशनिंग की आशंका बढ़ी है। निवेशक स्थिति सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं, और आवाजाही बढ़ी तो तेल की कीमतों में गिरावट आ सकती है।

ग्लोबल संकेत पॉजिटिव और कच्चे तेल के दाम में गिरावट के कारण भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन निवेशकों के पोर्टफोलियो हरे निशान पर बंद,

सेंसेक्स 1205 अंक चढ़कर 75,273 पर बंद, निफ्टी में भी 394 अंक की तेजी रही,

दो दिन में निवेशकों को 18 लाख करोड़ की कमाई!

नई दिल्ली।

मिडिल ईस्ट में वॉर थमने के संकेत को देखते हुए कच्चे तेल के दाम में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। ग्लोबल ब्रेंट क्रूड ऑयल 4.34 प्रतिशत गिरकर 99.95 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, जो बाजार के लिए अच्छा संकेत है। इस कारण मंगलावार के बाद बुधवार को भी भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी आई। शेयर बाजार में तेजी के कारण बुधवार को निवेशकों ने जबरदस्त कमाई की। 24 मार्च को बीएसई मार्केट कैपिटलाइजेशन 422.78 लाख करोड़ रुपये था, जो बुधवार को बढ़कर 431 लाख करोड़ रुपये हो गया। यानी निवेशकों को 9 लाख करोड़ की कमाई हुई है। वहीं मगंलवार को भी करीब 9 लाख रुपये का इजाफा हुआ था। ऐसे में देखा जाए तो 2 दिनों के दौरान 18 लाख करोड़ की कमाई हुई है।बुधवार को बीएसई सेंसेक्स 1205 अंक या 1.63 फीसदी चढ़कर 75273 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 394 अंक या 1.72 फीसदी उछलकर 23,306 पर क्लोज हुआ। निफ्टी बैंक में भी 1100 अंकों की तेजी आई। बीएसई टॉप 30 के 26 शेयरों में तेजी रही, जबकि 4 स्टॉक गिरावट पर बंद हुए। सबसे ज्यादा तेजी टाइटन के शेयरों में 4 फीसदी की रही। इसके साथ ही इंडिगो और बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। बीएसई के 2,953 शेयरों में तेजी

देखने को मिली, जबकि 1,362 शेयरों में गिरावट रही। 67 शेयर 52 वीक के हाई पर और 245 शेयर 52 वीक के लो पर थे। 188 शेयरों में अपर सर्किट लगा और 173 शेयरों में लोअर सर्किट दिखाई दिया।

रुपया 18 पैसे टूटकर 93.94 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया पिछले दिन 23 पैसे टूटकर93.76 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 18 पैसे टूटकर 93.94 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से निवेशक चिंतित हैं। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, डॉलर की कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों की मजबूत शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा में अधिक गिरावट को रोक दिया। उन्होंने बताया कि हालांकि पश्चिम एशिया संकट को लेकर अनिश्चितताओं के बीच विदेशी पूंजी की निकासी ने स्थानीय मुद्रा पर दबाव बना रखा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 93.94 पर खुला जो पिछले बंद भाव से 18 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को 23 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.76 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.28 पर रहा।

आंध्र प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को तेजी से पूरा करें- ऊर्जा मंत्री गोट्टिपाटी

ऊर्जा मंत्री ने निवेशकों को आश्वस्त किया कि सरकार उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करेगी

अमरावती ।

आंध्र प्रदेश के ऊर्जा मंत्री गोट्टिपाटी रवि कुमार ने निवेशकों से राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और उन्हें समय पर चालू करने का आग्रह किया है। मंत्रालय के अनुसार, सचिवालय में ब्रुकफील्ड-एक्सिस के प्रतिनिधियों और एनआरईडीकैप के अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक में निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन किया गया। रवि कुमार ने कहा कि परियोजनाओं को बिना किसी देरी के पूरा करना निवेशकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि सरकार उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। साथ ही, जमीनी स्तर पर आने वाली किसी भी समस्या की जानकारी तुरंत सरकार को दी जाए ताकि उसका तत्काल समाधान किया जा सके। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि उपलब्धता, आधारभूत ढांचा और आवश्यक मंजूरियों सहित सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएँ। उन्होंने कहा कि निवेश में बाधा बनने वाली समस्याओं को सक्रिय रूप से दूर करना आवश्यक है और राज्य में सहज निवेश माहौल तैयार करना प्राथमिकता है। रवि कुमार ने कहा कि सरकार एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति के माध्यम से बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित कर रोजगार सृजन को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के दृष्टिकोण को दोहराया, जिसमें आंध्र प्रदेश को देश की 'बैटरी स्टोरेज कैपिटल' बनाने की योजना है। मंत्री ने यह भी कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर उत्पन्न होंगे, जिससे राज्य में सतत विकास और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा।

भारत का मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर 2 साल में 3 लाख करोड़ पार करने को तैयार

डिजिटल विज्ञापन ने अकेले 26 फीसदी की ग्रोथ के साथ 94,700 करोड़ का योगदान दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का मीडिया और एंटरटेनमेंट (एमएंडई) सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है और अगले दो साल में यह सवा 3 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर सकता है। फिक्की-ईवाई एम एंड ई की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, इंडस्ट्री सालाना 7 फीसदी की दर से बढ़कर 2028 तक 3.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2025 में डिजिटल मीडिया और एंटरटेनमेंट ने सबसे बड़ा हिस्सा ले लिया। इसने 1 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया। डिजिटल विज्ञापन ने अकेले 26 फीसदी की ग्रोथ के साथ 94,700 करोड़ रुपये का योगदान दिया। कुल विज्ञापन इंडस्ट्री 13.5 फीसदी बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो भारत की जीडीपी का 0.41 फीसदी है। लाइव इवेंट्स सेगमेंट ने साल 2025 में 44 फीसदी की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की। इसमें टिकट वाले इवेंट, शादियां, सरकारी और धार्मिक कार्यक्रम शामिल हैं। डिजिटल सब्सक्रिप्शन 60 फीसदी बढ़कर 16,300 करोड़ रुपये हो गया। भारत में 14.3 करोड़ घरों में 21.6 करोड़ पेड वीडियो सब्सक्रिप्शन मौजूद हैं, जो प्रीमियम फिल्मों और खेलों के कारण बढ़े। पेड म्यूजिक सब्सक्रिप्शन 37 फीसदी बढ़कर 1.44 करोड़ हो गए।

वीडियो गेम्स में अगस्त 2025 से लागू मनी गेमिंग बैन के कारण 17 फीसदी गिरावट आई।

प्रिंट मीडिया विज्ञापन में 2 फीसदी की मामूली बढ़ोतरी के साथ स्थिर रहा। कुल विज्ञापन बाजार 1.11 लाख करोड़ से बढ़कर 1.55 लाख करोड़ रुपये हो गया।

डिजिटल विज्ञापन का हिस्सा बढ़कर 60 फीसदी तक पहुंच गया, और इस सेक्टर में 22 फीसदी से अधिक की ग्रोथ देखी गई।

घरेलू गैस बुकिंग में नए नियमए सालाना कोटा अब सख्त

पिछले सिलेंडर लेने के बाद अगले सिलेंडर के लिए 25 दिन इंतजार करना होगा

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सरकार ने घरेलू गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कड़े नियम लागू किए हैं। अब भारत पेट्रोलियम ;बीपीसीएलद्ध ग्राहकों को महीने में केवल दो सिलेंडर ही बुक करने की अनुमति देगा। इससे अधिक बुकिंग करने की कोशिश करने पर सिस्टम ऑटोमैटिक ब्लॉक कर देगा या कड़ी पूछताछ होगी।सरकार हर वित्तीय वर्ष ;अप्रैलदृमार्चद्ध में 12 सब्सिडी वाले सिलेंडर देती है। इसके अलावा ग्राहक साल भर में 3 अतिरिक्त सिलेंडर बिना सब्सिडी के ले सकते हैं। कुल मिलाकर एक कनेक्शन पर साल में 15 सिलेंडर ही उपलब्ध होंगे। पिछले नियमों के अनुसार दो सिलेंडरों के बीच 21 दिन का अंतर था। नए नियम के तहत अब यह अवधि बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है। इसका मतलब है कि पिछले सिलेंडर लेने के बाद अगले सिलेंडर के लिए कम से कम 25 दिन इंतजार करना होगा। यदि ग्राहक का सालाना कोटा पूरा हो गया और फिर भी गैस चाहिएए तो उसे हैलो बीपीसीएल ऐप के माध्यम से आवेदन करना होगा। ऐप पर कारण बताना अनिवार्य होगाए जैसे शादीए फंक्शन या आने वाले मेहमान। कंपनी समीक्षा के बाद ही एक्स्ट्रा सिलेंडर देगी। सिलेंडर डिलीवरी के समय मोबाइल पर वन.टाइम पासवर्ड ;डीएसीद्ध अनिवार्य होगा। केवल रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से ही बुकिंग मान्य होगी। इसके अलावा ईकेवायसी पूरी होना जरूरी हैए नहीं तो सब्सिडी रुक सकती है और बुकिंग में परेशानी हो सकती है।

इंडिगो में प्रबंधन बदलाव, आलोक सिंह बने मुख्य रणनीति अधिकारी

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने एयर इंडिया एक्सप्रेस के पूर्व प्रमुख आलोक सिंह को अपना नया मुख्य रणनीति अधिकारी नियुक्त किया है। वह 6 अप्रैल 2026 से अपने पद पर कार्यभार संभालेंगे। यह कदम कंपनी की रणनीति को मजबूत करने और परिचालन स्थिरता सुनिश्चित करने के प्रयास के तहत उठाया गया है। कंपनी के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एल्बर्स ने 10 मार्च 2026 से अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे का कारण दिसंबर 2025 में हुए गंभीर परिचालन संकट से उत्पन्न दबाव बताया गया है। इस बीच राहुल भाटिया, प्रबंध निदेशक, अंतरिम रूप से सीईओ की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं और संचालन की निगरानी कर रहे हैं। 3 से 5 दिसंबर के बीच कंपनी को 2500 से अधिक उड़ानें रद्द और लगभग 1800 उड़ानें विलंबित करनी पड़ीं, जिससे तीन लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए।

इन्फोसिस बोर्ड के सामने बड़ा फैसला, पारिख का तीसरा कार्यकाल या नई शुरुआत?

- पारिख ने 2018 में कंपनी की कमान संभाली थी और कठिन दौर में इन्फोसिस को मजबूती प्रदान की

नई दिल्ली ।

इन्फोसिस के इतिहास में 2027 वर्ष महत्वपूर्ण साबित हो सकता है, क्योंकि 31 मार्च को कंपनी के सीईओ सलिल पारिख का दूसरा कार्यकाल समाप्त हो रहा है। पारिख ने 2018 में कंपनी की कमान संभाली थी और कठिन दौर में इन्फोसिस को स्थिरता और मजबूती प्रदान की। अब बोर्ड के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि तेजी से बदलते एआई के दौर में कंपनी का नेतृत्व कौन करेगा। सूत्रों के अनुसार पारिख को तीसरे कार्यकाल के लिए चुना जा सकता है, लेकिन यह शायद छोटा (1-2 साल) होगा। इसके विकल्प के रूप में बोर्ड उन्हें चेयरमैन बना सकता है और नए सीईओ की नियुक्ति कर सकता है। औपचारिक घोषणा जून में होने वाली वार्षिक आम बैठक में की जा सकती है। इन्फोसिस की सेवानिवृत्ति नीति के अनुसार कार्यकारी निदेशकों की उम्र 60 वर्ष है। पारिख पहले ही इस उम्र को पार कर चुके हैं, लेकिन बोर्ड और शेयरधारकों की मंजूरी से कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। एचएफएस रिसर्च के संस्थापक फिल फर्स्ट का कहना है कि पारिख का तीसरा कार्यकाल निवेशकों के लिए मिश्रित संदेश दे सकता है। एक ओर यह स्थिरता का संकेत देगा और पारिख के अनुभव, अनुशासन और निवेशकों व ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध को कायम रखेगा।

दूसरी ओर, कुछ निवेशक यह सवाल कर सकते हैं कि क्या इन्फोसिस तेजी से बदलते एआई युग में खुद को अनुकूल बना पा रही है। पारिख ने 2023-24 में एआई-प्रथम रणनीति लागू की और 2025-26 की तीसरी तिमाही में एआई-संबंधित राजस्व कुल आय का 5.5 फीसदी था। कंपनी ने दूरसंचार वित्तीय सेवाओं, विनिर्माण और सॉफ्टवेयर क्षेत्रों में एआई समाधान विकसित करने के लिए एंथ्रोपिक के साथ साझेदारी की है।

उनके नेतृत्व में इन्फोसिस की आय 70,522 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.62 लाख करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 16,029 करोड़ से 26,713 करोड़ रुपये तक पहुँच गया।

इस दौरान 12-13 रणनीतिक अधिग्रहण भी हुए। 2027 इन्फोसिस के लिए नेतृत्व, निवेशक विश्वास और एआई-आधारित भविष्य रणनीति के लिहाज से निर्णायक साल साबित होगा। बोर्ड का फैसला कंपनी की दिशा और प्रतिस्पर्धा को तय करेगा।

एसएंडपी ने 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 फीसदी किया

वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि निजी खपत, निवेश एवं निर्यात वृद्धि के प्रमुख चालक रहेंगे। हालांकि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ सकता है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र पर अपनी नवीनतम त्रैमासिक आर्थिक टिप्पणी में एसएंडपी ने कहा कि नए भू-राजनीतिक तनाव और लगातार बने व्यापार संबंधी अनिश्चितता के जोखिम से भारत पर वस्तु कीमतों, व्यापार मात्रा एवं पूंजी प्रवाह में उतार-चढ़ाव के माध्यम से असर पड़ सकता है। इसमें कहा गया कि यदि कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं तो भारत में ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, ताकि सब्सिडी लागत को नियंत्रित किया जा सके। हालांकि कीमतों का पूरा असर उपभोक्ताओं तक पहुंचने के आसार नहीं हैं। एसएंडपी ने कहा कि हमारा अनुमान है कि 31 मार्च 2027 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.1 प्रतिशत रहेगी, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मजबूत निजी खपत, निजी निवेश में मध्यम सुधार और ठोस निर्यात इसके मुख्य चालक होंगे। एजेंसी ने 2025-26 के वृद्धि अनुमान को 0.4 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत और 2026-27 के लिए 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। एसएंडपी के अनुसार महंगाई के कम स्तर से सामान्य पर आने से वित्त वर्ष 2026-27 में इसके बढ़कर 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। ऊंची कच्चे तेल की कीमतों से व्यापार घाटा बढ़ने का अनुमान है, हालांकि सेवाओं के व्यापार में मजबूत अधिशेष से चालू खाते के घाटे को सीमित रखने में मदद मिलेगी। एजेंसी का अनुमान है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) फिलहाल नीतिगत दरों को स्थिर रखेगा और रुख 'तटस्थ' बनाए रखेगा।

मारुति सुजुकी 2030-31 तक रेल मार्ग से वाहन भेजने की हिस्सेदारी 35 प्रतिशत करेगी- सीईओ

वित्त वर्ष 2030-31 तक रेल मार्ग से वाहनों की आपूर्ति की हिस्सेदारी बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड की योजना वित्त वर्ष 2030-31 तक रेल मार्ग से वाहनों की आपूर्ति की हिस्सेदारी बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने की है। वर्तमान में यह हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि मानेसर संयंत्र के अंदर रेल पटरी सुविधा (इन-प्लांट रेलवे साइडिंग) से जून 2025 में परिचालन शुरू होने के बाद से अब तक एक लाख वाहनों की ढुलाई (डिस्पैच) की जा चुकी है। इससे करीब 16,800 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य उत्सर्जन कम हुआ। मारुति सुजुकी इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025 में कंपनी ने रेलवे के जरिये 5.85 लाख से अधिक वाहनों की ढुलाई कर रिकॉर्ड बनाया। दिलचस्प बात यह है कि पिछले दशक में हमारी आउटबाउंड लॉजिस्टिक्स में रेल परिवहन की हिस्सेदारी 2016 के पांच प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 26 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि हमारी योजना 2030-31 तक रेल आधारित वाहन ढुलाई की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने की है। यह कुशल और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स विकसित करने तथा भारत के शुद्ध शून्य लक्ष्य में योगदान देने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। कंपनी के अनुसार मानेसर रेलवे साइडिंग भारत में मोटर वाहन क्षेत्र की सबसे बड़ी इकाई के भीतर स्थापित रेलवे सुविधा है। वहीं गुजरात रेलवे साइडिंग के बाद यह मोटर वाहन उद्योग तथा कंपनी के लिए दूसरा पीएम गतिशक्ति इन-प्लांट टर्मिनल है। इस रेलवे साइडिंग के माध्यम से कंपनी 17 केंद्र के जरिये 380 शहरों तक वाहनों की आपूर्ति कर रही है, जिसके लिए समर्पित 'हब-एंड-स्पोक मॉडल' का उपयोग किया जा रहा है। रेलवे साइडिंग में हब-एंड-स्पोक मॉडल एक केंद्रीकृत माल ढुलाई प्रणाली है। इसमें प्रमुख रेलवे साइडिंग हब (केंद्र) के रूप में कार्य करती है, जहां दूर-दराज के स्थानों या छोटे स्टेशन (स्पोक) से माल सड़क मार्ग से लाया जाता है। केंद्र पर माल इकट्ठा कर रेल द्वारा आगे लंबी दूरी के लिए भेजा जाता है। इससे समय और लागत दोनों कम होते हैं।

एलपीजी बुकिंग समयसीमा में कोई बदलाव नहीं, सरकार ने अफवाहों को किया खारिज

35 नहीं, 25 दिन में ही मिलेगा शहरों में सिलिंडर

नई दिल्ली ।

हाल ही में सोशल मीडिया और कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा था कि एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के नियम बदल दिए गए हैं। इन दावों के अनुसार, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयवाय) कनेक्शन के लिए 45 दिन, गैर-पीएमयूवाई सिंगल सिलेंडर के लिए 25 दिन और डबल सिलेंडर के लिए 35 दिन की नई समयसीमा लागू की गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने इसे भ्रामक और गलत बताया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि एलपीजी रीफिल बुकिंग की मौजूदा समयसीमा पहले जैसी ही रहेगी। शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन की अवधि सभी प्रकार के कनेक्शनों पर समान रूप से लागू है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें और अनावश्यक बुकिंग से बचें। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि देश में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और कोई कमी की स्थिति नहीं है। सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं। सोमवार तक 18,700 टन कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति की जा चुकी है। पेट्रोल और डीजल का भंडार भी पर्याप्त है और एक लाख से अधिक पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शन का विस्तार भी तेजी से हो रहा है।

सिर्फ एक दिन में 7,500 नए कनेक्शन दिए गए हैं। मंत्रालय ने राज्यों से कहा है कि वे निगरानी और वितरण व्यवस्था को मजबूत करें, ताकि आपूर्ति पूरी तरह सुचारू बनी रहें।

अजित पवार प्लेन क्रैश में एफआईआर

बेंगलुरु (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में डिप्टी सीएम अजित पवार की मौत के मामले में बेंगलुरु में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर उनके भतीजे और एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार की शिकायत पर दर्ज हुई है। उन्होंने हादसे को आपराधिक साजिश बताया है। उन्होंने एफआईआर में 5 मुख्य आरोप लगाए हैं। रोहित ने कहा कि उन्होंने मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन, बारामती पुलिस और महाराष्ट्र सीआईडी से संपर्क किया, लेकिन कहीं भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने 23 मार्च को बेंगलुरु में जीरो पर एफआईआर दर्ज कराई। जहां अपराध हुआ है उसे छोड़कर देश के किसी भी थाने में उस अपराध की एफआईआर दर्ज कराई जाती है तब उसे जीरो एफआईआर कहते हैं। इसे फिर संबंधित थाने में ट्रांसफर कर दिया जाता है। कर्नाटक पुलिस ने केस दर्ज कर इसे महाराष्ट्र पुलिस को ट्रांसफर कर दिया है। दरअसल, 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट पर प्लेन क्रैश में अजित पवार समेत 5 लोगों की मौत हुई थी।

बिलासपुर में बर्ड फ्लू के प्रकोप ने बढ़ाई प्रशासन की चिंता, रोकथाम की कार्रवाई शुरू

-संक्रमण के कारण 4,400 मुर्गियों की मौत, 10 किमी तक की जा रही निगरानी

बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में बर्ड फ्लू के प्रकोप ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। कोनी इलाके में स्थित एक सरकारी पोल्ट्री फार्म में पिछले कुछ दिनों 4,400 से ज्यादा मुर्गियों की मौत हो गई। रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद जिला प्रशासन ने युद्धस्तर पर रोकथाम की कार्रवाई शुरू की। पशु चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक ने बताया कि 19 से 24 मार्च के बीच कोनी इलाके में स्थित सरकारी पोल्ट्री फार्म में वायरल संक्रमण के कारण करीब 4,400 मुर्गियों की मौत हो गई। इस फार्म में कुल 5,037 मुर्गियां थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि मृत पक्षियों के सैंपल सोमवार को भोपाल और पुणे की लैब में भेजे गए थे। भोपाल की लैब ने मृत मुर्गियों में एवियन इन्फ्लूएंज़ा (बर्ड फ्लू) की पुष्टि हुई है। आधिकारिक बयान के मुताबिक पुष्टि होने के बाद जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल ने एवियन इन्फ्लूएंज़ा की रोकथाम और नियंत्रण के लिए रोकथाम और बचाव के लिए तत्काल निर्देश जारी किए हैं। बयान में कहा गया है कि फार्म के एक किलोमीटर के दायरे को संक्रमित क्षेत्र और 10 किलोमीटर के दायरे को निगरानी क्षेत्र घोषित किया गया है। प्रोटोकॉल के मुताबिक संक्रमित क्षेत्र के अंदर पोल्ट्री पक्षियों, उनके चारे और अंडों को नष्ट कर दिया जाएगा और उनके आवागमन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। इसके लिए पशुपालन विभाग द्वारा पोल्ट्री पक्षियों के मालिकों को मुआवज़ा दिया जाएगा। मुर्गियों को मारने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, फार्म को सील कर दिया जाएगा। बयान में कहा गया है कि प्रभावित क्षेत्र में संक्रमित पक्षियों को मारने, उनका सुरक्षित निपटान करने, निगरानी रखने और सैनिटाइज़ेशन के उपाय करने के लिए रैपिड रिस्पॉन्स टीमें गठित की गई हैं।

डबल डेकर बस पलटी, 2 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के करोल बाग में डबल डेकर बस के पलट जाने से बड़ा हादसा हो गया है। हादसे में दो लोगों की मौत हो चुकी है और कई घायल हैं। बस में 25 यात्री सवार थे जब यह हादसा हुआ। दिल्ली पुलिस ने हादसे का संज्ञान लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि यह बस राजस्थान से आ रही थी और हनुमान मंदिर चौक के पास पलट गई। तीन दिन पहले जयपुर-दिल्ली हाईवे पर भी एक बड़ा हादसा हुआ था। उस दौरान हरियाणा रोडवेज की तेज रफ्तार बस चंदवाजी इलाके में एक बाइक से टकरा गई थी। बाइक पर चार लोग सवार थे, जिनमें से तीन की दर्दनाक मौत हो गई। इसके अलावा दिल्ली के नांगलोई में कुछ दिन पहले एक डीटीसी बस ने स्कूटर सवार युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही, एक ई-रिक्शा और कुछ लोग बस की चपेट में आ गए, जिसके बाद घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

आप विधायक रेप केस में गिरफ्तार, हरियाणा से भागे थे, मप्र से पकड़ा

पटियाला (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के विधायक हरमीत पठानमाजरा को पटियाला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह 2 साल पुराने रेप केस में वांटेड थे। पठानमाजरा केस दर्ज होने के बाद पहले हरियाणा के करनाल में घेरे गए थे, लेकिन वह कस्टडी से फरार हो गए। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया चले गए थे। पुलिस ने उनका लुकआउट सर्कुलर जारी कर रखा था। पठानमाजरा 2022 में पटियाला की सनौर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए हैं। केस में राहत के लिए पठानमाजरा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर रखी थी। इसकी सुनवाई बुधवार को ही होनी थी। इसी को लेकर वह करीब 5 दिन पहले ऑस्ट्रेलिया से भारत लौटे थे। वह दिल्ली ही आ रहे थे, लेकिन पटियाला पुलिस को इसकी भनक लग गई। इसके बाद उन्हें मध्यप्रदेश के शिवपुरी में ग्वालियर बाइपास पर गिरफ्तार कर लिया। केस दर्ज होने के बाद वह पिछले 6 महीने से फरार चल रहे थे। पठानमाजरा पर बाढ़ के दौरान अफसरों के खिलाफ बयानबाजी के बाद केस दर्ज हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया था कि आप की दिल्ली टीम के खिलाफ बोलने की वजह से उनके खिलाफ पुराने मामले में एफआईआर की गई है।

दिल्ली में अवैध एलपीजी रैकेट का भंडाफोड़... 183 इंडेन गैस सिलेंडर बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के संगम विहार इलाके में क्राइम ब्रांच ने अवैध एलपीजी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान क्राइम ब्रांच ने 183 इंडेन गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। मामले में 4 आरोपियों को हिरासत में लेकर जांच जारी है। क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) को संगम विहार में गैस सिलेंडरों की जमाखोरी और अवैध रिफिलिंग की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने इलाके के तीन अलग-अलग गोदामों पर एक साथ छापा मारा। यहां चारों आरोपी शेर सिंह, सूरज परिहार, रघु राज सिंह और जितेंद्र शर्मा को अवैध तरीके से गैस सिलेंडरों की स्टॉकिंग और रिफिलिंग करते पकड़ा गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कुल 183 सिलेंडर बरामद हुए, जिसमें 154 भरे हुए सिलेंडर, 29 खाली सिलेंडर शामिल हैं। इसके साथ ही मौके से लोहे के पाइप, तराजू और अन्य रिफिलिंग उपकरण भी जब्त किए।

ईरान जंग का चुनाव पर असर, मिडिल ईस्ट में रहते हैं केरल के 20 लाख से ज्यादा लोग

-वोट डालने यूएई, सऊदी अरब, कुवैत समेत कई देशों से भारत आते हैं केरलवासी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान युद्ध का असर भारत में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी पड़ सकता है। खाड़ी देशों में भारतीयों के फंसे होने के कारण वोटर संख्या प्रभावित हो सकती है। इसका सबसे ज्यादा असर केरल पर पड़ेगा। अनुमान लगाया जा रहा है कि मिडिल ईस्ट में केरल के 20 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ऑब्जर्वर्स का कहना है कि इसका असर मतदाताओं की संख्या पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि संख्या निर्णायक नहीं होगी, लेकिन कुछ इलाकों में इनका असर दिखेगा। वोट डालने के लिए यूएई, सऊदी अरब, कुवैत समेत कई देशों से केरलवासी भारत आते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक मतदाताओं की संख्या का असर खासतौर से उत्तर केरल में नजर आएगा। इसके चलते मलप्पुरम, कोझिकोड और कासरगोड जिलों में असर देखा जा सकता है। साथ ही पलक्कड़ और थ्रिसूर कुछ प्रभावित हो सकते हैं। माना जा रहा है कि आईयूएमएल यानी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को इस वोटर का सबसे ज्यादा फायदा होता है। आईयूएमएल कांग्रेस की अगुवाई वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट का हिस्सा है। पार्टी के महासचिव पीएमए सलाम का कहना है कि कई लोग वोटिंग के लिए वापस नहीं आ पाएंगे। हमारे केएमसीसी सदस्य खाड़ी देशों में अधिकारियों से बात कर रहे हैं, लेकिन हालात सामान्य नहीं हुए तो मतदाताओं की संख्या कम रहेगी। सीपीआई से राज्यसभा सांसद संदोश कुमार पी कहते हैं कि उत्तर केरल में कुछ ही क्षेत्र हैं, जहां खाड़ी में रहने वाले मतदाताओं का संख्या ज्यादा है। आमतौर पर ये सीटें जीत के बड़े अंतर वाली हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक यूएई केरल मुस्लिम कल्चरल सेंटर के अध्यक्ष पुथूर रहमान बताते हैं कि हम यूएई से आमतौर पर 8 चार्टर्ड फ्लाइट्स की तैयारी करते हैं। इस साल हम ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुपरमार्केट और अन्य जगहों पर काम करने वाले कई लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि वह वोटिंग के लिए नहीं जा सकेंगे। 28 फरवरी और अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया था। इसके जवाब में ईरान ने मिडिल ईस्ट के कई देशों को निशाना बनाया। ईरान का कहना है कि देशों पर नहीं, बल्कि वहां मौजूद अमेरिकी बेस पर हमले किए थे। इसके चलते यूएई से आने वाली उड़ानें खासी प्रभावित हुईं थीं।

बंगाल पहुंचे औवेसी ने कहा, लोग घुटन महसूस कर रहे... ये गठबंधन उन्हें विकल्प देगा

एआईएमआईएम और जनता उन्नयन पार्टी के बीच हुए गठबंधन

कोलकाता (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल के लोग घुटन महसूस कर रहे हैं और उनकी पार्टी ने हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ गठबंधन किया है, ताकि बंगाल की जनता को वह विकल्प दे सके जिसकी उन्हें बीते कई सालों से तलाश है। कबीर के साथ कोलकाता में प्रेसवार्ता को संबोधित कर ओवैसी ने दावा किया कि बंगाल में अल्पसंख्यकों का विकास बड़ा मुद्दा है। राज्य में अगले माह चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा, ''एआईएमआईएम बंगाल के कमजोर वर्गों के शोषण को रोकने के लिए हुमायूं कबीर के साथ हाथ मिला रही है। हाल ही में टीएमसी से निलंबित हुए कबीर अब ओवैसी के साथ मिलकर ममता बनर्जी के अभेद्य दुर्ग (मुस्लिम वोट बैंक) में सेंध लगाने की तैयारी में हैं। कबीर की पकड़ इन इलाकों में काफी मजबूत मानी जाती है, जहाँ मुस्लिम मतदाताओं की संख्या निर्णायक है। गठबंधन का मानना है कि यदि वे इन क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तब वे राज्य सरकार बनाने में किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं।

टोंक में श्री रामजन्मोत्सव की धूमः नवरात्रि के सातवें दिन हुआ भव्य चरण चाकरी व बधाई कीर्तन

महानगर मेट्रो

टोंक। छोटा तख्ता टोंक स्थित श्री गोविंद देव जी महाराज मंदिर में चल रहे श्री रामजन्मोत्सव एवं नवरात्रि महोत्सव के सातवें दिन श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर भगवान श्री गोविंद देव जी महाराज की विशेष चरण चाकरी एवं आकर्षक श्रृंगार किया गया, जिससे मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। रात्रि 9:00 बजे प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में बधाई कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें भजन-कीर्तन के माध्यम से श्रद्धालुओं ने भगवान की भक्ति में लीन होकर उत्सव को और भी खास बना दिया। पूरे परिसर में 'जय श्री राम' और भजनों की स्वर लहरियां गूंजती रहीं। इस दौरान मनीष कुमार छंगानी एवं हितेश बालानी सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने पूरे उत्साह के साथ धार्मिक कार्यक्रम में भाग लिया। आयोजन के सफल संचालन से क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और उल्लास का माहौल बना हुआ है।

महा-संग्राम 2026: बंगाल की गद्दी के लिए 'दीदी' बनाम 'दादा'

महानगर मेट्रो

कोलकाता पश्चिम बंगाल की मिट्टी एक बार फिर चुनावी रैलियों की धूल और नारों के शोर से गूंज रही है। 2026 का यह विधानसभा चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि तृणमूल कांग्रेस (TMC) के अस्तित्व और बीजेपी (BJP) के विस्तारवाद के बीच की सबसे बड़ी जंग बन चुका है। 'महानगर मेट्रो' के विश्लेषण के अनुसार, इस बार का मुकाबला 2021 से भी अधिक पेचीदा है।

1. ममता दीदी का 'सुरक्षा कवच' और वोट बैंक की स्थिति

तृणमूल कांग्रेस इस बार 'कल्याणकारी राजनीति' के अपने सबसे मजबूत हथियार के साथ मैदान में है।

* लक्ष्मी भंडार और बेरोजगारी भत्ता: टीएमसी सरकार ने महिलाओं के लिए लक्ष्मी भंडार योजना और युवाओं के लिए ?1,500 के मासिक भत्ते को अपना मुख्य चुनावी मुद्दा बनाया है।
* रणनीति: ममता बनर्जी ने इस बार 70 से अधिक मौजूदा विधायकों के टिकट काटकर 'नई टीएमसी' का चेहरा पेश किया है, ताकि स्थानीय स्तर पर सत्ता विरोधी लहर (Anti-incumbency) को कम किया जा सके।
* चुनौती: संदेशखाली और आर.जी. कर अस्पताल जैसी घटनाओं ने शहरी मध्यम वर्ग में कुछ नाराजगी पैदा की है, जिसे पाटना दीदी के लिए बड़ी चुनौती होगी।

2. बीजेपी की आक्रामकता: क्या कमल खिलेगा?

बीजेपी इस बार 'परिवर्तन 2.0' के नारे के साथ पूरी ताकत झोंक रही है।

* हिंदू मतों का ध्रुवीकरण: सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बीजेपी हिंदू बहुल इलाकों और उत्तर बंगाल में अपनी पकड़ मजबूत कर रही है।
* मुद्दे: भ्रष्टाचार, घुसपैठ और मतदाता सूची में गड़बड़ी (SIR) जैसे मुद्दों को उठाकर बीजेपी मतुआ समुदाय और अनुसूचित जाति के वोटों को पूरी तरह अपनी ओर खींचने की कोशिश में है।
* भारी कौन? अगर बीजेपी ग्रामीण बंगाल में टीएमसी के 'वोट बैंक' में सेंध लगाने में सफल रही, तो इस बार दीदी की राह मुश्किल हो सकती है।

3. तीसरा मोर्चा (वाम-कांग्रेस): 'किंगमेकर' या 'वोट कटवा'?

तीसरे मोर्चे की सक्रियता इस चुनाव का सबसे बड़ा 'X-फैक्टर' है।

* नुकसान किसे? महानगर मेट्रो के आकलन के अनुसार, यदि तीसरा मोर्चा (CPIM और कांग्रेस) मुस्लिम वोटों में सेंध लगाता है, तो इसका सीधा नुकसान टीएमसी को होगा और बीजेपी को फायदा मिल सकता है।
* फायदा किसे यदि यह मोर्चा बीजेपी विरोधी हिंदू वोटों को अपनी तरफ खींचता है, तो यह बीजेपी के विजय रथ को रोककर ममता दीदी की जीत की राह आसान कर देगा।

महानगर मेट्रो का 'बॉटम लाइन' (निष्कर्ष)

ताजा अपडेट्स के अनुसार, मुकाबला 50-50 की स्थिति में बना हुआ है। जहाँ ममता बनर्जी का व्यक्तिगत करिश्मा और जमीनी संगठन टीएमसी को मजबूती दे रहा है, वहीं बीजेपी की आक्रामक रणनीति और केंद्रीय नेतृत्व का साथ उसे 'भारी' बना रहा है। फैसला 4 मई 2026 को मतपेटियों से निकलेगा।

'बंगाल की जनता खामोश है, लेकिन यह खामोशी किसी बड़े राजनीतिक तूफान का संकेत दे रही है।'

बंगाल में 'बुआ-भतीजा' मॉडल भाजपा के मजबूत ढांचे को सीधे चुनौती दे रहा

जहां बीजेपी मजबूत वहां खुद ममता ने संभाली कमान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनावी मुकाबला दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है, जहां ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने भाजपा को चुनौती देने के लिए उत्तर और दक्षिण बंगाल में अलग-अलग रणनीति अपना रहे है। वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 291 उम्मीदवारों की सूची जारी कर चुनावी अभियान को तेज किया है, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने भी समय से पहले उम्मीदवार घोषित कर आक्रामक रुख दिखाया है। चुनाव में टीएमसी की रणनीति के तहत ममता खुद उत्तर बंगाल में प्रचार की कमान संभाल रही हैं, जहां भाजपा परंपरागत रूप से मजबूत मानी जाती है। उन्होंने अलीपुरद्वार से अभियान की शुरुआत की और दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी जैसे इलाकों में रैलियां और बैठकों की योजना बनाई है। इसके अलावा फुलबारी और नक्सलबाड़ी जैसे क्षेत्रों में भी उनका फोकस रहेगा। उत्तर बंगाल में भाजपा ने 2019 के लोकसभा और 2021 के विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया था, इसलिए ममता यहां सीधे मुकाबला करने उतरी हैं।

वहीं दूसरी ओर अभिषेक को दक्षिण बंगाल की जिम्मेदारी दी गई है, जहां टीएमसी पारंपरिक रूप से मजबूत रही है। उनका ध्यान जिलों में संगठन को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर है। इस तरह ÷बुआ-भतीजा÷ की जोड़ी राज्य के दोनों हिस्सों में संतुलित प्रचार रणनीति के जरिए चुनावी नतीजों को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है।

उधर भाजपा भी पूरी ताकत झोंक रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, सुनील बंसल और भूपेंद्र यादव राज्य में सक्रिय हैं। सिलीगुड़ी और दुर्गापुर में बैठकों के जरिए संगठन को मजबूत करने की कोशिश की जा रही है। भाजपा की रणनीति बूथ स्तर तक पहुंच बनाने, घर-घर संपर्क अभियान चलाने और केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रचारित करने पर केंद्रित है। कुल मिलाकर, बंगाल का चुनाव इस बार उत्तर बनाम दक्षिण की रणनीति पर टिका नजर आ रहा है, जहां टीएमसी का 'बुआ-भतीजा' मॉडल भाजपा के मजबूत ढांचे को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है। अब देखना होगा कि यह रणनीति चुनावी नतीजों को कितना प्रभावित कर पाती है।

13 साल की खामोशी का अंत... ग्रीन पार्क में हो रहा हरीश राणा का अंतिम संस्कार

- दिल्ली के ग्रीन पार्क में हो रहा हरीश राणा का अंतिम संस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 13 साल कोमा में रहने के बाद हरीश राणा ने मंगलवार को आखिरी सांस ली। उनका अंतिम संस्कार दिल्ली के ग्रीन पार्क में हो रहा है। ब्रह्मकुमारी के सदस्य भी प्रार्थना करने श्मशान घाट पहुंचे हैं। देश में इच्छामृत्यु की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का मंगलवार को निधन हो गया था। बुधवार को उनका अंतिम संस्कार दिल्ली के ग्रीन पार्क स्थित श्मशान घाट में किया जा रहा है। 13 साल तक कोमा में रहने के बाद उनके जीवन का यह लंबा और दर्दभरा अध्याय आखिरकार समाप्त हो गया। ग्रीन पार्क में अंतिम संस्कार के दौरान हरीश के परिवार के कई लोग मौजूद हैं। बुधवार को हरीश राणा के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए ग्रीन पार्क श्मशान घाट लाया गया, जहां परिवार और करीबी लोगों की मौजूदगी में अंतिम विदाई दी जा रही है। 31 वर्षीय हरीश वर्ष 2013 से कोमा में थे। वह पंजाब यूनिवर्सिटी में बीटेक के छात्र थे और चौथी मंजिल की बालकनी से गिर गए थे। इस हादसे के बाद से वह लगातार कोमा में रहे और पूरी तरह चिकित्सा देखरेख पर निर्भर हो गए। अंतिम दिनों में हरीश राणा से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें ब्रह्म कुमारी के सदस्य हरीश के घर पर प्रार्थना करते नजर आए। उन्होंने आत्मा की शांति के लिए विशेष प्रार्थना की और उन्हें शांति से विदा होने की कामना की। ब्रह्मकुमारी के सदस्य भी श्मशान घाट पहुंचे हैं। वे यहां प्रार्थना करेंगे। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले के बाद उन्हें पैसिव यूथेनेशिया की अनुमति दी गई थी। कोर्ट ने जीवन रक्षक उपकरणों को हटाने की इजाजत दी थी, ताकि उन्हें प्राकृतिक मृत्यु मिल सके। इसके तहत उन्हें इस महीने की शुरुआत में गाजियाबाद स्थित घर से दिल्ली के एम्स में पेलिएटिव केयर यूनिट में शिफ्ट किया गया था। हरीश के पिता अशोक राणा ने इस फैसले को 'बेहद दर्दनाक लेकिन जरूरी' बताया था। पिछले 13 सालों से उनका परिवार हर संभव प्रयास करता रहा। आर्थिक और मानसिक दबाव के बावजूद परिवार ने उनका इलाज जारी रखा, यहां तक कि इलाज के लिए अपना घर तक बेच दिया।

विशेष लेख: महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव

हेडलाइन: पत्रकार या एंकर? तथ्य और राय के बीच धुंधली पड़ती सीमा: लोकतंत्र के चौथे स्तंभ में आई दरार का सच

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद: आज के डिजिटल युग में हम चारों ओर से सूचनाओं और खबरों से घिरे हुए हैं। लेकिन क्या हम वाकई 'समाचार' देख रहे हैं या किसी की व्यक्तिगत 'राय' (Opinion)? गुजरात आज एक ऐसे विषय पर प्रकाश डालने जा रहा है जो सीधे तौर पर हमारे लोकतंत्र की नींव से जुड़ा है। पत्रकार और एंकर के बीच का अंतर अब केवल पेशे तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह 'सत्य' और 'सनसनी' के बीच का युद्ध बन गया है।

पत्रकार कौन है? - तथ्यों का सजग प्रहरी

एक वास्तविक पत्रकार वह है जिसका कार्यक्षेत्र सड़क पर है, फाइलों के भीतर है और निरंतर सत्य की खोज में है। पत्रकारिता का मूल धर्म है:

* तथ्यों का संकलन: बिना प्रमाण के कोई बात न कहना।

* निष्पक्षता: सत्ता किसी की भी हो, निर्?य होकर सवाल पूछना ही उसकी निष्ठा है।
* चौथा स्तंभ: कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका की गतिविधियों पर पैनी नजर रखना।

एंकर का बदलता स्वरूप: सूत्रधार या कमेंटेटर?

मूल रूप से एंकर का अर्थ समाचार प्रस्तुत करने वाला वह 'सूत्रधार' है, जो जटिल विवरणों को सरल बनाकर दर्शकों तक पहुँचाता है। लेकिन आज स्थिति बदल गई है। टीवी स्टूडियो में बैठकर चिल्लाने वाले और खुद ही 'न्यायाधीश' बन जाने वाले एंकर अब केवल 'कमेंटेटर' बनकर रह गए हैं। वे समाचार नहीं देते, बल्कि अपना 'एजेंडा' समाचार के रूप में परोसते हैं।

} अंतर समझें: पत्रकार तथ्य (Fact) पेश करता है, जबकि आज के कई एंकर केवल अपनी राय (Opinion) थोपते हैं।

'जहरीले एंकर' और लोकतंत्र पर मंडराता खतरा

आज मीडिया में एक ऐसा वर्ग खड़ा हो गया है जिसे 'विषाक्त' या 'जहरीला एंकर' कहा जा सकता है। इनकी पहचान क्या है?

* चिल्लाना: तथ्यों की कमी होने पर अपनी आवाज को ऊँचा करना।
* सत्ता की भक्ति: प्रश्न पूछने के बजाय सत्ता की ढाल बनना।
* अनुचित लेबलिंग: विरोध करने वाले या सवाल पूछने वाले को 'देशद्रोही' या 'उपद्रवी' करार देना।
* संविधान विरोधी मानसिकता: खाप पंचायतों जैसी कुप्रथाओं का समर्थन करना या महिलाओं की आजादी पर अभद्र टिप्पणी करना पत्रकारिता का पतन है।

आर्थिक असमानता: एक कड़वा सच

सबसे चौंकाने वाला पहलू आर्थिक है। वह पत्रकार जो मैदान में उतरकर धूप और बारिश में तथ्य जुटाता है, उसका औसत वेतन मात्र ?10,000 से ?15,000 है। इसके विपरीत, स्टूडियो में बैठकर केवल कमेंट्री करने वाले एंकर लाखों-करोड़ों में कमा रहे हैं। इस भारी असमानता के कारण वास्तविक पत्रकारिता दम तोड़ रही है।

हमारा समाधान: (दर्शकों के लिए मार्गदर्शिका)

यदि हमें लोकतंत्र को बचाना है, तो ये कदम उठाना अनिवार्य है:

* मीडिया साक्षरता: समाचार और कमेंट्री (राय) के बीच के अंतर को पहचानें।
* बहिष्कार: जो एंकर चिल्लाए या उकसाने वाली बातें करे, उस चैनल को देखना बंद करें।
* समर्थन: निष्पक्ष पत्रकारों और स्वतंत्र मीडिया संस्थानों को आर्थिक और नैतिक सहयोग दें।
* प्रश्न पूछें: खुद से पूछें कि क्या यह खबर है या किसी का निजी एजेंडा?

निष्कर्ष

पत्रकार तथ्यों का अन्वेषक है, जबकि एंकर माइक एक माध्यम। जब माध्यम खुद ही 'सत्य' होने का दावा करने लगे, तब लोकतंत्र खतरे में पड़ जाता है। अंधभक्ति लोकतंत्र को खोखला कर देती है, लेकिन सच्ची पत्रकारिता उसे जीवित रखती है। 'पक्ष?? ' की ओर से हम ऐसी पत्रकारिता के लिए प्रतिबद्ध हैं जो सत्ता से सवाल कर सके और जनता को जागरूक रख सके। लेखन: पवन माकन

सौजन्य: महानगर मेट्रो

दक्षिण अफ्रीका ने जीती टी20 सीरीज, पांचवें मैच में न्यूजीलैंड को 33 रन से हराया

हेग्ले ओवल (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने हेग्ले ओवल में खेले गए पांचवें टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 33 रन से हराकर न सिर्फ मैच जीता है, बल्कि 3-2 से सीरीज अपने नाम कर ली है।

न्यूजीलैंड को इस मैच और सीरीज को जीतने के लिए 188 रन का लक्ष्य मिला था। बड़े लक्ष्य के दबाव और दक्षिण अफ्रीका की कसी हुई गेंदबाजी के सामने न्यूजीलैंड का टॉप ऑर्डर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सका। अच्छी शुरुआत नहीं मिलने की वजह से न्यूजीलैंड कभी भी जीत की तरफ जाती नहीं दिखी और 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 154 रन बना सकी।

कीवी टीम के लिए बेवोन जैकब्स ने 19 गेंदों पर 3 छक्कों और 2 चौकों की मदद से सर्वाधिक 36 रन की पारी खेली। इसके अलावा, टॉम रॉबिनसन ने 25 और डेन क्लिवर ने 22 रन की पारी खेली। कप्तान जिमी निशम ने 24 रन बनाए।

दक्षिण अफ्रीका के लिए गेराल्ड कोएट्जी, ओटनिल बार्टमैन, और वियान मुल्डर ने 2-2, जबकि कप्तान केशव महाराज ने 1 विकेट लिया।

इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टोनी डे जॉर्जी 12 रन बनाकर पहले विकेट के रूप में 21 के स्कोर पर आउट हुए थे। दूसरे विकेट के लिए वियान मुल्डर और रूबिन हरमन ने 55 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूती दी। मुल्डर 29 गेंदों पर 2 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 31 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे विकेट के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन ने रूबिन हरमन के साथ 49 रन की साझेदारी की। टीम का स्कोर जब 125 था, हरमन 31 गेंदों पर 39 रन बनाकर आउट हुए।

एस्टरहुइजन और डियान फोरेस्टर ने चौथे विकेट के लिए 27 गेंदों पर 61 रन की तूफानी साझेदारी की। एस्टरहुइजन 33 गेंदों पर 6 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 75 रन बनाकर आउट हुए। फोरेस्टर 13 गेंदों पर 21 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका ने 4 विकेट पर 187 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड की धरती पर पहली बार टी20 सीरीज जीती है।

मिचेलसन को हराकर मियामी ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचें सिनर

मियामी (एजेंसी)। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर ने अमेरिका के एलेक्स मिचेलसन को 7-5, 7-6(4) से हराकर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। इस जीत के साथ ही सिनर मियामी ओपन के अपने पहले पांच मुकाबलों में क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि केवल यानिक नोह और स्टीफन एडबर्ग को हासिल हुई थी। सिनर ने दूसरे सेट में 2-5 से पीछे होने के बाद बेहतरीन वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। जीत के बाद

सिनर ने कहा कि अच्छी सर्विस के कारण ही वह जीत हासिल कर पाये हैं। साथ ही कहा कि खिताबी जीत के लिए अभी उन्हें काफी प्रयास करना होगा। इसके लिए उन्हें खेल का स्तर ऊंचा उठाना होगा। इसके लिए वह ब्रेक के दौरान अभ्यास करेंगे। वहीं एक अन्य मुकाबले में स्पेन के युवा खिलाड़ी मार्टन ने भी बड़ा उलटफेर करते हुए अमेरिकी खिलाड़ी सेबेस्टीयन कोर्डा को 2-6, 7-6(6), 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में स्थान बनाया। अब उनका सामना जिरी लेलेका से होगा। से होगा। लेलेका ने टेलर फिट्ज को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

आईपीएल में सबसे अधिक नो बाल हैं बुमराह के नाम

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का लक्ष्य नये रिकार्ड बनाना रहेगा। बुमराह ने आईपीएल में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर उनकी गेंदबाजी में एक कमी भी रही है और वह ये कि बुमराह आईपीएल में सबसे अधिक नो बाल फेकने वाले गेंदबाज हैं। बुमराह ने अपने करियर में अब तक कुल 32 नो बॉल किये हैं। वहीं बुमराह के अलावा उमेश यादव 24 और ईशांत शर्मा 23भी इस सूची में शामिल हैं।

बुमराह ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए साल 2013 में पदर्पण के बाद से ही अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। मुंबई के लिए डेब्यू के बाद से ही वह इसी फ्रेंचाइजी के साथ हैं और वह टीम के सबसे मुख्य गेंदबाज बने हैं। इस लीग में अच्छे प्रदर्शन के बाद ही वह सबकी नजरों में आये थे। भारतीय टीम में उनके प्रवेश के पीछे भी आईपीएल में किया प्रभावी प्रदर्शन रहा है।

आईपीएल करियर की बात करें तो बुमराह ने अबतक कुल 145 मैच खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने मुंबई के लिए 22.02 की औसत से कुल 182 विकेट लिए हैं। आईपीएल में बुमराह ने 2 बार 5 विकेट लिए है जबकि 3 बार 4 विकेट लिए हैं। मुम्बई की पांच बार की खिताबी जीत में भी उनके अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है। केवल एक मामले में उनपर दाग लगा है और वह ये है कि उनके नाम सबसे ज्यादा नो बाल हैं। प्रवीण ने 2008 से 2017 के बीच कुल 119 मुकाबले खेल। इस दौरान उन?होंने 420.4 ओवर गेंदबाजी करते हुए 14 ओवर मेडन फेंके और 90 विकेट अपने नाम किए।

अमेलिया के अच्छे प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

सीरीज 4-1 से जीती

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। अमेलिया केर के ऑलराउंड प्रदर्शन से न्यूजीलैंड की महिला टीम ने यहं खेले गये पांचवें टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 92 रनों से हरा दिया। इस मैच में जीत के साथ ही न्यूजीलैंड की टीम ने पांच मैचों की इस सीरीज को 4-1 से जीता। अमेलिया ने इस मैच में 105 रन बनाने के साथ ही दो विकेट भी लिए। इस मैच में अमेलिया के शतक से कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 194 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 195 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में नो विकेट पर 102 रन ही बना सकी और

92 रनों से हार गई। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज इस मैच में कीवी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। केवल एनरी डकर्सन ही सबसे अधिक 23 रन बनाये। उनके अलावा सुने लूस ने 13 जबकि कायला रेनेके ने 10 रनों रन बनाये। अयाबोंगा खाका ने 12 रन बनाये। वहीं बचे हुए सात बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये।

न्यूजीलैंड की ओर से ताहिलिया तहूहू ने तीन विकेट जबकि सोफी डिवाइन और अमेलिया केर ने दो-दो विकेट लिए। वहीं नेंसी पटेल और फ्लोरा डेवनशायर ने एक-एक विकेट लिया। आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने टॉस जीतकर कीवी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेजबान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहला विकेट शुरुआत में ही 9 रन के स्कोर पर खो दिया पर अमेलिया एक छोर पर टिकी रहीं। वहीं जॉर्जिया प्लिमर ने 27 जबकि ब्रूक हैलिडे ने 26 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से अयाबोंगा खाका और टुमी सेखुखुने ने तीन-तीन खिलाड़ियों को आउट किया।

कोको गाफ मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

फ्लोरिडा । अमेरिका की महिला टेनिस खिलाड़ी कोको गाफ मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। गाफ ने क्वार्टर फाइनल में स्विटजरलैंड की मेलिंडा बेनसिस को हराया। गॉफ ने इस मुकाबले के बीच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। मैच में गाफ ने पहला सेट 6-3 से जीता पर दूसरे सेट में उसे 1-6 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं तीसरे सेट में गाफ ने खराब शुरुआत से उबरते हुए जबरदस्त वापसी करते हुए मुकाबला 6-3, 1-6, 6-3 से अपने नाम किया । जीत के बाद गाफ ने कहा, यह एक कठिन मैच था। बेलिंडा काफी अच्छी खिलाड़ी हैं। इस मैच में जीत के लिए मुझे काफी संघर्ष करना पड़ा।अब सेमीफाइनल में गाफ का सामन चेक गणराज्य की केरोलिन मुचोवा से होगा। यह मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है।

आईपीएल में वापसी को तैयार हैं तेज गेंदबाज मयंक

लखनऊ (एजेंसी)। पिछले काफी समय से फिट नहीं होने के कारण खेल से दूर रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव आईपीएल के इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। मयंक ने कहा कि पहले वह अपने शरीर पर ज्यादा ध्यान नहीं देते थे पर अब वह करियर को बचाने के लिए काफी सजग हैं। मयंक को कई बार चोट के कारण खेल से दूर होना पड़ा है। आईपीएल 2024 में चोट लगने से उन्हें बड़ा झटका लगा था। इसके बाद वह लगातार चोट से परेशान रहे और आईपीएल 2025 के शुरुआती मैचों के बाद बाहर हो गए।

अब वह बेंगलुरु के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में रिहैबिलिटेशन पूरा करके आईपीएल में वापसी को तैयार हैं। मयंक ने कहा, 'सर्जरी के बाद मेरे लिए सब कुछ बदल गया। पहले मैं अपना ध्यान नहीं रखता था। रिकवरी सत्र से बचता था और कई चीजों को नजरअंदाज करता था पर अब मैं रिकवरी, पोषण और नींद पर पूरा ध्यान देता हूं। जितना मैं अपने शरीर का सम्मान कर रहा हूं, उतना ही मेरा शरीर भी मैदान पर मेरा साथ दे रहा है।' मयंक ने कहा कि एनसीए में उनकी मुलाकात जसप्रीत बुमराह से हुई, जिन्होंने भी ऐसी ही सर्जरी कराई थी। उनके साथ मेरा अच्छा तालमेल है। उन्होंने इसको लेकर मुझे काफी सुझाव दिये जिनका मैं अब पालन कर रहा हूं। तब उन्होंने कहा था कि सर्जरी के बाद वापसी करने पर किन चीजों पर ध्यान देना चाहिए। इस बारे में उनके अनुभवों से मुझे सहायता मिली है। उन्होंने बताया कि रिकवरी के दौरान शरीर कैसा महसूस करेगा और इस कठिन समय का सामना कैसे करना है। मयंक का अब तक का करियर चोटों से प्रभावित रहा है। साल 2022 में आईपीएल में प्रवेश के दौरान लखनऊ सुपर जायंट्स ने उन्हें 20 लाख के बेस प्राइस पर खरीदा था। दो सीजन बाद 2024 में उन्हें डेब्यू का अवसर मिला। इस गेंदबाज ने अपने डेब्यू मैच में ही 150 किमी की गति से गेंदबाजी कर सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने सत्र की सबसे तेज गेंद गेंद 156.7 किमी प्रति घंटे रफ्तार से फेंकी।

वैभव के पास अच्छा बल्लेबाजी कौशल : जितेश

मुम्बई । विकेटकीपर बल्लेबाज जीतेश शर्मा ने उभरते हुए युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। जितेश के अनुसार वैभव एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो हमेशा आक्रामक बल्लेबाजी पसंद करते हैं। उनके पास अच्छा कौशल है और वह आने वाले समय में विश्व क्रिकेट में छा सकते हैं। वैभव ने केवल 15 साल की उम्र में ही काफी कुछ हासिल कर लिया है। पहले आईपीएल में ही उन्होंने 35 गेंदों में शतक लगाकर सबको हैरान कर दिया था। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अंडर-19 विश्व कप में भी शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। इसके बाद भी इस बार आईपीएल में उनकी राह आसान नहीं रहेगी। इस बार उनकी कड़ी परीक्षा होगी। पिछले सीजन में शानदार प्रदर्शन के बाद अब सभी टीमों के गेंदबाज उनकी बल्लेबाजी का आंकलन कर उनाक कमजोर पक्ष निकालने का प्रयास कर रहे हैं और उन सभी का लक्ष्य उस क्षेत्र में गेंदबाजी करना रहेगा जिसमें वह कमजोर हैं। इस बार टीम में संजू सैमसन के नहीं होने से भी वैभव को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। ये भी हो सकता है कि उन्हें यशस्वी जायसवाल के साथ पारी शुरु करने का अवसर मिल सकता है। वहीं दक्षिण अफ्रीक के पूर्व कप्तान ए बी डिविलियर्स ने कहा कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। उन्होंने वैभव को अंडर-19 में बल्लेबाजी करते हुए देखा है। डिविलियर्स ने कहा, जब आपको आईपीएल और बड़ी क्रिकेट लीग का अनुभव मिलता है और आप फिर भी उसी स्तर का प्रदर्शन करते हैं, तो यह आसान नहीं होता। उन्होंने जिस तरह से अंडर-19 विश्व कप में खेला, उससे मैं बहुत प्रभावित हुआ। मैं उनके खेलने के तरीके की बात कर रहा हूं। उन्होंने अपने गेम प्लान पर कायम रहते हुए खेला। जैसे उन्होने आईपीएल में खेला, वैसे ही वहां भी खेला।

हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में दोहरे नामांकन से खुद पर भरोसा मजबूत हुआ : गोलकीपर प्रिंस दीप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी तक सीनियर टीम में पदार्पण नहीं करने के बावजूद हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में दो नामांकन पाने वाले युवा गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह ने कहा कि इससे उनका खुद पर भरोसा मजबूत हुआ है। सीनियर पुरूष राष्ट्रीय शिविर में अभ्यास कर रहे 21 वर्ष के प्रिंस दीप को हॉकी इंडिया बलजीत सिंह वर्ष 2025 के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर और हॉकी इंडिया जुगराज सिंह वर्ष 2025 के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी के पुरस्कार के लिये नामांकन मिला है। ये पुरस्कार शुक्रवार को यहां दिये जाएंगे।

प्रिंस दीप ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं और गर्व महसूस कर रहा है। ऐसे पुरस्कारों के लिये नामांकन पाने में समय लगता है लेकिन मुझे जल्दी मिल गया। टूर्नामेंटों में

अच्छे प्रदर्शन और शीर्ष गोलकीपरों के साथ अपना नाम देखकर काफी प्रेरणा मिल रही है।' उन्होंने कहा, 'भारत के पास बेहतरीन गोलकीपर हैं। उनके बीच नामांकन पाना और वह भी सीनियर टीम में पदार्पण से पहले, खास है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला है कि मैं सही रास्ते पर हूं।'

उन्होंने कहा, 'यह इस सम्मान से मिला सबसे बड़ा तोहफा है। इससे खुद पर संशय नहीं रह गया और आगे अच्छा करने की प्रेरणा मिली है। अब मुझे पता है कि मैं सही राह पर हूं और लगातार सुधार करता रहूंगा।' प्रिंस दीप 2024 FIH जूनियर एशिया कप में स्वर्ण, जोहोर कप 2025 में रजत और पिछले साल चेन्नई में FIH जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीत चुके हैं।

पठानकोट के रहने वाले प्रिंस दीप ने शुरूआत फुल बैक के रूप में बटाला की चीमा हॉकी अकादमी में की थी। उन्होंने बताया, 'मैं फुटबॉल में गोलकीपर के रूप में खेलता था और कुछ अच्छे गोल बचाए। मेरे कोचों ने मेरा कद देखकर हॉकी में गोलकीपिंग का सुझाव दिया। वहीं से शुरूआत हुई।'

लिवरपूल को झटका, सालाह सीजन के आखिर में छोड़ देंगे टीम

लंदन - मोहम्मद सालाह ने मंगलवार को घोषणा की कि वह सीजन के आखिर में लिवरपूल एफसी छोड़ देंगे, जिससे एनफील्ड में उनका शानदार समय खत्म हो जाएगा। 33 साल के इस खिलाड़ी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में इस खबर को कन्फर्म करते हुए कहा, 'बदकिस्मती से वह दिन आ गया है। यह मेरे फेयरवेल का पहला हिस्सा है,' और फिर कहा, 'मैं सीजन के आखिर में लिवरपूल छोड़ दूंगा।' सालाह ने अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का नया कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था, लिवरपूल ने कहा कि दोनों पार्टियों ने उनके भविष्य को लेकर 'एक एग्रीमेंट' कर लिया है जिससे वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं। उनके अपने ऊंचे स्टैंडर्ड के हिसाब से, पिच पर यह एक मुश्किल कैंपेन रहा है। सालाह ने सभी कॉम्पिटिशन में 34 मैचों में 10 गोल किए हैं, जिससे 2017 में क्लब जॉइन करने के बाद से उनका सीज़न का सबसे कम गोल हो गया है। ऑफ-फील्ड दिक्कतों ने भी इसमें भूमिका निभाई है। दिसंबर में लीड्स के साथ 3-3 के ड्रॉ के बाद सालाह ने कहा कि क्लब ने उन्हें 'बस के नीचे फेंक दिया' था और बताया कि हेड कोच आर्ने स्लॉट के साथ उनका रिश्ता टूट गया था। हालांकि जनवरी में उनके बाहर होने की अटकलें थीं, लेकिन अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में शामिल होने के बाद वह टीम में वापस आ गए। यह अभी साफ नहीं है कि सालाह अगले सीजन में कहां खेलेंगे। लिवरपूल ने कहा कि उन्होंने सपोर्टर्स के लिए 'सम्मान और आभार' दिखाने और अपने भविष्य के बारे में साफ जानकारी देने के लिए यह घोषणा जल्दी करने का फैसला किया।

शाकिब अल हसन की लंबे समय के लिए वापसी चाहते हैं बशर

ढ़ाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के नये चयन पैनल के चेयरमैन हबीबुल बशर के आने के बाद टीम में ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की वापसी की उम्मीदें जतायी जा रही हैं। बशर ने साफ किया कि वह न्यूजीलैंड सीरीज ही नहीं लंबे समय तक शाकिब को टीम में शामिल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि फोकस शाकिब अभी देश में नहीं है। इसलिए ये नहीं कहा जा सकता कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में रहेंगे या नहीं। साथ ही कहा कि वह ऐसा खिलाड़ी है जो स्वयं भी खेलना चाहेगा पर उसे भी तैयारी की जरूरत है। साथ ही कहा, मुझे नहीं लगता कि शाकिब एक सीरीज के लिए आएंगे और फिर चले जाएंगे। अगर हमें उनकी सेवाएं मिल सकती हैं तो हम चाहेंगे कि वह लंबे समय तक अपनी सेवा द दें। मुझे लगता है कि वह अभी दो साल खेल सकते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, कई लोग रिटायरमेंट की बात करते हैं, जैसे, हमने मुशफिकुर रहीम के संन्यास की बातें देखी हैं। मैंने कहा है कि वे जितना ज्यादा समय तक खेलेंगे, हमारे लिए उतना ही अच्छा होगा। हम उन्हें जितना ज्यादा टीम में शामिल कर सकते हैं, टीम के लिए उतना ही अच्छा होगा और जब हम उन्हें चुनते हैं, तो ऐसा नहीं होता कि वे आकर रिटायर हो जाएं। मैं उन्हें लंबे समय के लिए चाहता हूं, कम से कम उनके पास ऐसा प्लान हो कि वे 2027 विश्व कप खेल सकें। इसलिए मेरी योजना केवल एक सीरीज के लिए नहीं है। बशर ने कहा है कि उनका पहला ध्यान इस बात पर है कि बांग्लादेश की टीम एकदिवसीय विश्वकप के लिए सीधे क्वालीफाई करे। विश्वकप अगले साल दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है।

नेपाल में जन्मे डिफेंडर भारती हांगकांग के खिलाफ एशियाई कप क्वालीफायर से पहले भारतीय शिविर में

नई दिल्ली - नेपाल में जन्मे डिफेंडर अबनीत भारती हांगकांग के खिलाफ एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर से पहले भारतीय सीनियर पुरूष टीम के कोच्चि में चल रहे शिविर में जुड़ गए हैं। इससे एक दिन पहले इसी मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया में जन्मे रियान विलियम्स को टीम में शामिल किया गया था। अब भारत के शिविर में पहली बार दो विदेश में जन्मे खिलाड़ी हैं जिन्हें हाल ही में भारतीय पासपोर्ट मिला है। विलियम्स बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला नहीं खेल सके थे क्योंकि फीफा से उन्हें मंजूरी देर से मिली। अब वह हांगकांग के खिलाफ 31 मार्च को भारत के लिए पदार्पण करेंगे। भारत 2027 में सउदी अरब में होने वाले एएफसी एशियाई कप की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुका है। अनुभवी डिफेंडर संदेश झिंगन अपने कैरियर के आखिरी पड़ाव पर हैं, ऐसे में टीम को अनवर अली के साथ भरोसेमंद सेंटर बैक की जरूरत है जो भारती हो सकते हैं। भारती अभी फीफा से मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। नेपाल में जन्मे भारती ने नाइजीरिया में स्कूली दिनों में गोलकीपर के रूप में शुरूआत की थी। भारत आने के बाद उन्होंने डिफेंडर के तौर पर खेलना शुरू किया और बीजीएस इंटरनेशनल स्कूल तथा शास्त्री एफसी के लिए खेले। सिंगापुर में गेलांग इंटरनेशनल के साथ अभ्यास करने के बाद वह स्पेन में रीयाल वाल्लाडोलिड अकादमी से जुड़े। उन्होंने जर्मनी में भी चयन ट्रायल दिए थे। वह 2019 में केरला ब्लास्टर्स के साथ जुड़े लेकिन करार नहीं हो पाया। इसके बाद से वह चेक गणराज्य में और उधार पर किर्गीस्तान, पनामा, अर्जेंटीना और अब बोलिविया में खेलते रहे हैं।

आईपीएल में प्रशांत वीर सहित इन उभरते हुए खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार प्रशांत किशोर सहित पांच उभरते हुए खिलाड़ियों को खेलने का अवसर मिलेगा। ऐसे में ये सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने के इरादे से उतरेंगे। आईपीएल एक ऐसा मंच है जिसपर उभरती प्रतिभाओं को अवसर मिलता रहा है और ये ही इस बार भी हो रहा है।

प्रशांत वीर : चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने प्रशांत को 14.2 करोड़ रुपये की मोटी रकम में खरीदकर सबको हैरान कर दिया था। प्रशांत निचले क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ ही वह बाएं के एक अच्छे स्पिनर हैं। जिसकी घूमती हुइ गेंदों का सामना करना बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होता। प्रशांत को ऑलराउडर रविन्द्र जडेजा की कमी करने शामिल किया गया है। ऐमें सभी की नजरें उनपर रहेंगी। यूपी टी20 लीग 2025 में प्रशांत ने 155 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 320 रन बनाए थे, जबकि 6.69 की इकोनॉमी से गेंदबाजी करते हुए 8 विकेट भी निकाले थे।

कार्तिक शर्मा: कार्तिक को चेन्नई सुपर किंग्स ने नीलामी में 14.2 करोड़ की मोटी रकम लगाकर खरीदा है। कार्तिक विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण सभी की नजरों में आये। लंबे-लंबे छक्के लगाना कार्तिक की खूबी है।

आकिब नबी डार: तेज गेंदबाज आकिब नबी की शानदार गेंदबाजी से जम्मूकश्मीर पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने में सफल रही। आकिब इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते नजर आयें। अब देखना है कि वह इमसें कितना प्रभावित करते हैं।

मुकुल चौधरी: विकेटकीपर-बल्लेबाज मुकुल चौधरी लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से उतरेंगे। मुकुल राजस्थान की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इस घरेलू सीजन में उन्होंने 5 पारियों में 200 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 173 रन बनाए थे। वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण मैच विजेता माने जाते हैं।

अशोक शर्मा: अशोक शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली में 150 की रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए सभी का ध्यान खींचा था। इस टूर्नामेंट में अशोक ने 10 मुकाबलों में कुल 22 विकेट लिए थे। अब वह लीग में गुजरात टाइटंस की ओर से नजर आएंगे। अशोक को अगर मौका मिला, तो वह जरूर इस टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे।

'भूत बंगला' में वामिका गब्बी ने अपने एक्शन सीन खुद किए हैं

फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर वामिका गब्बी काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म में वह बिल्कुल ही अलग अंदाज में दर्शकों से रूबरू होंगी। हाल ही में फिल्म से जुड़ी एक अपडेट सामने आई, जिससे पता चलता है कि एक्ट्रेस खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार से काफी इंस्पायर है। वह उनके नक्शे-कदमों पर चल रही हैं।

अक्षय कुमार के साथ बिठाया तालमेल

सूत्रों के अनुसार फिल्म 'भूत बंगला' में वामिका गब्बी ने अपने एक्शन सीन खुद किए हैं। एक्ट्रेस ने एक ट्रेन सीक्वेंस शूट किया, जिसमें वह ट्रेन के किनारे पर खड़ी थीं। इस सीन के लिए अक्षय कुमार के साथ एकदम सही तालमेल और टाइमिंग की जरूरत थी। वामिका ने अक्षय कुमार का पूरा साथ दिया।

पिछले दिनों फिल्म 'भूत बंगला' का टीजर रिलीज हुआ। इसमें अक्षय कुमार जहां अपनी कॉमेडी से हंसाते हैं। वहीं डरावना माहौल भी टीजर में दिखता है। अक्षय कुमार का लुक भी टीजर में काफी अलग नजर आया है। कहानी के अलावा बाकी कलाकारों की भी झलक भी टीजर में दिखती है, इसमें वामिका भी नजर आईं। टीजर से ही हिंट मिला है कि इसमें एक रहस्मयी जीव है जो सबको डराता है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी के अलावा परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव भी हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में असरानी की भी झलक मिलेगी। पिछले साल इस दिग्गज अभिनेता ने दुनिया को अलविदा कह दिया था।

'धुरंधर 2 में' परवीर कौर ने कम स्क्रीन टाइम के बावजूद जीता सबका दिल

'धुरंधर 2' में एक छोटा सा सीन आता है, जहां जसकीरत सिंह रंगी और उनकी छोटी बहन जसलीन से मिलता है। वो सीन काफी इमोशनल होता है। आइए उस एक्ट्रेस के बारे में जानते हैं, जिन्होंने ये किरदार निभाया।

परवीर कौर पंधेर फिल्म में जसलीन कौर रंगी का किरदार निभाती हैं। परवीर पंजाबी सिनेमा की उभरती हुई एक्ट्रेस और सिंगर हैं और इस फिल्म के साथ उनका बॉलीवुड में डेब्यू था। पंजाब की रहने वाली परवीर कौर पंधेर ने पंजाबी म्यूजिक वीडियोज, गानों और फिल्मों के जरिए मजबूत फैनबेस बनाया है। इंस्टाग्राम पर उनके 8.5 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जहां वह अपने सिंगर से एक्टर बनने के सफर को शेयर करती रहती हैं। भले ही परवीर कौर पंधेर का स्क्रीन टाइम कम था, लेकिन जसकीरत सिंह रंगी और जसलीन के सीन ने सबके दिलों में जगह बना ली। 'धुरंधर 2' में जसकीरत सिंह रंगी की छोटी बहन जसलीन सिंह किडनैप हो जाती है, जिसे बचाने के लिए जसकीरत एक विधायक के घर में घुसकर अपने पिता और बड़ी बहन की मौत का बदला लेने के लिए 12 लोगों को मार देता है। इसके बाद जसकीरत को उसकी बहन जसलीन एक झोपड़ी में काफी बुरी हालत में मिलती है। इसके बाद भाई-बहन के मिलने वाला इमोशनल सीन, सबके दिल में जगह बना लेता है। इसे 'धुरंधर: द रिवेंज' का सबसे इमोशनल सीन भी कहा जा रहा है।

फिल्म का हिस्सा बनकर खुश हूं

हाल ही में परवीर कौर पंधेर ने इंस्टाग्राम पर अपने सीन से जुड़ी पोस्ट शेयर की और अपने अनुभव को शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'इस सीन को परफॉर्म करके मुझे सच में अपने आप पर बहुत गर्व महसूस हुआ। खुद को पहचानना मुश्किल था, थोड़ा डर भी लग रहा था। लेकिन वाहीगुरु हमेशा मेरा साथ देता रहा, और इस फिल्म का हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हूं।'

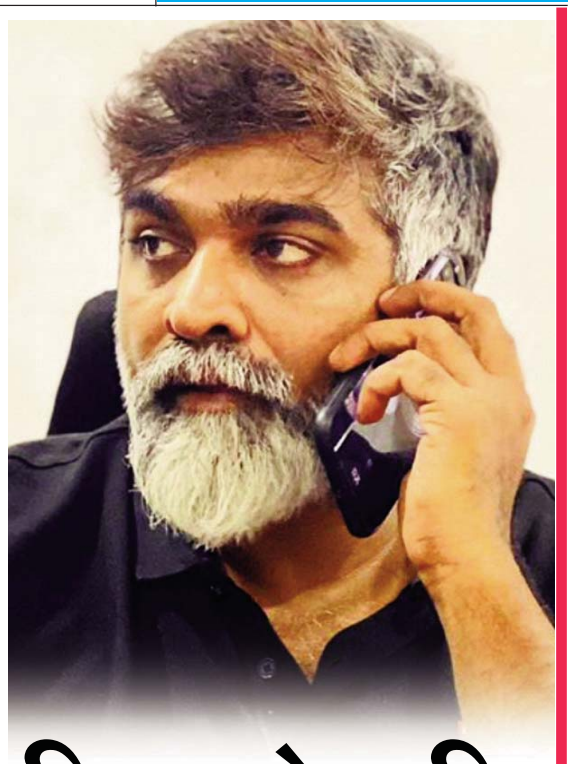

विजय सेतुपति की 'महाराजा' का सीक्वल बनेगा

विजय सेतुपति की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'महाराजा' का सीक्वल बनने जा रहा है। खुद विजय सेतुपति ने कन्फर्म किया है कि फिल्म के डायरेक्टर निथिलन समिनाथन ने दूसरे पार्ट की कहानी पूरी कर ली है। विजय ने कहा कि वे इस फिल्म की कहानी सुनने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। 2024 में रिलीज हुई फिल्म महाराजा ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी और अब इसके दूसरे पार्ट की तैयारी शुरू हो गई है।

डायरेक्टर निथिलन ने तैयार की स्क्रिप्ट

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में विजय सेतुपति ने फिल्म के फ्यूचर प्लान पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि 'महाराजा 2' की कहानी पर काम पूरा हो चुका है। विजय ने कहा, निर्देशक निथिलन समिनाथन ने महाराजा 2 की कहानी पूरी कर ली है। मैं इसे जल्द ही सुनने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। हालांकि, एक्टर ने अभी यह साफ नहीं किया है कि फिल्म फ्लोर पर कब जाएगी।

2024 की सफल फिल्मों में से एक 'महाराजा'

बता दें कि जून 2024 में रिलीज हुई 'महाराजा' विजय सेतुपति के करियर की 50वीं फिल्म थी। इस फिल्म में विजय ने एक ऐसे साधारण नाई का किरदार निभाया था, जिसकी जिंदगी में एक हादसा सब कुछ बदल देता है। फिल्म की सस्पेंस भरी कहानी और विजय सेतुपति की एक्टिंग ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। 20 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

सीक्वल में क्या हो सकता है खास?

'महाराजा' के पहले पार्ट का क्लाइमेक्स और उसकी कहानी की बुनावट फिल्म की सबसे बड़ी ताकत थी। फिल्म में अनुराग कश्यप ने विलेन का रोल निभाया था। अब सीक्वल की खबर आने के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई है कि क्या कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी या विजय सेतुपति किसी नए सस्पेंस के साथ पर्दे पर लौटेंगे।

अभिनेता और निर्देशक के बाद निर्माता बने कुणाल खेमू

कुणाल खेमू ने बॉलीवुड में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट शुरुआत की, फिर लीड एक्टर के तौर पर काम किया। पिछले साल निर्देशक के तौर पर पहली फिल्म बनाई। अब वह अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू कर रहे हैं। कुणाल का मकसद अलग किस्म की फिल्में बनाने का है।

सोशल मीडिया पर कुणाल खेमू ने यह जानकारी साझा की है कि वह प्रोडक्शन हाउस शुरू कर रहे हैं। इस प्रोडक्शन हाउस को उन्होंने चिराग निहलानी के साथ शुरू किया है। पिछले साल कुणाल ने मडगांव एक्सप्रेस को निर्देशित किया था, यह उनके डायरेक्शन में बनी पहली फिल्म थी। इस फिल्म को दर्शकों ने सराहा था।

कैसी फिल्में बनाएंगे कुणाल खेमू?

अपने प्रोडक्शन हाउस तले कुणाल और चिराग ऐसी कहानियों को सपोर्ट करना चाहते हैं जो मनोरंजक हो, दिलचस्प और दमदार हों। वह ऐसी फिल्में बनाना चाहते हैं, जो क्रिएटिविटी, एटरटेनमेंट का बैलेंस बनाकर चलें। कुणाल खेमू भले ही निर्माता बन गए हों लेकिन वह दूसरे प्रोडक्शन हाउस की फिल्मों में अभिनय कर रहे हैं। इस साल वह फिल्म 'गोलमाल 5' में नजर आएंगे। इस फिल्म को रोहित शेट्टी निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, अरशद वारसी के अलावा कई उम्दा कलाकार भी नजर आएंगे।

आउटसाइडर्स को मौका देंगी आलिया

आलिया भट्ट ने हाल ही में अपने नए प्रोडक्शन प्रोजेक्ट 'डोंट बी शाय' को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह इस फिल्म के जरिए इंडस्ट्री के 'आउटसाइडर्स' यानी नए चेहरों को मौका देने जा रही हैं। यह बात आलिया ने करण जोहर के साथ अमेजन प्राइम के इवेंट के दौरान शेयर की, जहां दोनों के बीच मजेदार बातचीत भी देखने को मिली। करण ने मजाक करते हुए कहा कि आलिया अब एक समझदार प्रोड्यूसर बन चुकी हैं, वहीं आलिया ने जवाब दिया कि उन्होंने 'बेस्ट से सीखा है' कि नए एक्टर्स को कैसे लॉन्च किया जाता है।

'डोंट बी शाय' एक आने वाली फिल्म है, जो एक 20 साल की लड़की की कहानी पर आधारित है, जिसकी परफेक्ट लाइफ अचानक बदल जाती है। इस फिल्म को आलिया अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रही हैं। कुल मिलाकर, आलिया अब सिर्फ एक एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि नए टैलेंट को आगे लाने वाली प्रोड्यूसर के रूप में भी अपनी अलग पहचान बना रही हैं।

कोई मुझे किसी चीज के लिए रोकता है तो पसंद नहीं

दिव्या दत्ता आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। पंजाबी फिल्मों से लेकर बॉलीवुड और अब ओटीटी तक की दुनिया में वह धूम मचा रही हैं। साल 1994 में एक्टिंग डेब्यू करने के बाद दिव्या दत्ता ने अपने 32 साल लंबे करियर में कई तरह के किरदार निभाए और अपनी पहचान पुख्ता की। 2017 में आई 'इरादा' के लिए नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं दिव्या दत्ता इस वक्त अपनी नई सीरीज 'चिरैया' को लेकर चर्चा में हैं, जो रिलीज हो चुकी है। मैरिटल रेप जैसे संवेदनशील मुद्दे पर आधारित सीरीज 'चिरैया' के साथ-साथ दिव्या दत्ता ने इंटरव्यू में सिस्टरहुड, शादी रूपी संस्था पर बात की। इसके अलावा उन्होंने औरतों को एम्पावर करने की अहमियत, औरतों के बीच इन्सिक्योरिटी, अपनी शादी और पितृसत्तात्मक सोच को लेकर बात की।

आपकी सीरीज में एक जेठानी अपनी देवरानी के लिए खड़ी होती है, जो देखना काफी सुखद है। औरतों का एक-दूसरे को एम्पावर करना, सपोर्ट करना आप कितना जरूरी मानती है?

बहुत जरूरी है क्योंकि हमारे समाज में बहुत सी औरतें अपने लिए बोल नहीं पातीं। ऐसे में, कोई अपना नजरिया साइड में रखकर आपको सुने, एक-दूसरे को थामे तो हमारे समाज के लिए बहुत खूबसूरत बात होगी। मेरे भाई ने एक कविता लिखी थी- 'तुमने कहा था कि हम एक ही हैं तो अपने बराबर कर दो।' उसने लड़का होकर महिलाओं पर लिखी थी, जो बहुत पसंद की गई, बहुत वायरल हुई और मैं सोचती थी कि यह कविता इतनी क्यों हिट हुई? फिर मुझे अहसास हुआ कि बहुत सी महिलाएं बोल ही नहीं पातीं कि अपने बराबर कर दो ना। इस कविता के जरिए उन्हें लगा कि किसी ने तो उनके मन की बात बोली जो वो खुद नहीं बोल पातीं। इसी तरह इस शो में एक महिला दूसरी के लिए खड़ी हुई, वो भी उस रिश्ते में जो खून का नहीं है। वो मां बेटी नहीं, देवरानी जेठानी हैं, जिनके बीच मुकाबले, इनसिक्योरिटी की ही चर्चा होती है तो ये कितनी प्यारी बात है।

निजी जिंदगी में ऐसी कोई पितृसत्तात्मक सोच रही, जिसके खिलाफ विद्रोह करने का मन किया? या आपने उसे तोड़ा हो?

मेरी मां सिंगल मदर थीं। मैंने अपने पिता जी को बहुत कम उम्र में खो दिया था। उन्होंने अकेले ही मुझे पाला और हमें अपने फैसले खुद लेने की आजादी दी। उन्होंने मुझे बताया था कि उन्हें कहा गया था कि तुम्हें डॉक्टर ही बनना है तो वो डॉक्टर बन गईं। वो बहुत अच्छा लिखती थीं और बाद में भी लिखती रहीं। लेकिन उन्हें वो चुनने की आजादी नहीं मिली, तो उन्होंने मुझसे कहा कि अगर तुम एक्टर बनना चाहती हो तो बनो। मैं कल को ये नहीं सुनना चाहती कि तुम कहो कि मैं ये करना चाहती थी पर मेरी मां ने नहीं करने दिया। वो आजादी मेरे पास रही और इस सोच के साथ मैं बड़ी हुई हूं। ऐसे में, अगर कोई मुझे किसी चीज के लिए रोकता है, ऐसा अब भी होता है कि नहीं, नहीं ऐसे नहीं करो, तो मुझे पसंद नहीं और जहां मुझे लगता है कि बोलना चाहिए तो मैं बोल देती हूं।

'चिरैया' मैरिटल रेप जैसे संवेदनशील मुद्दे पर आधारित है। इस पर आपकी निजी राय क्या है?

असल में यह एक महिला की कहानी है, जिसकी जिंदगी में सब कुछ खूबसूरत चल रहा है। हालांकि, उसे जो सही या नॉर्मल लगता है, वो असल में है नहीं, मगर ये फैसला कौन करेगा कि क्या सही है, क्या गलत, क्योंकि हमारे यहां बहुत से लोगों को सही-गलत मालूम ही नहीं होता। एक ढर्रा चलता जाता है। हालांकि, हम कोई आंदोलन नहीं कर रहे हैं, पर यह कहानी इतनी रिलेटेबल है कि आपको लगेगा कि इसके बारे में लोगों का जागरूक करना चाहिए, क्योंकि बहुत से लोगों को पता ही नहीं है कि ऐसा हो रहा है।

शादी रूपी संस्था के बारे में आपकी क्या राय है? सलमान खान समेत बहुत से लोग अब इसे प्रासंगिक ही नहीं मानते ! आपने खुद शादी की अनिवार्यता की धारणा तोड़ी है !

मुझे समझ नहीं आता कि इसे इतना बड़ा मुद्दा क्यों बनाया जाता है? हर कोई मुझसे शादी को लेकर पूछता है। मुझे लगता है कि मुझे इसका जवाब ही नहीं देना है। इसमें धारणा तोड़ने जैसी बात ही नहीं है। यह मेरी जिंदगी है। मैं जैसा चाहूंगी वैसा करूंगी। उस पर बात करना उसे जस्टिफाई करना मुझे जरूरी नहीं लगता। बाकी रही दूसरों की सोच की बात, तो हर किसी का अपना नजरिया है। बहुत से लोग शादी करना चाहते हैं, कई नहीं करना चाहते। दोनों में से कोई भी गलत नहीं है। दोनों का अपना नजरिया है और हमें दोनों का सम्मान करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस के राष्ट्रपति ने लेबनान की संप्रभुता का सम्मान करने की अपील की

पेरिस, एजेंसी। पश्चिम एशिया में उपजे तनाव के बीच इस्राइल ने लेबनान पर भी ताबड़तोड़ हमले किए हैं। ईरान और अमेरिका-इस्राइल के टकराव के बीच लेबनान में हो रही बमबारी को लेकर फ्रांस ने चिंता जताई है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि लेबनान की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। बता दें कि तनावपूर्ण हालात के बीच 22 देशों ने ईरान से युद्ध रोकने की अपील की है। भारत की संसद से पीएम मोदी ने भी शांति की अपील करते हुए कूटनीति पर जोर दिया है। इसी बीच रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान ने मध्यस्थता की पहल की है और ईरान-अमेरिका के अधिकारी इस्लामाबाद में मिल सकते हैं। फिलहाल, 25 दिनों से बमबारी जारी है। अमेरिका, ईरान और इस्राइल में कोई भी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहा है। वैश्विक ताकतों के इस टकराव के कारण पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों में उपजा ये अभूतपूर्व मानवीय संकट और गहराने की आशंका है।

अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए 'लेवल 4 : यात्रा न करें' चेतावनी जारी की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग ने नागरिकों को इराक तुरंत छोड़ने की चेतावनी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान समर्थित आतंकवादी मिलिशिया ने इराक और कुर्दिस्तान क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए हैं। अमेरिका का आरोप है कि अमेरिकी लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, ऐसे में मिसाइलों, ड्रोन और रॉकेटों के जोखिम के चलते दूतावास या वाणिज्य दूतावास जाने से बचें। सभी कांसुलर सेवाएं निलंबित हैं।इराक जाने से बचने की अपील करते हुए अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए 'लेवल 4 : यात्रा न करें' चेतावनी जारी की है। शनिवार को विदेश विभाग ने विश्वव्यापी चेतावनी भी जारी की थी। इसमें ईरानी समर्थकों द्वारा अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने की आशंका जताई गई। अमेरिकियों को मध्य पूर्व सहित दुनिया भर में अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई।

ऑस्ट्रेलिया :16 साल से कम उम्र के बच्चों के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवाइस चलाने पर लगेगा प्रतिबंध

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में नए सुरक्षा कानूनों के तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवाइस (जैसे ई-बाइक और ई-स्कूटर) चलाने की अनुमति नहीं होगी। यह फैसला मंगलवार को घोषित किया गया। राज्य सरकार ने बताया कि ई-मोबिलिटी सुरक्षा पर बनी संसदीय समिति की सभी 28 सिफारिशों को पूरी तरह या सिद्धांत रूप में स्वीकार कर लिया गया है। इनमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर प्रतिबंध भी शामिल है। क्वींसलैंड के परिवहन मंत्री ब्रेंट मिकेलबर्ग ने कहा कि सरकार जल्द ही इन सिफारिशों को कानून बनाने के लिए संसद में पेश करेगी। नए नियमों के मुताबिक, ई-बाइक और ई-स्कूटर चलाने के लिए कम से कम क्वींसलैंड का लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस होना जरूरी होगा। यह लाइसेंस 16 साल की उम्र में मिलता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि चलाने वाले को ट्रैफिक नियमों की जानकारी हो। जांच में सामने आया कि साल 2025 में क्वींसलैंड में ई-मोबिलिटी से जुड़े हादसों में 12 लोगों की मौत हुई और 6,300 लोग घायल हुए।

अमेरिका को मिलेगा सऊदी और यूएई का साथ! ईरान के खिलाफ युद्ध में उतर सकते हैं 2 और देश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध अब और भीषण होने जा रहा है। खबर है कि ईरान के खिलाफ युद्ध में सऊदी अरब और यूएई यानी संयुक्त अरब अमीरात युद्ध में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, अब तक इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। अमेरिका के खिलाफ ऐक्शन में ईरान ने यूएई समेत कई जगहों पर धमाके किए थे। लॉल स्ट्रीट जनरल के अनुसार, सऊदी अरब और यूएई ने ईरान युद्ध में शामिल होने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। मामले के जानकारों ने अखबार को बताया कि सऊदी अरब ने किंग फाहद एयर बेस तक अमेरिका को पहुंच प्रदान करने में सहमति जताई है। खास बात है कि सऊदी अरब लंबे समय से कहता आ रहा है कि उसके एयर बेस का इस्तेमाल पुराने दुश्मन पर हमले के लिए नहीं किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, कहा जा रहा है कि यूएई ने ईरान के मालिकाना हक वाले एक अस्पताल और क्लब को बंद कर दिया है। माना जा रहा है कि तेहरान के लिए ये ठिकाने बेहद अहम थे। अखबार के अनुसार, कुछ वीडियोज से जाहिर तौर पर यह भी पता चला कि ईरान पर हमले में इस्तेमाल की गई मिसाइलें बहरीन से दागी गई थीं। कूटनीतिक मोर्चे पर सऊदी अरब ने ईरान के सैन्य अटैची और चार दूतावास कर्मचारियों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। सऊदी अरब ने ईरान पर अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता के उल्लंघन का आरोप लगाया है।

ट्रम्प ने रक्षामंत्री के कहने पर ईरान पर हमला किया

उपराष्ट्रपति वेंस इससे खुश नहीं थे ; ईरान को एटमी हथियार बनाने से रोकना था

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि ईरान पर हमले को लेकर सबसे पहले उन्होंने अपने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से बात की थी। उन्होंने कहा कि पीट ने कहा, चलिए सैन्य कार्रवाई करके देखते हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को चार हफ्ते होने वाले हैं। फिलहाल युद्ध थमने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है। अब डोनाल्ड ट्रंप भी इस युद्ध का ठीकरा अपने ही रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर फोड़ रहे हैं। उन्होंने सोमवार को ही एक कार्यक्रम में कहा कि उनके डिफेंस सेक्रेटरी हेगसेथ ने ही सबसे पहले इस सैन्य कार्रवाई का दबाव डाला था। ट्रंप ने अपने साथ ही बैठे हेगसेथ से कहा, पीट, मुझे लगता है कि इस बारे में हम दोनों ने ही सबसे पहले बात की थी और आपने कहा था कि चलो करके देखते हैं। आपने कहा था कि उन्हें (ईरान) इस तरह से परमाणु हथियार रखने की छूट नहीं दी जा सकती। बता दें कि ईरान पर अमेरिका के हमले को लेकर डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन भी अलग-अलग जवाब देता है। वहीं जानकारों का कहना है कि इजरायल ईरान पर हमला कर रहा था और ऐसे में अमेरिका को भी उसके साथ कूदना पड़ा। अन्य लोगों का कहना है कि

ईरान बड़ी संख्या में परमाणु हथियारों को तैनात करने की तैयारी कर रहा था, ऐसे में उसे रोकना जरूरी था।

समझौता चाहता है ईरान-डोनाल्ड ट्रंप : डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए ईरान को दी गई समयसीमा बढ़ा दी है, साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले को अब पांच दिन के लिए टाल देगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिकी दूत एक ''सम्मानित'' ईरानी नेता के साथ बातचीत कर रहे हैं और ईरान ''समझौता करना चाहता है।' वहीं ईरान के अधिकारियों ने ऐसी किसी भी बात से साफ इनकार किया और कहा कि ''ईरान की कड़ी चेतावनी के बाद'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने पीछे हटने का निर्णय किया।

ईरान में 1500 की मौत : ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, ''हम कोई परमाणु बम या परमाणु हथियार नहीं देखना चाहते।'' इस बीच ईरान में संघर्ष में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,500 से अधिक जबकि लेबनान में 1,000 से अधिक पहुंच गई है। वहीं इजराइल में 15 और 13 अमेरिकी सैन्य कर्मी मारे गए हैं। इसके अलावा, खाड़ी क्षेत्र में भी कई नागरिक मारे गए है। ईरान और लेबनान में लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। उत्तरी इजराइल में एक संभावित हमले की सूचना के बाद मंगलवार तड़के राहत एवं बचाव टीम घटनास्थल पर पहुंचीं। 'होम फ्रंट कमांड' के अनुसार, इलाके में किसी वस्तु के गिरने की खबर मिली थी, जिसके बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। लोगों से अपील की गई कि वे उस क्षेत्र में एकत्र न हों। इससे पहले इजराइली सेना ने चेतावनी दी थी कि ईरान की ओर से इजराइल की तरफ मिसाइलें दागी जा रही हैं। इस बीच, इजराइल की वायुसेना ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर जोरदार हवाई हमले किए। सेना का कहना है कि इन हमलों का लक्ष्य हिज्बुल्ला के ठिकाने और बुनियादी ढांचे थे, इन हमलों में किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। हमलों के दौरान बहुत नीचे उड़ते लड़ाकू विमानों की आवाज़ें सुनी गईं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। लेबनानी अधिकारियों ने कहा है कि इजराइली हमलों में अब तक लेबनान में 1,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 10 लाख लोग विस्थापित हो गए हैं।

होर्मुज से जहाज सुरक्षित निकालने के लिए ईरान ने दुनिया के सामने रखी शर्त

तेहरान, एजेंसी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे जहाजों को निकालने का एकमात्र रास्ता ईरानी अधिकारियों से पहले से की गई बातचीत है। हाल ही में ईरान की सुरक्षा परिषद ने यह ऐलान किया है। साथ ही परिषद ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान के तटों या द्वीपों को निशाना बनाने की कोशिश की गई, तो बड़े जलमार्गों पर नौसैनिक बारूदी सुरंगे बिछा दी जाएंगी। युद्ध के बीच स्ट्रेट के दोनों ओर बड़ी संख्या में तेल के जहाज फंसे हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अुसार, सोमवार को परिषद ने होर्मुज को लेकर बड़ी घोषणा की है। इसमें कहा गया है कि अब गैर शत्रुतापूर्ण जहाज या नॉन हॉस्टाइल वैसल्स का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरना पूरी तरह से ईरानी अधिकारियों के साथ पहले से तालमेल पर निर्भर होगा। परिषद ने चेताया है कि अगर मुल्क के पावर प्लांट्स पर हमले किए जाते हैं, तो तत्काल और निर्णायक जवाब ईरानी बलों की तरफ से दिया जाएगा।

नेवल माइन्स बिछाने की धमकी : परिषद ने चेतावनी दी है कि यदि ईरानी तटों या द्वीपों को निशाना बनाने की कोई भी कोशिश की गई, तो सभी प्रमुख समुद्री व्यापारिक रास्तों पर 'विभिन्न प्रकार की नौसैनिक बारूदी सुरंगें' बिछा दी जाएंगी। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि ऐसे कदम उठाना उनका कानूनी अधिकार है और सैन्य स्तर पर स्वीकार्य भी है। परिषद ने चेताया कि कोई भी रक्षात्मक उपाय फारस की खाड़ी में समुद्री गतिविधियों पर रोक लगा देंगे, जिसके चलते स्ट्रेट

ऑफ होर्मुज जैसी स्थिति तैयार हो जाएगी। बयान में कहा गया है कि अगर समुद्री गतिविधियों में रुकावट आती है, तो इसकी जिम्मेदारी वॉशिंगटन और इजरायली शासन की होगी। परिषद ने इस बात की पुष्टि की है कि अगर जहाज सुरक्षित रूप से क्षेत्र से गुजरना चाहते हैं, तो 'ईरान के साथ समन्वय' ही एकमात्र रास्ता है। ईरान को मित्र देशों से अमेरिका की बातचीत के प्रस्ताव के संदेश मिले ईरान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि उसे मित्र देशों के जरिए अमेरिका की बातचीत के प्रस्ताव के बारे में संदेश मिले हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात से इनकार किया कि युद्ध शुरू होने के बाद से ऐसी कोई बातचीत हुई है।

सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने कहा, पिछले कुछ दिनों में कुछ मित्र देशों के जरिए संदेश मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि अमेरिका ने युद्ध खत्म करने के मकसद से बातचीत का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, उन्होंने पिछले 24 दिनों से चल रहे इस थोपे गए युद्ध के दौरान अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत या चर्चा से इनकार किया।

ईरान से तनातनी के बीच ट्रंप ने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर से फोन पर की बात

वॉशिंगटन , एजेंसी। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध से उपजी चिंताओं के बीच पाकिस्तान दोनों पक्षों के बीच सुलह कराने की कोशिश करता नजर आ रहा है। वह अमेरिका के संदेशों को ईरान पहुंचा रहा है और ईरान के जवाबों से अवगत करा रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर से फोन पर बात की। व्हाइट हाउस के मुताबिक चर्चा का मुख्य विषय ईरान युद्ध था। हालांकि इस बातचीत को संवेदनशील बताते हुए अधिकारियों ने और ज्यादा बताने से इनकार कर दिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लिविट ने पहले कहा था कि ये संवेदनशील कूटनीतिक चर्चा है और अमेरिका मीडिया के जरिए कोई वार्ता नहीं करेगा। सूत्रों के अनुसार, मुनीर ने ट्रंप से बातचीत की और पाकिस्तान ने खुद को अमेरिकी और ईरानी वरिष्ठ अधिकारियों के बीच वार्ता की संभावित जगह के रूप में पेश किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बात की। एक्स पोस्ट के जरिए उन्होंने ईद-उल-फितर और नवरोज की शुभकामनाएं दीं और ईरान के लोगों के साथ अपनी सहानुभूति जताई।

शरीफ ने कहा कि दोनों पक्षों ने खाड़ी क्षेत्र की गंभीर स्थिति पर चर्चा की और तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति की जरूरत पर सहमति जताई। उन्होंने इस्लामी दुनिया में एकता और क्षेत्र में शांति स्थापित करने में पाकिस्तान की भूमिका पर भी जोर दिया। इस बीच सोमवार को ट्रंप ने कहा कि तेहरान के साथ बेहतर और सार्थक बातचीत के बाद उन्होंने हमले को पांच दिनों तक टालने की घोषणा की थी, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता का ट्रंप के फैसले से सीधा संबंध है या नहीं। ईरान ने सीधे अमेरिका के साथ बातचीत से इनकार किया है, लेकिन विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुछ मित्र देशों के माध्यम से संदेश मिले हैं। विश्लेषकों के अनुसार, यह कूटनीतिक प्रयास अभी शुरुआती चरण में है और इसे पूरी तरह से संरचित वार्ता नहीं माना जा सकता।

पाकिस्तान दुनिया का नंबर वन प्रदूषित देश

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान को दुनिया का सबसे प्रदूषित देश घोषित किया गया है। एक शोध से पता चला है कि पाकिस्तान में खतरनाक सूक्ष्म कणों (पीएम2.5) की सांद्रता विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा बताए गए सुरक्षित स्तर से 13 गुना अधिक है। राहत की बात यह है कि पिछले साल 13 देशों और क्षेत्रों ने अपने औसत पीएम2.5 स्तर को डब्ल्यूएचओ के मानक (5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से कम) पर बनाए रखा, जबकि 2024 में यह संख्या केवल 7 थी।

टॉप 3 सबसे प्रदूषित देश : स्विस वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था 'आईक्यूएयर' द्वारा मंगलवार को जारी की गई 2025 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान प्रदूषण के मामले में नंबर वन देश है। जिन 143 देशों और क्षेत्रों की निगरानी की गई, उनमें से 130 देश डब्ल्यूएचओ के सुरक्षित वायु गुणवत्ता दिशानिर्देशों को पूरा करने में विफल रहे। पाकिस्तान के बाद, बांग्लादेश दुनिया का दूसरा और

ताजिकिस्तान तीसरा सबसे प्रदूषित देश रहा। 2024 में दुनिया का सबसे प्रदूषित देश रहा चाड, 2025 में चौथे स्थान पर खिसक गया। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि पीएम2.5 के स्तर में यह गिरावट असल में सुधार नहीं, बल्कि 'डेटा की कमी' का परिणाम है। वहीं भारत इस लिस्ट में छठे स्थान पर है।

डेटा की कमी और अमेरिकी निगरानी कार्यक्रम का बंद होना : पिछले साल मार्च में, अमेरिका ने बजट की कमी का हवाला देते हुए अपने दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों से प्रदूषण डेटा इकट्ठा करने वाले वैश्विक निगरानी कार्यक्रम को बंद कर दिया था। आईक्यूएयर रिपोर्ट की प्रमुख लेखिका क्रिस्टी चेस्टर श्रोएडर ने बताया कि मार्च में डेटा खोने से ऐसा लगा कि (चाड में) पीएम2.5 के स्तर में भारी गिरावट आई है, लेकिन वास्तविकता यह है कि हमें इसके बारे में जानकारी ही नहीं है। अमेरिका के इस फैसले ने कई प्रदूषण-ग्रस्त देशों के लिए डेटा का प्राथमिक स्रोत ही खत्म कर दिया। जानकारी के इसी अभाव के कारण बुरुंडी, तुर्कमेनिस्तान और टोगो जैसे देशों को 2025 की रिपोर्ट से बाहर कर दिया गया है। दुनिया का सबसे प्रदूषित शहरः भारत का लोनी शहर 2025 में दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां औसत पीएम2.5 स्तर 112.5 माइक्रोग्राम दर्ज किया गया। इसके बाद चीन के शिनजियांग क्षेत्र का होटन शहर 109.6 माइक्रोग्राम के साथ दूसरे स्थान पर रहा। यह चिंताजनक है कि दुनिया के शीर्ष 25 सबसे प्रदूषित शहर केवल भारत, पाकिस्तान और चीन में ही स्थित हैं। शहरों का गिरता स्तरः 2025 में दुनिया के केवल 14% शहरों ने डब्ल्यूएचओ के मानकों को पूरा किया, जो कि एक साल पहले (17%) के मुकाबले कम है। इसका एक बड़ा कारण कनाडा के जंगलों में लगी आग थी, जिसने अमेरिका और यूरोप तक पीएम2.5 के स्तर को बढ़ा दिया। ला नीना मौसम प्रणाली के कारण बढ़ी नमी और हवाओं के चलते लाओस, कंबोडिया और इंडोनेशिया में पिछले वर्ष की तुलना में पीएम2.5 में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई।

मध्य पूर्व में हिंसा की बड़ी कीमत चुका रहे बच्चे, संघर्ष में अब तक 2,100 से ज्यादा हताहत : संयुक्त राष्ट्र

न्यूयार्क, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते सैन्य संघर्ष के बाद से अब तक 2,100 से अधिक बच्चे या तो मारे जा चुके हैं या घायल हुए हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के उप कार्यकारी निदेशक टेड चैबन ने दी। उन्होंने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि संघर्ष शुरू हुए 23 दिन हो चुके हैं और इस दौरान पूरे क्षेत्र के बच्चे सबसे ज्यादा नुकसान झेल रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह लड़ाई और लंबी चली या बड़े स्तर पर फैल गई, तो लाखों और बच्चों के लिए स्थिति बेहद भयावह हो सकती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने बताया कि मारे गए लोगों में 206 बच्चे ईरान में, 118 लेबनान में, चार इजरायल में और एक कुवैत में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से हर दिन औसतन 87 बच्चे या तो मारे जा रहे हैं या घायल हो रहे हैं। मौत और चोटों के अलावा, लगातार हो रही बमबारी और लोगों को जगह खाली करने के आदेशों के कारण कई देशों में बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। ईरान में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के अनुमान के मुताबिक करीब 32 लाख लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें लगभग 8 लाख 64 हजार बच्चे शामिल हैं। वहीं लेबनान में 10 लाख से ज्यादा लोग अपने घर छोड़ चुके हैं, जिनमें करीब 3 लाख 70 हजार बच्चे हैं। चैबन ने कहा कि इस संघर्ष के बढ़ने से पहले ही मध्य पूर्व में लगभग 4 करोड़ 48 लाख बच्चे ऐसे हालात में रह रहे थे, जो पहले से ही संघर्ष से प्रभावित थे। हाल ही में लेबनान के अपने दौरे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां की स्थिति बेहद चिंताजनक है और पूरे क्षेत्र में जो हो रहा है, उस पर दुनिया का पूरा ध्यान और मिलकर कार्रवाई जरूरी है। लेबनान में 350 से ज्यादा सरकारी स्कूलों को राहत शिविर बना दिया गया है, जिससे करीब 1 लाख बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। इसके अलावा पानी की व्यवस्था खराब हो गई है और लोगों की मदद करते समय कई स्वास्थ्यकर्मियों की मौत भी हुई है। यूनिसेफ ने अब तक 250 से ज्यादा शिविरों और दूर-दराज के इलाकों में 1 लाख 51 हजार विस्थापित लोगों तक जरूरी सामान पहुंचाया है। साथ ही 188 शिविरों में करीब 46 हजार लोगों को पानी और साफ-सफाई की सुविधा दी जा रही है। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि जरूरतें बहुत तेजी से बढ़ रही हैं और उपलब्ध संसाधन कम पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम सभी पक्षों को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत उनके दायित्वों की याद दिलाते हैं। जैसा कि महासचिव ने संकेत दिया है हमें इस युद्ध को रोकने और आगे बढ़ने के लिए एक राजनीतिक रास्ते की जरूरत है।

ईरान और अमेरिका के बीच दूरी मिटाने में जुटे ये मुस्लिम देश, इस्लामाबाद में हो सकती है मध्यस्थता बैठक

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को खत्म करने की कोशिशें लगातार जारी हैं। इस बीच रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस सप्ताह इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक होने की संभावना है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले रोकने के एलान के बाद कूटनीतिक गतिविधियों में तेजी आई है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ सकारात्मक बातचीत की वजह से हमलों को पांच दिन के लिए रोका गया है।

कौन से मुस्लिम देश कर रहे जंग खत्म करने के कूटनीतिक प्रयास : रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पाकिस्तान, तुर्किये और मिस्र पर्दे के पीछे रहकर दोनों देशों को बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। एक वरिष्ठ इस्राइली अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद में बैठक आयोजित करने के लिए संपर्क जारी हैं, जिसमें अमेरिका और ईरान के शीर्ष प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं।

एक पाकिस्तानी अधिकारी और एक अन्य सूत्र ने बताया कि युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत इसी सप्ताह इस्लामाबाद में हो सकती है। पाकिस्तानी अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर के इस्लामाबाद में ईरानी अधिकारियों से मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में दावा- ईरानी संसद के अध्यक्ष के संपर्क में

अमेरिका इस्राइल को मध्यस्थता के लिए की जा रही इन कोशिशों की जानकारी थी, लेकिन ट्रंप के इस दावे से वह हैरान है कि बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है और कई मुद्दों पर सहमति बन चुकी है। हाल के दिनों में तुर्किये, मिस्र और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों ने अलग-अलग बैठकों में व्हाइट हाउस के दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से चर्चा की है। इस्राइली मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ से भी संपर्क किया है, जो इस संघर्ष के दौरान अहम निर्णयकर्ता के रूप में उभरे हैं। एक सूत्र ने बताया कि मध्यस्थता जारी है और प्रगति हो रही है, जिसका उद्देश्य युद्ध को समाप्त करना और बाकी मुद्दों का समाधान निकालना है। ट्रंप ने किया ईरान पर सैन्य कार्रवाई रोकने का एलान इस बीच ट्रंप ने कहा कि बातचीत काफी मजबूत रही है और कई अहम बिंदुओं पर सहमति बन चुकी है। उन्होंने बताया कि कूटनीति के लिए पांच दिनों तक सैन्य कार्रवाई रोकी गई है। उन्होंने कहा कि अगर बातचीत सफल रहती है तो हम समझौते तक पहुंच जाएंगे, वरना हम फिर से कार्रवाई करेंगे। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान ने खुद बातचीत के लिए संपर्क किया है।

टेक्सास की तेल रिफाइनरी में विस्फोट से हड़कंप, स्थानीय लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका में टेक्सास तट के पास सोमवार को एक तेल रिफाइनरी में विस्फोट हुआ। इस धमाके के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और आसमान में धुएं का भारी गुबार छा गया। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर स्थानीय निवासियों को घरों के भीतर ही रहने का आदेश जारी किया है।

राहत बचाव कार्य जारी : यह विस्फोट ह्यूस्टन से लगभग 145 किलोमीटर पूर्व में स्थित पोर्ट आर्थर की वैलेरो रिफाइनरी में हुआ। पोर्ट आर्थर की मेयर चार्लोट एम. मोसेस ने जानकारी दी कि इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ है सभी सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी मौके पर पहुंच चुके हैं और जल्द से जल्द आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। मेयर ने शहर के पश्चिमी हिस्से के लोगों से अपील की है कि वे घरों से बाहर न निकलें।

क्या बोले स्थानीय निवासी : सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो और तस्वीरों में रिफाइनरी से आग की लपटें और काला धुआं निकलता दिखाई दे रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, धमाका इतना जोरदार था कि उनके घरों की खिड़कियां तक हिल गईं। प्रशासन ने फेसबुक के जरिए संदेश दिया है कि जब तक आपातकालीन सेवाओं की ओर से खतरा टलने की घोषणा का संकेत न मिल जाए, तब तक लोग सुरक्षित स्थानों पर ही रहें।

लोगों से सतर्क रहने की अपील : टेक्सास के राज्य प्रतिनिधि क्रिश्चियन मैनुअल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि 'टेक्सास कमीशन ऑन एनवायर्नमेंटल क्वालिटी' की टीम वायु निगरानी उपकरणों के साथ रिफाइनरी पहुंच गई है। उन्होंने निवासियों को सलाह दी है कि वे बाहरी गतिविधियों को सीमित करें और अपने घरों के खिड़की-दरवाजे बंद रखें।

वैलेरो की वेबसाइट के अनुसार, इस

रिफाइनरी में लगभग 770 कर्मचारी काम करते हैं और इसकी क्षमता प्रतिदिन लगभग 4,35,000 बैरल तेल संसाधित करने की है। यह प्लांट कच्चे तेल से गैसोलीन, डीजल और जेट ईंधन तैयार करता है। गौरतलब है कि यह विस्फोट ऐसे समय में हुआ है जब ईरान युद्ध के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में अनिश्चितता बनी हुई है और गैस की कीमतों में पहले से ही भारी उछाल देखा जा रहा है। फिलहाल वैलेरो कंपनी की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

अमेरिका की सबसे बड़ी रिफाइनरी में से एक : वालेरो पोर्ट आर्थर रिफाइनरी टेक्सास गल्फ कोस्ट से लगभग 90 मील की दूरी पर स्थित है। यहां लगभग 770 कर्मचारी का मकरते हैं। एक दिन में यहां 435000 बैरेल गैसोलीन, डीजल और जेट फ्यूल रिफाइन किया जाता है। जानकारों का कहना है कि इस रिफाइनरी में आग लगने के बाद ऑपरेशन रुक सकता है। इसका असर क्षेत्रीय फ्यूल सप्लाई पर भी पड़ सकता है। एक जानकार ने अनुमान लगाया है कि हीटिंग यूनिट में विस्फोट आग लगने की वजह हो सकती है। बता दें कि ईरान से युद्ध के बीच अफवाह यह भी फैल रही है कि ईरान ने ही यह हमला किया है। हालांकि अगर ईरान की सैन्य क्षमता देखें तो उसकी मिसाइलें अमेरिका तक पहुंचने में सक्षम नहीं हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed at MANGALYAM MUDRANALAY, 107/B, Parwati Industrial Estate, Opp. PNB, Tavdipura, Ahmedabad-380004. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.